सूर्योदय 6:07 सूर्यास्त 6:25

आज का तापमान

शिमला	15.5 न्यू	25.0 अधि
धर्मशाला	18.0 न्यू	28.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,336
निफ्टी	23,217

सोना 1,52,000 चांदी 2,29,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 17 सितंबर 2026 | 1 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 143, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

चिटफंड मामले में ईडी की कोलकाता के कई ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी, कोलकाता। कथित चिटफंड वित्तीय घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार सुबह कोलकाता के कई इलाकों में एक साथ तलाशी अभियान चलाया। नारकेलडांगा, नेताजीनगर और रविंद्र सरोवर समेत कई स्थानों पर टीमें पहुंचीं। कार्रवाई के दौरान केंद्रीय सशस्त्र बलों के जवान भी तैनात रहे। बताया गया कि नारकेलडांगा में व्यवसायी अब्दुर जब्बार मोल्ला के आवास की तलाशी ली गई। जांच कथित एपीएम चिटफंड या निवेश नेटवर्क से जुटाई गई रकम के लेनदेन और उसके दूसरे कारोबारों में इस्तेमाल से जुड़ी बताई जा रही है। इंदौर में भी तलाशी की सूचना है। मामले में कुल 17 ठिकानों पर कार्रवाई की जानकारी सामने आई है।

इमरजेंसी या महामारी में नहीं कटेगा पीएफ

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नई कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना-2026 में खास प्रावधान जोड़ा है। इसके तहत कोई इमरजेंसी, महामारी या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में तीन महीने के लिए कर्मचारी की सैलरी से पीएफ नहीं कटेगा या आंशिक तौर पर कटेगा। यह आपात स्थिति कब होगी, यह सरकार तय करेगी और नोटिफिकेशन भी जारी करेगी। यह राहत पूरे देश या किसी खास राज्य/क्षेत्र के लिए लागू की जा सकती है। राहत एक बार में ज्यादा से ज्यादा 3 महीने के लिए ही दी जाएगी। संकट खत्म होने के बाद फिर से पुराना नियम यानी सामान्य पीएफ कटने लगेगा।

त्रिपुरा में 40 करोड़ की याबा टैबलेट जब्त, ट्रक चालक गिरफ्तार

एजेंसी, अगरतला। त्रिपुरा के उत्तरी जिले में पुलिस, असम राइफल्स और डीआरआई की संयुक्त टीम ने पानीसागर नाका पर करीब पांच लाख याबा टैबलेट जब्त की हैं। इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 40 करोड़ आंकी गई है। गुप्त सूचना के आधार पर असम से अगरतला जा रहे एक ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में ट्रक के गुप्त केबिन से नशीली गोलियां बरामद हुईं। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कार्रवाई की सराहना करते हुए इसे नशा मुक्त त्रिपुरा अभियान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

नेपाल में दो बार लगे भूकंप के झटके

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बुधवार तड़के दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों भूकंप के बाद तत्काल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंपीय अनुसंधान केंद्र के अनुसार, पहला भूकंप 4.5 तीव्रता का था, जबकि कुछ ही देर बाद 4.2 तीव्रता का दूसरा झटका दर्ज किया गया। राष्ट्रीय भूकंपीय अनुसंधान केंद्र ने बताया कि पहला भूकंप स्थानीय समयानुसार करीब रात 1:51 बजे आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र मुगु जिले के कलाई इलाके के पास बताया गया है।

उत्तर अरब सागर में भारतीय युद्धपोत से टकराया पाकिस्तानी जहाज, बढ़ा तनाव

सुरक्षित दूरी के समझौते के बावजूद हुई टक्कर, घटना को माना गया गंभीर चूक

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर अरब सागर में भारतीय नौसेना के एक फ्रंटलाइन युद्धपोत और पाकिस्तान नौसेना के एक जहाज के बीच टक्कर की घटना सामने आई है। यह घटना 15 सितंबर की शाम की बताई जा रही है। भारतीय युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी जहाज तेज गति से भारतीय युद्धपोत के करीब आया और दोनों जहाजों के बीच टक्कर हो गई। हालांकि, घटना में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है।

सार्वजनिक तौर पर अभी दोनों जहाजों के नाम और टक्कर की सटीक लोकेशन जैसी तकनीकी जानकारी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि दोनों जहाजों के बीच पर्याप्त सुरक्षित दूरी नहीं रह गई थी। ऐसे में पाकिस्तानी जहाज की पैंतरेबाजी को असुरक्षित और गैर-पेशेवर माना जा रहा है। घटना के बाद समुद्री मोर्चे पर भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने की चर्चा है।

मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच समुद्र में दुर्घटनाओं और गलतफहमियों को रोकने के लिए अप्रैल 1991 में समझौता हुआ था। इसके आर्टिकल 10 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों और पनडुब्बियों के संचालन को लेकर विशेष प्रावधान हैं। इसके तहत दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों को एक-दूसरे से तीन नॉटिकल मील से कम दूरी पर नहीं आना चाहिए। तीन नॉटिकल मील करीब 5.56 किलोमीटर के बराबर होते हैं।

भारत सरकार के पुराने आधिकारिक रिकॉर्ड में भी इस प्रावधान का उल्लेख मिलता है। इसलिए मौजूदा घटना में सवाल केवल टक्कर को लेकर नहीं, बल्कि समुद्र में सुरक्षित संचालन के लिए तय द्विपक्षीय व्यवस्था के पालन को लेकर भी उठ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं के बीच इस तरह की घटनाओं का इतिहास पुराना है। वर्ष 2011 में अरब सागर के हाई सीज क्षेत्र में आईएनएस दोगावरी और पाकिस्तान के पीएनएस बाबर के बीच संपर्क की घटना हुई थी। उस समय दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर खतरनाक मैन्यूरिंग के आरोप लगाए थे। भारत ने तब भी समझौते के आर्टिकल 10 का हवाला देते हुए पाकिस्तान के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था।

◆ **1991 के समझौते में तीन नॉटिकल मील की दूरी बनाए रखने का है प्रावधान**

भारत ने किया पाक राजनयिक को तलब

विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी राजनयिक साद अहमद वारैच को इसलिए बुलाया गया था ताकि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में पाकिस्तानी नौसेना की इकाइयों के उस अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर व्यवहार पर कड़ा विरोध दर्ज कराया जा सके, जिसके कारण यह टक्कर हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'पाकिस्तान के चार्ज डी'अफेयर्स को सलाह दी गई कि वे संबंधित पाकिस्तानी अधिकारियों तक यह बात पहुंचाएं कि ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए सभी सैन्य इकाइयों को उचित सावधानी बरतनी चाहिए और दोनों पक्षों के बीच हुए संबंधित समझौतों के प्रावधानों का सम्मान करना चाहिए।' मंत्रालय की तरफ से बयान में आगे कहा गया, 'इस्लामाबाद में भारत के चार्ज डी'अफेयर्स को भी निर्देश दिया गया है कि वे इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष इसी तरह का विरोध दर्ज कराएं।'

चिट्टा बेचने वालों के लिए हिमाचल में कोई जगह नहीं : मुख्यमंत्री सुक्खू

◆ **ऊना में एंटी-चिट्टा वॉकथॉन की अगुवाई, युवाओं से नशे के खिलाफ सिपाही बनने का आह्वान**

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने ऊना में आयोजित एंटी-चिट्टा जन-जागरूकता वॉकथॉन की अगुवाई करते हुए प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं से नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इंदिरा स्टेडियम से शुरू हुई वॉकथॉन न्यू बस अड्डे तक गई और वापस स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। जिला भर से विद्यार्थियों और आम लोगों ने इसमें भाग लिया। मुख्यमंत्री ने वॉकथॉन से पहले उपस्थित लोगों को एंटी-चिट्टा शपथ भी दिलाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नशे के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई कर रही है। चिट्टा बेचकर युवाओं का भविष्य खराब करने वालों के लिए हिमाचल में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि तस्करों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस के भरोसे नहीं जीती जा सकती। परिवार, शिक्षक, पंचायतें, महिला मंडल, युवा मंडल और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपने साथियों को नशे से दूर रखने तथा चिट्टे की बिक्री की विश्वसनीय जानकारी टोल-फ्री नंबर 112 पर देने का आग्रह किया।

सुक्खू ने कहा कि सरकार ने नशे के खिलाफ अभियान को जन आंदोलन का रूप दिया है। शिमला, धर्मशाला, हमीरपुर और बिलासपुर के बाद ऊना में भी लोगों ने एकजुट होकर नशे के खिलाफ संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि समाज के जागरूक होने से नशे और माफिया के खिलाफ लड़ाई को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 17 सितंबर को ऊना जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में अवकाश की घोषणा की। उन्होंने 3.87 करोड़ से बने बहुमंजिला खंड विकास कार्यालय भवन का लोकार्पण तथा 9.55 करोड़ से बनने वाले रामपुर पुल का शिलान्यास भी किया।

पंजाब में नशे पर नहीं लगी लगाम : नायब सैनी

सीएम बोले- नशामुक्त समाज के लिए परिवार और संस्थाएं आएं आगे

एजेंसी, फिरोजपुर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को पंजाब सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए राज्य में नशाखोरी और बेरोजगारी के मुद्दे पर तीखी आलोचना की। फिरोजपुर के गुरुहरसहाय के गांव बाजेके स्थित 'बाबा राम थम्मन आश्रम' में आयोजित एक धार्मिक समागम में शिरकत करने पहुंचे सैनी ने कहा कि पंजाब में नशा खत्म करने और युवाओं को रोजगार देने के बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है।

सैनी ने स्पष्ट किया कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल सरकार के भरोसे नहीं हो सकता। इसके लिए परिवारों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को मिलकर आगे आना होगा। इस दौरान उन्होंने हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का भी उदाहरण दिया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा को खेलों और रचनात्मक कार्यों में लगाएं ताकि राज्य को नशे के गर्त से निकाला जा सके। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने के साथ-साथ उन्हें खेलों से जोड़ना बेहद जरूरी है।

सैनी सरकार के दावों पर उठा सवाल

सैनी ने पंजाब में सरकारी नौकरियों की पारदर्शी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि युवाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से रोजगार मिलना चाहिए ताकि वे सही राह पर चल सकें। **'नोटों की बारिश' पर कसा तंज:** पंजाब सरकार की कार्यशैली पर कटाक्ष करते हुए सैनी ने खरड़ की एक घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक बार सचिवालय में स्क्रीन पर देखते हुए उन्होंने देखा कि खरड़ में एक फ्लैट टावर से नोटों की बारिश हो रही थी।

अमेरिका में एनबीसी चैनल का हेलिकॉप्टर क्रैश, तीन की मौत

एजेंसी, एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में मंगलवार शाम एनबीसी न्यूज का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। हेलिकॉप्टर एक बस और एसयूवी की टक्कर की खबर की कवरेज कर रहा था। सैन फर्नांडो वैली के चैट्सवर्थ इलाके में यह एक सेल्फ-स्टोरेज सुविधा के पास पार्किंग में गिरा और आग लग गई। हादसे में हेलिकॉप्टर सवार पायलट जॉर्ज मार्सिनिव और फोटो जर्नलिस्ट एलियाना मोरेनो की मौत हुई। जमीन पर मौजूद एक व्यक्ति भी मारा गया। दो लोगों को अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटना के बाद एनबीसी लॉस एंजिल्स ने लाइव कवरेज रोक दी।

फिटनेस व महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दे रही दिल्ली हाफ मैराथन: रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 21वें संस्करण के फिनिशर मेडल का बुधवार को दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अनावरण किया। यह मेडल फिनिश लाइन तक पहुंचने वाले प्रत्येक धावक की मेहनत, दृढ़ संकल्प और उपलब्धि का प्रतीक है। दौड़ का आयोजन 18 अक्तूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से होगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन स्वास्थ्य, फिटनेस और महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के साथ सामाजिक एवं परोपकारी प्रभाव के लिहाज से राजधानी के लिए महत्वपूर्ण आयोजन बन चुका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस आयोजन की सफलता के लिए सहयोग कर रही है।

दिल्ली के श्रम, रोजगार एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि यह आयोजन दिल्ली के वार्षिक खेल कैलेंडर का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। इससे देश और विदेश के लोग राजधानी से जुड़ते हैं तथा दिल्ली को पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा मिलता है।

2026 का फिनिशर मेडल जिंक से तैयार किया गया है, जिसे उदयपुर स्थित जावर माइंस से प्राप्त किया गया है। इसका निर्माण हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने किया है। मेडल का डिजाइन भारत की प्राकृतिक विरासत और धावकों की व्यक्तिगत यात्रा को दर्शाता है।

आयोजकों के अनुसार हाफ मैराथन का पंजीकरण 100 घंटे में ही बंद हो गया। वहीं, द ग्रेट दिल्ली रन, चैंपियंस विद डिसेबिलिटी और सीनियर सिटीजन रन के लिए भी प्रतिभागियों में उत्साह बना हुआ है।

अमृतसर में 27 किलो हेरोइन, पिस्तौल और तीन कारतूस सहित चार गिरफ्तार

एजेंसी, अमृतसर। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने नशे और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 27 किलो हेरोइन, विदेशी निर्मित .30 बोर पीएक्स5 पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए गए हैं।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को आरोपितों के सीमा पार बैठे तस्करों के संपर्क में होने के संकेत मिले हैं। पुलिस के अनुसार, वे कथित तौर पर निर्देश मिलने के बाद नशीले पदार्थों की खेप आगे पहुंचाने का काम करते थे। जांच में दुबई स्थित एक व्यक्ति से संपर्क की बात भी सामने आई है।

थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल में मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस खेप के पंजाब पहुंचने के रास्ते, संभावित सप्लाई चेन, वित्तीय लेनदेन और हथियारों की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है।

◆ **सीमा पार तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने का शक, दुबई कनेक्शन की जांच**

◆ **सप्लाई चेन और हथियार तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी पुलिस**

सीएम धामी ने दिव्यांग बच्चों संग मनाया जन्मदिन

बच्चों के साथ केक काटकर साझा की खुशियां, आत्मीयता से किया संवाद

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर देहरादून स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान पहुंचकर अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के साथ जन्मदिन की खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ केक काटा और उनसे आत्मीयता से मुलाकात कर संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ समय बिताया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चे भी उत्साहित और प्रसन्न नजर आए। इस दौरान संस्थान का वातावरण आत्मीयता और अपनत्व से भरा रहा। धामी ने कहा कि बच्चों के बीच बिताया गया समय जीवन को नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है। प्रत्येक बच्चे में प्रतिभा और संभावनाएं होती हैं। उन्हें आगे बढ़ने के लिए अवसर, प्रोत्साहन और विश्वास मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से जीवन की चुनौतियों को पार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को अपने लक्ष्य की ओर पूरे विश्वास और उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्नेह और उनके चेहरों की खुशी उनके जन्मदिन का सबसे विशेष और यादगार उपहार है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की पत्नी गीता पुष्कर धामी, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी और संस्थान के शिक्षक मौजूद रहे।

रूस से क्रूड ऑयल खरीदने वालों पर 100% टैरिफ लगाएगा अमेरिका

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी संसद में वीरवार को रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले संशोधित विधेयक को पेश किया जाना है, जिसमें भारत-चीन समेत कई देशों के नाम को जोड़ा जा रहा है। इस संशोधित विधेयक पर अमेरिकी संसद में आज वोटिंग होगी।

इस विधेयक के जरिए रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका 100 फीसदी टैरिफ लगाने वाला है। अमेरिका का मानना है कि रूस के कच्चे तेल का कारोबार यूक्रेन के खिलाफ चल रहे युद्ध को आर्थिक मदद दे रहा है। विधेयक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस के प्रमुख तेल खरीदार देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार देने का प्रस्ताव है। इनमें चीन और भारत जैसे देश शामिल हैं।

लिस्ट में 10 देश

इस संशोधित बिल में चीन, भारत, तुर्की, यूएई, अजरबैजान, हंगरी, स्लोवाक रिपब्लिक, सिंगापुर, कजाकिस्तान और किर्गिज रिपब्लिक को उन देशों के तौर पर कानून में शामिल करने का प्रस्ताव है, जिन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। इसका मतलब है कि रूस से तेल कारोबार करने वाले इन देशों को विधेयक में प्रस्तावित माध्यमिक टैरिफ के दायरे में स्पष्ट रूप से लाया जा सकता है।

कार्यक्रम मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में चैरिटेबल ब्लड सेंटर का किया लोकार्पण, स्वैच्छिक रक्तदान पर दिया जोर

इंसेफेलाइटिस पर काबू, यूपी में बढ़ा चिकित्सा ढांचा: योगी

एजेंसी, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के चैरिटेबल ब्लड सेंटर का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और इंसेफेलाइटिस से निपटने के प्रयासों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस बड़ी चिंता का विषय था, लेकिन अब स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की पहचान अब 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य से बन रही है।

योगी ने कहा कि प्रदेश में 75 जिले हैं और मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 85 हो गई है। एमबीबीएस की सीटें भी 4600 से बढ़कर 13,500 से अधिक हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सरकार सभी जिला अस्पतालों में दस-दस बेड की डायलिसिस इकाई शुरू करने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में एम्स सहित आसपास के जिलों में शुरू हुए मेडिकल कॉलेजों का भी उल्लेख किया।

चैरिटेबल ब्लड सेंटर की स्थापना के लिए उन्होंने आईएमए की सराहना की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और चिकित्सा सुविधाओं के बावजूद रक्त का निर्माण नहीं किया जा सकता, इसलिए स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने चिकित्सकों से लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने की अपील की। साथ ही पेशेवर रक्तदाताओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की जरूरत बताई, ताकि संक्रमण के संभावित खतरे को रोका जा सके।

इस अवसर पर एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, आईएमए गोरखपुर के संयुक्त सचिव डॉ. दिनेश चंद्रा, गुरु गोरखनाथ ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल, डॉ. महेंद्र अग्रवाल, डॉ. अमरेश सिंह, डॉ. सीएम सिन्हा, डॉ. शिवशंकर शाही, डॉ. बबिता सहित कई उपस्थित रहे।

सेवा कार्यों में आईएमए की भूमिका सराही

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आईएमए ने पहले निशुल्क ओपीडी शुरू की और अब चैरिटेबल ब्लड सेंटर स्थापित कर सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय की सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां रक्त पृथक्करण, एफेरेसिस और डायलिसिस जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं।

पोखरण रेंज में वायु सेना के 'ड्रोनथॉन' ने दिखाई स्वदेशी ऑपरेशनल क्षमता

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना का 'आईएएफ ड्रोनथॉन-2026' बुधवार को जैसलमेर के पोखरण रेंज में संपन्न हुआ। तीन दिवसीय आयोजन में घरेलू उद्योग, स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स ने अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स (यूएएस) और काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स (सीयूएएस) से जुड़ी अपनी तकनीकों और क्षमताओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नई ड्रोन एवं काउंटर-ड्रोन तकनीकों की ऑपरेशनल क्षमता को परखना और वायु सेना तथा उद्योग के बीच तकनीकी सहयोग बढ़ाना था।

आयोजन में स्थिर प्रदर्शन के साथ लाइव डेमो भी किए गए। इनमें सर्विलांस और टोही, ऑटोनॉमस ऑपरेशन, स्वॉर्म टेक्नोलॉजी तथा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। इन प्रदर्शनों के जरिए यह समझने का प्रयास किया गया कि विकसित तकनीकें वास्तविक ऑपरेशनल परिस्थितियों में कितना प्रभावी प्रदर्शन कर सकती हैं।

'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के अनुरूप ड्रोनथॉन का उद्देश्य स्वदेशी रक्षा इकोसिस्टम को मजबूत करना रहा। बदलते सुरक्षा माहौल में ड्रोन और काउंटर-ड्रोन प्रणालियों की बढ़ती भूमिका को देखते हुए वायु सेना ने इंडस्ट्री और तकनीकी डेवलपर्स के साथ सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। डायरेक्टर जनरल (वेपन सिस्टम्स) एयर मार्शल प्रेमकुमार ने कहा कि ड्रोनथॉन केवल तकनीकी प्रदर्शनी नहीं, बल्कि वायु सेना, उद्योग, स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आयोजन से इंडस्ट्री को वायु सेना की ऑपरेशनल चुनौतियों की बेहतर समझ मिली, जबकि वायु सेना को देश में विकसित हो रही नई तकनीकों व समाधानों की जानकारी मिली। उन्होंने भरोसेमंद, स्वदेशी और तकनीकी रूप से उन्नत मानवरहित प्रणालियां विकसित करने के लिए इंडस्ट्री के साथ मिलकर काम जारी रखने पर जोर दिया।

शिमला में जनगणना कार्य ने पकड़ी रफ्तार, 65 प्रतिशत कवरेज पूरा

25 सितंबर तक लक्ष्य पूरा करने की तैयारी, दुर्गम क्षेत्रों में डिजिटल तकनीक से सर्वेक्षण जारी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जनगणना 2027 के दूसरे चरण के तहत शिमला जिले में चल रहे जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा के लिए बुधवार को जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय के उप महानिदेशक बिस्वजीत दास ने की। बैठक में जनगणना कार्य की अब तक की प्रगति, फील्ड स्तर पर सामने आ रही चुनौतियों और निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूरा करने की तैयारियों पर चर्चा की गई।

बैठक में उप महानिदेशक बिस्वजीत दास ने जनगणना कार्य में जुटे अधिकारियों और फील्ड स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान अत्याधुनिक तकनीक और विभिन्न डिजिटल टूल का प्रभावी इस्तेमाल किया जा रहा है। देशभर के हिम–बाधित और दुर्गम क्षेत्रों में भी जनगणना का कार्य किया जा रहा है। ऐसे क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों और मौसम संबंधी चुनौतियों के बावजूद फील्ड स्टाफ पूरी प्रतिबद्धता के साथ जिम्मेदारी निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा से पहले लक्ष्य हासिल करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली तथा फील्ड स्तर पर हो रहे कवरेज की नियमित समीक्षा भी की जा रही है।

उपायुक्त ने प्रस्तुत की प्रगति रिपोर्ट : बैठक में उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने जनगणना के दूसरे चरण की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि शिमला जिले में 15 सितंबर 2026 की शाम तक निर्धारित लक्ष्य का करीब 65 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। जनगणना कार्य में तैनात फील्ड स्टाफ पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।

उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान प्रगति को देखते हुए जिला प्रशासन को उम्मीद है कि 25 सितंबर 2026 तक जिले का निर्धारित जनगणना लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फील्ड स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं और चुनौतियों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि कार्य की गति प्रभावित न हो और निर्धारित समय सीमा के भीतर कवरेज पूरा किया जा सके। उपायुक्त ने बताया कि शिमला जिले की कुल जनसंख्या 7,68,664 है। इसमें से 15 सितंबर की शाम तक 5,00,621 व्यक्तियों की जनगणना का कार्य पूरा किया जा चुका है।

राजकीय महाविद्यालय ठियोग में विश्व ओजोन दिवस मनाया गया

भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग। राजकीय महाविद्यालय ठियोग में भूगोल विभाग की ओर से विश्व ओजोन दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की।

उन्होंने ओजोन परत के महत्व और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा में ओजोन परत की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने और अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भूगोल विभाग की प्रो. राशिका शर्मा ने विद्यार्थियों को ओजोन परत के महत्व, ओजोन क्षरण के कारणों तथा इसके दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और ओजोन परत के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विश्व ओजोन दिवस 2026 की विषयवस्तु 'ठंडी धरती के लिए वैश्विक प्रयास—मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में किगाली संशोधन के तहत टिकाऊ शीतलन के 10 वर्ष का उत्सव' पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी ओजोन परत संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को लेकर अपने विचार साझा किए।

वक्ताओं ने कहा कि ओजोन परत की सुरक्षा केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस दौरान उन्होंने ओजोन परत की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलाने और पर्यावरण हितैषी आदतें अपनाने का संकल्प लिया।

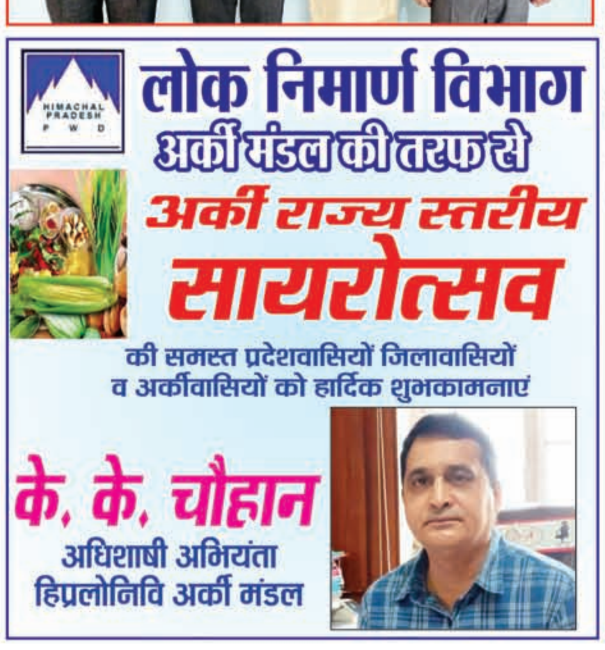

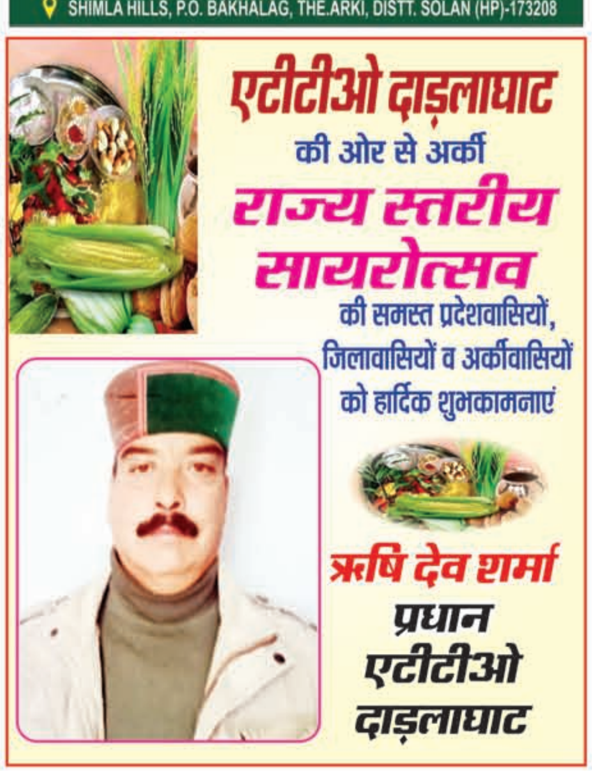

राज्यस्तरीय सायरोत्सव की समस्त अर्की वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

हिमाचल प्रदेश के लोगों की श्रद्धा और परंपरा से जुड़ा है 'सायर उत्सव'

अर्की, (नीरज गुप्ता)। हिमाचल प्रदेश अपनी समृद्ध संस्कृति, विभिन्न मेले, उत्सव और त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। ये सारे त्योहार जहां हम सबको हमारे अपनों से जोड़े रखने का काम करते हैं, वहीं हिमाचली जनता के लिए एक रोजगार का काम भी कर रहे हैं। हिमाचल में यूं तो साल भर बहुत से त्योहार मनाए जाते हैं और लगभग हर महीने की संक्रांति यानी 'सज्जी या साजा' को एक विशेष नाम से जाना जाता है और त्योहार के तौर पर मनाया जाता है। क्रमानुसार भारतीय देशी महीनों के बदलने और नए महीने के शुरू होने के प्रथम दिन को संक्रांति कहा जाता है। हिमाचल प्रदेश में लगभग हर देशी महीने में कोई न कोई उत्सव या त्योहार मनाया जाता है। भादों का महीना समाप्त होते ही आश्चिन महीना शुरू होता है। इस संक्रांति को जो उत्सव पड़ता है, वह है सैर यानी सायर उत्सव। सितंबर महीने यानी आश्चिन महीने की संक्रांति को कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, बिलासपुर और सोलन सहित प्रदेश के अन्य कुछ जिलों में भी सैर या सायर का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है। वास्तव में यह त्योहार वर्षा ऋतु के खत्म होने और शरद ऋतु के आगाज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस समय खरीफ की फसलें पक जाती हैं और काटने का समय होता है, तो भगवान को धन्यवाद करने के लिए यह त्योहार मनाते हैं। सैर के बाद ही खरीफ की फसलों की कटाई की जाती है। इस दिन 'सैरी माता' को फसलों का अंश और मौसमी फल चढ़ाए जाते हैं और साथ ही राखियां भी उतार कर सैरी माता को चढ़ाई जाती हैं। सैर मनाने का तरीका हर क्षेत्र का अलग-अलग है। जहां एक तरफ कुल्लू, मंडी, कांगड़ा आदि क्षेत्रों में सैर एक पारिवारिक त्योहार के रूप में मनाई जाती है, वहीं शिमला और सोलन में इसे सामूहिक तौर पर मनाया जाता है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं और लोग इनमें उत्साह से शामिल होते हैं। ढोल-नगाड़े बजाए जाते हैं और अन्य लोकगीतों और लोकनृत्यों का आयोजन किया जाता है। शिमला के मशोबरा और सोलन के अर्को में 'झोटों' का युद्ध' कराया जाता था, परंतु कुछ समय से इस प्रथा को बंद कर दिया गया है तथा पूजन की प्रथा शुरू हो चुकी है। लोग मेलों में बर्तन, कपड़े खरीदते हैं। लोग अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों को मिठाई और अखरोट बांटते हैं। घरों में अनेकों पकवान भी बनते हैं। सोलन के अर्को में सायर का जिला स्तरीय मेला होता है। कुलू में सैर को सैरी साजा के रूप में मनाया जाता है। सैर के पिछली रात को दावत दी जाती है। अगले दिन कुल देवता की पूजा की जाती है, जिसके लिए सुबह से ही तैयारी होना शुरू हो जाती है। साफ सफाई करने के बाद नहा धोकर हलवा तैयार किया जाता है और सबमें बांटा जाता है। यह त्योहार रिश्तेदारों से मिलने जुलने और उनके घर जाने का होता है। एक-दूसरे को दुर्वा, जिसे स्थानीय भाषा में 'जूब कहते हैं, देकर उत्सव की बधाई दी जाती है। इस दिन देवता स्वर्ग से धरती पर आते हैं और लोग ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत करते हैं। वैसे भी हिमाचल में हर गांव का अपना एक देवी-देवता होता है, तो लोग इस दिन उनकी पूजा और स्वागत करते हैं। मंडी में भी यह पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। किसी स्थान पर इस दिन अखरोट खरीदे और बांटे जाते हैं व सड़क किनारे जगह-जगह आप अखरोट बेचने वालों को देख सकते हैं। सायर के त्योहार के दौरान अखरोट खेलने की परंपरा ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी है।

आभार

हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय समाचारपत्र भारतेन्दू शिखर द्वारा प्रकाशित विशेषांक में सहयोग देने पर सभी विज्ञापनदाता बंधुओं का हृदय से आभार। आशा करता हूं भविष्य में भी आपका सहयोग यथावत बना रहेगा।

नीरज गुप्ता
संवाददाता, अर्की, मो. 7018135202

प्रदेश व अर्की निर्वाचन क्षेत्र वासियों को राज्य स्तरीय सायरी मेले की हार्दिक शुभकामनाएँ

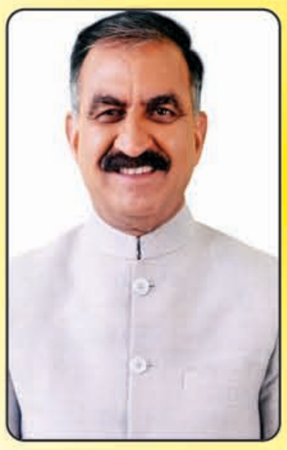

सुखविंद्र सिंह सुक्खू
माननीय मुख्यमंत्री (हि.प्र.)

संजय अवस्थी
विधायक अर्की विस क्षेत्र

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की हार्दिक बधाई

अनुराग ठाकुर
सासंद हमीरपुर लोकसभा संसदीय क्षेत्र

नरेंद्र हांडा
युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और ग्राम पंचायत चमाकड़ी प्रधान

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की हार्दिक बधाई

नशा एक अभिशाप है

नशे से रहें दूर - ज़िन्दगी जियें भरपूर

डॉ. मुक्ता रस्तोगी
खंड चिकित्सा अधिकारी अर्की

5 तरीके स्वस्थ जीवन शैली के लिए

नशे से दूर रहें

हर दिन सक्रिय रहें

अपने आस पास सफाई रखें

RKSK

104

खण्ड चिकित्सा अधिकारी अर्की जिला सोलन (हि0प्र0)

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की हार्दिक बधाई

AMBEY STONE CRUSHER

Deals: Sand, Bajri, Jeera & JCB Works etc.

Village Dhaini, P.O. Bhumti, Tehsil Arki Distt. Solan (H.P.)
Mob: 089881-20399, 098163-31250
Prop. Vinod Sharma 098570-58313

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की हार्दिक बधाई

यह आयोजन हमारी लोक परंपराओं और संस्कृति को बढ़ावा दे तथा क्षेत्रवासियों के लिए सुख-समृद्धि एवं उल्लास लाए।

कामेश्वर शर्मा
सरकारी ठेकेदार एवं व्यवसायी, अर्की

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की हार्दिक बधाई

यह आयोजन हमारी लोक परंपराओं और संस्कृति को बढ़ावा दे तथा क्षेत्रवासियों के लिए सुख-समृद्धि एवं उल्लास लाए।

डॉ. कामिनी शर्मा
एसडीएएमओ, आयुष विभाग ब्लॉक-जलाना (अर्की)

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की हार्दिक बधाई

यह आयोजन हमारी लोक परंपराओं और संस्कृति को बढ़ावा दे तथा क्षेत्रवासियों के लिए सुख-समृद्धि एवं उल्लास लाए।

अनुज गुप्ता
पार्षद नगर पंचायत अर्की एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष अर्की

जय श्री राम, जय हो लुटरु महादेव, जय हो कुर्गण महाराज

प्रदेश व अर्की निर्वाचन क्षेत्र वासियों को राज्य स्तरीय सायरी मेले की हार्दिक शुभकामनाएँ।

BHARAT STONE CRUSHER

भारत स्टोन क्रैशर

रेत, बजरी व जीरा के लिये संपर्क करें।

गांव खनलग डाकघर मांझू तहसील अर्की जिला सोलन हि0 प्र0

पंकज शर्मा 9418166665, चमन चौहान 8219527550

ठाकुर वैष्णो ढाबा

की तरफ से अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

राम लाल ठाकुर
अभिकर्ता एलआईसी फोन-01796-220537

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

भीम सिंह ठाकुर
एडवोकेट व अध्यक्ष नया सवेरा जन कल्याण समिति अर्की

पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank

की तरफ से अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

यह आयोजन हमारी लोक परंपराओं और संस्कृति को बढ़ावा दे तथा क्षेत्रवासियों के लिए सुख-समृद्धि एवं उल्लास लाए।

दिवेश कुमार हिमराल
वरिष्ठ प्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक अर्की शाखा

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सी.डी. बंसल
जिला अध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी (अनुसूचित जाति विभाग) सोलन एवं उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी सोलन

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

हीरा सिंह कौंडल
सरकारी ठेकेदार लोक निमार्ण विभाग

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

प्रेम लाल नेगी
प्रधानाचार्य राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरयांज, तहसील अर्की, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

जय नंद शर्मा
जिला अध्यक्ष हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स फेडरेशन

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

हेमराज गौर (प्रधानाचार्य)
पीएमश्री एससीवीटी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अर्की

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

हेमेंद्र गुप्ता
(अध्यक्ष) हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत परिषद सेवानिवृत कल्याण संघ अर्की

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

वरूण ठाकुर
एडवोकेट हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय शिमला

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

शमशेर सिंह ठाकुर
हिमाचल प्रदेश अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ, राज्यकार्यकारिणी मुख्य सलाहकार

मनदीप ठाकुर
अध्यक्ष अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ जिला सोलन

हरचरण सिंह
महासचिव अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ जिला सोलन

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

रोशन लाल वर्मा
निदेशक जोगिंद्रा सेंट्रल कॉ-ऑपरेटिव बैंक कुनिहार जोन, अर्की, जिला सोलन (हि.प्र.)

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मुनीष कमल
प्रधानाचार्य पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दाड़लाघाट, जिला सोलन

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

राज कुमार गौत्तम
Principal O/O DDSE (Hr.) Solan

SBI स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की अर्की शाखा की ओर से प्रदेशवासियों व जिलावासियों को राज्य स्तरीय सायरोत्सव की हार्दिक शुभकामनायें

SBI स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), अर्की शाखा
आपके सपनों का साथी, आपके भरोसे का बैंक

पताः-स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अर्की, तहसील अर्की, जिला सोलन, हि.प्र.-173208
शाखा कोडः-11851 ईमेलः-sbi.11851@sbi.co.in

मानव कल्याण समिति तहसील अर्की की ओर से

मानव कल्याण समिति तहसील अर्की

सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया:

अर्की राज्यस्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश महाजन
प्रधान ग्राम पंचायत पट्टा एवं अध्यक्ष भाजपा मंडल जयनगर, अर्की, जिला सोलन (हि.प्र.)

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

आशीष कांट्रेक्टर
सरकारी ठेकेदार

जल लुटरू महादेव

शिवा स्टोन क्रशर
खनलग, अर्की की तरफ से

प्रकृति का मत करो शोषण सब मिलकर बचाओं पर्यावरण

अर्की राज्य स्तरीय सायरोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों जिलावासियों व अर्कीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

रेत, बजरी व जीरा के लिए संपर्क करें

अरूण ठाकुर
मो. 98579-43467, 98160-33397, 98052-94547

पटियाला में एआई इंजन से रेल सुरक्षा को नई धार

ओएचई निगरानी प्रणाली से बिजली तारों और पटरियों की मिलेगी वास्तविक समय में जानकारी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पटियाला। भारतीय रेलवे ने रेल सुरक्षा और तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देश का पहला एआई पावर्ड रेल इंजन तैयार किया है। पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) निगरानी प्रणाली से लैस लोकोमोटिव नंबर 39642 का निर्माण पूरा किया है। रेलवे की किसी भी उत्पादन इकाई की ओर से तैयार किया गया यह अपनी तरह का पहला इंजन बताया गया है।

पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स की वरिष्ठ महिला कर्मचारी एवं तकनीशियन नीलम देवी ने प्रधान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एसके श्रीवास्तव की मौजूदगी में इंजन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कार्यशाला के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और कर्मचारी परिषद के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

खतरे की तत्काल मिलेगी जानकारी : समारोह को संबोधित करते हुए एसके श्रीवास्तव ने बताया कि इंजन शक्तिशाली यात्री विद्युत रेल इंजन डब्ल्यूएपी-7 श्रेणी में तैयार किया गया है। इसमें लगाए गए आधुनिक एआई सेंसर यात्रा के दौरान बिजली की ओवरहेड लाइनों और रेल पटरियों की लगातार निगरानी करेंगे। प्रणाली किसी भी संभावित खराबी की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने में सक्षम होगी।

सिस्टम बिजली के तारों में होने वाली चिंगारी, ढीले या खराब हिस्सों, कैटेनरी स्ट्रैंड के टूटने, खंभों पर पक्षियों के घोंसले तथा रेल पटरियों के आसपास मौजूद पेड़-पौधों के झुरमुट जैसी समस्याओं का पता लगा सकेगा। इससे रेल परिचालन के दौरान संभावित खतरों की पहचान समय रहते की जा सकेगी।

खराबी से पहले मिलेगी सूचना : एआई आधारित निगरानी प्रणाली का एक प्रमुख उद्देश्य पूर्वानुमानित रखरखाव को बढ़ावा देना है। किसी उपकरण में खराबी आने से पहले ही उसकी जानकारी रखरखाव दल तक पहुंचाने से समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। इससे ओएचई से संबंधित खराबी, शार्ट सर्किट और बिजली आपूर्ति बाधित होने जैसी समस्याओं से निपटने में मदद मिलेगी।

रेलवे के अनुसार, ओएचई प्रणाली में खराबी के कारण कई बार ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होता है और देरी की स्थिति बनती है। नई तकनीक के इस्तेमाल से खराबी की पहचान और उसके स्थान की जानकारी तेजी से मिलने की उम्मीद है। इससे रखरखाव कार्य को अधिक सटीक और प्रभावी बनाया जा सकेगा।

सुरक्षित और सुचारु होगा रेल परिचालन : एआई पावर्ड इंजन में लगी प्रणाली पटरियों और ओवरहेड बिजली लाइनों की वास्तविक समय में निगरानी करेगी। इससे संभावित तकनीकी खामियों की पहचान जल्दी होने के साथ रखरखाव टीम को कार्रवाई के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। रेलवे के लिए यह तकनीक सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

नई प्रणाली से ट्रेनों के अचानक रुकने, बिजली आपूर्ति में व्यवधान और ओएचई खराबी के कारण होने वाली देरी को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। साथ ही निगरानी से मिलने वाले आंकड़ों के आधार पर रखरखाव की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाया जा सकेगा। भारतीय रेलवे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के बीच पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स का यह इंजन रेल सुरक्षा और परिचालन व्यवस्था में तकनीकी बदलाव का उदाहरण बनकर सामने आया है।

पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स में तैयार एआई आधारित रेल इंजन रेलवे की तकनीकी क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम उपलब्धि है। डब्ल्यूएपी-7 श्रेणी के इस इंजन में लगी ओएचई निगरानी प्रणाली बिजली के तारों और पटरियों की लगातार निगरानी करेगी। सेंसर संभावित खामियों, तारों में चिंगारी, टूट-फूट और आसपास की बाधाओं की पहचान कर तत्काल सूचना देंगे।

प्रदर्शन में घायल नेताओं से मिलने पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, जाना हालचाल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के मंगलवार को चंडीगढ़ में हुए प्रदर्शन के दौरान घायल हुए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का बुधवार को वरिष्ठ नेताओं ने उनके घर पहुंचकर हालचाल जाना। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और पूर्व शिक्षा मंत्री परगट सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता घायल नेताओं से मिलने पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

मंगलवार को पंजाब कांग्रेस भवन के बाहर कांग्रेस की ओर से प्रदर्शन किया गया था। इसमें पार्टी के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, चरणजीत सिंह चन्नी, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए थे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के आवास की ओर बढ़ने का प्रयास किया।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। इसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया। पुलिस कार्रवाई के दौरान कांग्रेस के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को चोटें आईं। कांग्रेस की ओर से आरोप लगाया गया कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिससे कई कार्यकर्ता घायल हुए।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता कुलजीत सिंह नागरा, विधायक वरिंदर पहाड़ और पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्ठल के बेटे राहुल भट्ठल भी घायल हुए। राहुल भट्ठल और वरिंदर पहाड़ को आंखों पर चोट लगने की जानकारी सामने आई। इसके बाद बुधवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने घायल कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात की।

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी राहुल भट्ठल के घर पहुंचे और उनका हालचाल जाना। उन्होंने राहुल के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। वहीं, सुखजिंदर सिंह रंधावा और परगट सिंह विधायक वरिंदर पहाड़ के घर पहुंचे। दोनों नेताओं ने उनकी चोटों की जानकारी लेने के साथ जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार की पुलिस कार्रवाई को लेकर पंजाब सरकार पर निशाना साधा। पार्टी नेताओं का कहना था कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई में कई कार्यकर्ता घायल हुए। कांग्रेस की ओर से प्रदर्शन का आयोजन राज्य के विभिन्न मुद्दों को लेकर किया गया था। बुधवार को घायल नेताओं से वरिष्ठ नेताओं की मुलाकात के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को साथ खड़े रहने का संदेश भी दिया गया। मंगलवार के प्रदर्शन में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी के बाद बुधवार को घायल नेताओं से मुलाकात कांग्रेस की गतिविधियों का प्रमुख घटनाक्रम रही।

पायलट के पहले दौरे में साथ दिखे चन्नी-वड़िंग पंजाब कांग्रेस में एकजुटता का दिया मजबूत संदेश

राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे से पहले संगठनात्मक तैयारियों को अंतिम रूप देने की कवायद

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही गुटबाजी के बीच नए प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के पहले दौरे में पार्टी के वरिष्ठ नेता एक मंच पर नजर आए। मंगलवार को चंडीगढ़ में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के आवास की ओर निकाले गए विरोध मार्च में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

प्रदर्शन के दौरान चन्नी और वड़िंग का लंबे समय बाद एक साथ मंच पर दिखना खास तौर पर चर्चा में रहा। दोनों नेताओं के बीच प्रदेश कांग्रेस के संगठनात्मक नेतृत्व को लेकर मतभेद सामने आते रहे हैं। पायलट की मौजूदगी में दोनों का एक मंच पर आना पार्टी की ओर से सार्वजनिक रूप से एकजुटता का संदेश देने के तौर पर देखा गया। हालांकि, पार्टी के सामने इस समन्वय को आगे भी बनाए रखने की चुनौती रहेगी।

यह विरोध प्रदर्शन संगरूर के

गुलजार सिंह की मौत के मामले को लेकर किया गया। कांग्रेस ने मामले की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच की मांग की है तथा वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है। पायलट ने भी मामले की जांच की मांग की।

पायलट के सामने अब संगठनात्मक स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने का काम है। कांग्रेस 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है। पायलट ने स्पष्ट किया है कि पार्टी चुनाव में किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं करेगी और सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव मैदान में उतरने की बात कही है।

राहुल गांधी के प्रस्तावित पंजाब दौरे से पहले कांग्रेस संगठनात्मक तैयारियों को गति देने में जुटी है। पायलट की आगामी बैठकों में वरिष्ठ नेताओं के साथ समन्वय, चुनावी समितियों और संगठनात्मक जिम्मेदारियों से जुड़े लंबित फैसलों पर चर्चा हो सकती है। ऐसे में मंगलवार का प्रदर्शन पार्टी के भीतर जारी मतभेदों के बीच सार्वजनिक एकजुटता के एक प्रमुख दृश्य के रूप में सामने आया है।

होशियारपुर में भाजपा-बसपा कार्यकर्ताओं में झड़प, विजय सांपला घायल

भारतेंदु संवाददाता, होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर के गांव बाड़ियां कलां में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ के मामले के बाद बुधवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। मौके पर पहुंचे भाजपा और बसपा कार्यकर्ताओं के बीच विवाद के बाद झड़प हो गई। भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ नेता विजय सांपला, पंजाब भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष शीतल अंगुराल और होशियारपुर भाजपा जिला अध्यक्ष नीतिन गुप्ता गांव बाड़ियां पहुंचे थे। यहां प्रतिमा को क्षति पहुंचाने के विरोध में कार्यकर्ता धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच किसी टिप्पणी को लेकर विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते झड़प हो गई। भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया कि इस दौरान एक बसपा नेता या कार्यकर्ता ने विजय सांपला को माइक से चोट मारी। घटना में सांपला को खरोंच और चोट आने की बात सामने आई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस बल मौके पर तैनात है और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और कार्रवाई को लेकर जानकारी का इंतजार है।

मान बोले : 80 फीसदी खेतों तक पहुंचा नहरी पानी

नहरी पानी का दायरा बढ़ाने, मुफ्त बिजली और शिक्षा में सुधार का दावा कर विपक्ष पर साधा निशाना

भारतेंदु संवाददाता, आनंदपुर साहिब। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को श्री आनंदपुर साहिब के गांव जिंदवड़ी में आयोजित लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान पंजाब सरकार की उपलब्धियां गिनाई और विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार की प्राथमिकता पंजाब और उसके लोग हैं, जबकि कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल सत्ता की लड़ाई में उलझे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि आप सरकार से पहले पंजाब के केवल 22 प्रतिशत खेतों तक नहरी पानी पहुंचता था, जबकि अब यह आंकड़ा बढ़कर 80 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही इसे 100 प्रतिशत तक पहुंचाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने 14,000 किलोमीटर नहरी पानी की पाइपलाइन नेटवर्क, मुफ्त बिजली, मैरिट के आधार पर नौकरियां और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया।

मान ने कहा कि सरकार का

उद्देश्य पंजाब को खुशहाल और प्रगतिशील बनाना है। गांवों के विकास को गति देने के लिए छह पंचायतों को 20-20 लाख रुपये के चेक भी सौंपे गए। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों से अधिक के कार्यकाल में सरकार ने जनकल्याण और राज्य की तरक्की के लिए काम किया है।

मुख्यमंत्री ने भाजपा और अकाली दल पर पंजाब के हितों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, एसवाईएल नहर, हरिके नहर, ग्रामीण विकास फंड और सीमावर्ती क्षेत्र के फंड जैसे मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि पंजाब को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सतर्क रहने की जरूरत है।

अकाली दल पर निशाना साधते हुए, मान ने बेअदबी, नशे और माफिया को संरक्षण देने जैसे आरोप लगाए। उन्होंने सुखबीर बादल पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि जमीनी हकीकतों से अनजान हैं।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल जनकल्याण के लिए कर रही है और आने वाले समय में पंजाब के विकास के लिए कई नई पहल की जाएंगी।

मान ने कहा कि सरकार ने किसानों को नहरी पानी उपलब्ध कराने के साथ बिजली और रोजगार के क्षेत्र में भी कई कदम उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि युवाओं को मैरिट के आधार पर नौकरियां दी जा रही हैं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों के विकास के लिए पंचायतों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य पंजाब में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। मान ने कहा कि जनहित की योजनाओं को आगे भी प्राथमिकता दी जाएगी।

सुल्तानपुर लोधी से बटाला रवाना हुआ गुरु नानक देव जी का नगर कीर्तन

भारतेंदु संवाददाता, सुल्तानपुर लोधी। पवित्र नगरी सुल्तानपुर लोधी के ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री बेर साहिब से श्री गुरु नानक देव जी के विवाह उत्सव की परंपरा के तहत विशाल नगर कीर्तन बटाला के लिए रवाना हुआ। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की छत्रछाया में और पांच प्यारों की अगुवाई में निकले नगर कीर्तन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में संगत शामिल हुई। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष भाई हरजिंदर सिंह धामी सहित पंथ की प्रमुख शख्सियतें, रागी और ढाडी जत्थे भी मौजूद रहे।

नगर कीर्तन दो दिन में 100 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर बटाला स्थित गुरुद्वारा सत करतारिया पहुंचेगा। मार्ग में हर किलोमीटर पर संगत के लिए लंगर, छबील और चाय-पानी की सेवा की व्यवस्था की गई है। विभिन्न स्थानों पर ग्राम पंचायतों, धार्मिक संस्थाओं और संत-महापुरुषों की ओर से नगर कीर्तन का स्वागत किया जाएगा।

श्री गुरु नानक देव जी का विवाह वर्ष 1487 में बटाला निवासी मूलचंद पटवारी की पुत्री बीबी सुलक्खणी जी के साथ हुआ था। इसी ऐतिहासिक विवाह की स्मृति में सुल्तानपुर लोधी से बटाला तक नगर कीर्तन निकालने की सदियों पुरानी परंपरा चली आ रही है। बटाला में गुरुद्वारा श्री कंध साहिब और गुरुद्वारा श्री डेहरा साहिब इस ऐतिहासिक विवाह से जुड़े प्रमुख स्थल हैं। श्रद्धालुओं के लिए मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वागत और सेवा के विशेष प्रबंध किए गए हैं।

डीएम वेब सॉल्यूशन के कॉल सेंटर से जुड़े वित्तीय लेनदेन खंगाल रही एजेंसी

पटियाला-मोहाली में ईडी की छापेमारी, 300 करोड़ के संदिग्ध विदेशी लेनदेन की जांच तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को पंजाब के पटियाला और मोहाली में कई ठिकानों पर छापेमारी की। पटियाला के अर्बन एस्टेट फेज-2 स्थित एससीओ-29 में डीएम वेब सॉल्यूशन के कार्यालय पर भी ईडी की टीम पहुंची। यहां कॉल सेंटर संचालित होने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों ने परिसर में जांच शुरू करने के साथ आवाजाही पर रोक लगा दी। बताया जा रहा है कि यह कॉल सेंटर दिन-रात संचालित होता था।

ईडी की कार्रवाई संदिग्ध विदेशी लेनदेन से जुड़े मामले की जांच के तहत बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जांच एजेंसी को करीब 250 से 300 करोड़ रुपये के विदेशी लेनदेन का इनपुट मिला था। इसी सिलसिले में

पटियाला के साथ मोहाली से जुड़े ठिकानों पर भी जांच की गई।

जांच के दौरान सामने आया कि मोहाली स्थित कार्यालय की मालकिन के भाई का पटियाला में कार्यालय है। पटियाला में यही कार्यालय डीएम वेब सॉल्यूशन के नाम से संचालित हो रहा था। ईडी की टीम इस कार्यालय के माध्यम से हुए लेनदेन और उससे जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि यह कार्यालय पहले फ्लाइंग फेदर के नाम से संचालित होता था। कुछ समय पहले इसका नाम बदलकर डीएम वेब सॉल्यूशन कर दिया गया। फ्लाइंग फेदर का कार्यालय बाद में पटियाला की छोटी बारादरी में स्थानांतरित किया गया था, लेकिन वह कार्यालय भी पिछले कुछ समय से बंद बताया जा रहा है।

रोपड़ थर्मल यूनिट चालू, बिजली संकट में मिली राहत

भारतेंदु संवाददाता, पटियाला। पंजाब में बिजली संकट के बीच पावरकाम को बुधवार को आंशिक राहत मिली। सरकारी क्षेत्र के रोपड़ थर्मल प्लांट का खराब तीन यूनिटों में से एक यूनिट दोपहर में ठीक होकर चालू हो गया। इसके बाद प्लांट में बिजली उत्पादन शुरू हो गया। हालांकि, चार यूनिट वाले प्लांट के दो यूनिट अभी भी बंद हैं। 840 मेगावाट क्षमता वाले रोपड़ थर्मल से फिलहाल पावरकाम को करीब 215 मेगावाट बिजली मिल रही है। इससे पहले बुधवार सुबह एक और यूनिट खराब होने से तीन यूनिट बंद हो गए थे।

पंजाब में पुराने वाहनों की आरसी ट्रांसफर प्रक्रिया हुई सरल, ओटीपी की बाध्यता खत्म

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब में पुराने वाहनों की खरीद-फरोख्त करने वाले डीलरों और वाहन मालिकों के लिए राहत की खबर है। राज्य परिवहन विभाग ने पुराने वाहनों की आरसी नए मालिक के नाम ट्रांसफर करने की प्रक्रिया को आसान कर दिया है। अब आरसी ट्रांसफर के लिए पुराने वाहन मालिक के मोबाइल नंबर और उस पर आने वाले ओटीपी की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है।

नई व्यवस्था के तहत कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर, ट्रक समेत अन्य पुराने वाहनों की आरसी निर्धारित दस्तावेजों और आधार कार्ड के आधार पर पहचान संबंधी प्रक्रिया पूरी कर ट्रांसफर कराई जा सकेगी। इससे खरीदारों को पुराने मालिक के मोबाइल पर ओटीपी आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

दरअसल, परिवहन विभाग ने पिछले साल पुराने वाहनों की आरसी ट्रांसफर के लिए दस्तावेजों में पुराने मालिक का मोबाइल नंबर दर्ज करना अनिवार्य किया

था। इसके बाद आरसी ट्रांसफर के दौरान पुराने मालिक के मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाता था। ओटीपी की पुष्टि होने के बाद ही आगे की प्रक्रिया पूरी की जाती थी।

इस व्यवस्था का उद्देश्य वाहन के वास्तविक मालिक की पहचान और दस्तावेजों की पुष्टि करना था, ताकि चोरी के वाहन या किसी विवाद की स्थिति में वाहन की जानकारी सत्यापित की जा सके। हालांकि, मोबाइल ओटीपी की बाध्यता के कारण कई बार आरसी ट्रांसफर में देरी होती थी।

वाहन डीलरों के अनुसार ओटीपी की अनिवार्यता खत्म होने से पुराने वाहनों की खरीद-फरोख्त में तेजी आने की उम्मीद है।

सरहद पार गैंगस्टरों पर कसा शिकंजा, पंजाब पुलिस ने विदेशों में छिपे कई आरोपित दबोचे

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने मंगलवार को कहा कि भगवंत मान सरकार ने नशे और गैंगस्टरवाद के खिलाफ अभियान को पंजाब की सीमाओं से बाहर तक पहुंचाया है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब पुलिस अब तक दुनिया के अलग-अलग देशों से एक दर्जन से अधिक गैंगस्टरों को वापस ला चुकी है। हाल में लॉरेंस बिश्नोई के करीबी करमवीर सिंह उर्फ करमवीर देव को कनाडा से डिपोर्ट किए जाने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया।

प्रेसवार्ता में पन्नू ने कहा कि पंजाब पुलिस ने विदेशों में छिपे आरोपित गैंगस्टरों पर कार्रवाई के लिए अपनी तकनीकी क्षमताओं और संसाधनों को मजबूत किया है। उनके अनुसार अमेरिका, दुबई, मलेशिया और मोल्दोवा सहित विभिन्न देशों से गैंगस्टरों को वापस लाने की कार्रवाई की गई है।

उन्होंने बताया कि विदेश से वापस लाए गए लोगों में सचिन बिश्नोई, मनप्रीत सिंह उर्फ पीता, रमनजीत सिंह उर्फ रोमी, परमिंदर सिंह उर्फ पिंडी, अनमोल बिश्नोई, अमृतपाल उर्फ मेहरो, गुरविंदर सिंह और जोबनदीप सिंह उर्फ जोबन बिल्ला शामिल हैं। पन्नू ने कहा कि अनमोल बिश्नोई को अमेरिका और अमृतपाल उर्फ मेहरो को दुबई से वापस लाया गया, जबकि गुरविंदर सिंह को मलेशिया से लाया गया।

पन्नू के अनुसार, एजीटीएफ की टीम ने हाल में अमृतपाल उर्फ अमृत ढल्लम को मोल्दोवा से वापस लाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पुलिस टीम से मुलाकात कर उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि करमवीर देव को कनाडा से डिपोर्ट किए जाने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर

गिरफ्तार किया गया और उसे पंजाब लाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए पन्नू ने कहा कि विरोधी दल सरकार की कार्रवाई को नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने पिछली सरकारों के कार्यकाल में गैंगस्टरवाद बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई को प्राथमिकता दी है। हालांकि, उनके इन राजनीतिक दावों पर विपक्ष की प्रतिक्रिया इस बयान में शामिल नहीं है।

खतरा

असुरक्षित मिले भवनों की मरम्मत और संरचनात्मक जांच के जरिए सुरक्षा सुनिश्चित करने की तैयारी

चंडीगढ़ की 134 इमारतें असुरक्षित, मरम्मत के नोटिस होंगे जारी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। दिल्ली में इमारत गिरने से हुए हादसे के बाद चंडीगढ़ प्रशासन ने भी शहर की असुरक्षित इमारतों को लेकर सख्ती शुरू कर दी है। एस्टेट ऑफिस ने शहर में कुल 134 व्यावसायिक और औद्योगिक इमारतों को असुरक्षित चिह्नित किया है। इन भवनों के मालिकों को जल्द नोटिस जारी कर आवश्यक मरम्मत कराने या अधिकृत विशेषज्ञ से संरचनात्मक ऑडिट करवाने के निर्देश दिए जाएंगे। प्रशासन का उद्देश्य जर्जर भवनों से होने वाले संभावित हादसों को रोकना है।

पिछले वर्ष सेक्टर-17 में तीन मंजिला महफिल होटल की इमारत गिरने की घटना के बाद उपायुक्त निशांत यादव के निर्देश पर एक कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भवनों की स्थिति का निरीक्षण करने के बाद असुरक्षित इमारतों की सूची तैयार की और अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंप दी। मंगलवार को उपायुक्त निशांत यादव ने भी असुरक्षित भवनों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की।

रिपोर्ट के अनुसार, सेक्टर-22 में सबसे अधिक 15 इमारतें असुरक्षित पाई गई हैं। सेक्टर-22 शहर के प्रमुख बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल है। यहां बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में इतनी अधिक संख्या में असुरक्षित भवन मिलने के बाद प्रशासन अब इनकी सुरक्षा जांच और आवश्यक मरम्मत पर विशेष ध्यान देगा।

इसके बाद औद्योगिक क्षेत्र

फेज-1 में 13 और फेज-2 में 10 भवन असुरक्षित चिह्नित किए गए हैं। सेक्टर-20 में आठ, जबकि सेक्टर-8, 18 और 21 में सात-सात इमारतें असुरक्षित मिली हैं। सेक्टर-19 में छह भवन सूची में शामिल हैं। शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र सेक्टर-17 में भी पांच इमारतों को असुरक्षित घोषित किया गया है। इसके अलावा सेक्टर-26, 32 और 37 में पांच-पांच भवन असुरक्षित पाए गए हैं।

रिपोर्ट में सेक्टर-11, 24, 27 और 51 में चार-चार तथा सेक्टर-15 और 23 में तीन-तीन असुरक्षित इमारतों का उल्लेख है। मनीमाजरा में तीन, जबकि सेक्टर-16 और 28 में दो-दो भवन असुरक्षित पाए गए हैं। शहर के अन्य हिस्सों में सेक्टर-2, 5, 9, 29, 30, 31, 35, 38, 40, 46, 47, 50 और 52 में भी एक-एक असुरक्षित भवन चिह्नित किया गया है।

सेक्टर-17 में बेसमेंट की दीवार गिरने से बढ़ी चिंता : सोमवार को सेक्टर-17 में एक इमारत की बेसमेंट की दीवार गिरने की घटना भी सामने आई थी। घटना के बाद एहतियात के तौर पर आसपास के हिस्से को खाली कराया गया और भवन की सुरक्षा जांच की गई। इसी सेक्टर में पांच इमारतों के असुरक्षित पाए जाने से पुराने और जर्जर भवनों की नियमित संरचनात्मक जांच की जरूरत पर भी जोर बढ़ गया है। प्रशासन की ओर से अब संबंधित भवन मालिकों को नोटिस जारी किए जाएंगे।

नौगाम में औद्योगिक पार्क, बाढ़ क्षेत्र में निर्माण पर सवाल

2019 में बाढ़-सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माने गए क्षेत्र में अब औद्योगिक पार्क बनाने की योजना से बढ़ी चिंता

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। लालचौक से करीब 11 किलोमीटर दूर नौगाम में प्रस्तावित 104.02 करोड़ रुपये के औद्योगिक पार्क को लेकर पर्यावरण संगठनों ने सवाल उठाए हैं। आपत्ति मुख्य रूप से परियोजना के लिए चुनी गई जमीन के पूर्व निर्धारित उपयोग को लेकर है। वर्ष 2019 में इसी क्षेत्र को श्रीनगर की बाढ़-सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हुए निर्माण और विकास गतिविधियों से दूर रखने का प्रावधान किया गया था। अब इसी क्षेत्र में औद्योगिक पार्क प्रस्तावित होने से 2019 से 2026 के बीच भूमि उपयोग नीति में हुए बदलाव का वैज्ञानिक और कानूनी आधार स्पष्ट करने की मांग उठ रही है।

हाइड्रोलॉजिकल अध्ययन की मांग तेज

उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, वर्ष 2019 में राज्य प्रशासनिक परिषद ने श्रीनगर मास्टर प्लान-2035 को मंजूरी दी थी। इसमें पंथाचौक से नौगाम तक बाईपास के किनारे बाढ़-अवशोषण बेसिन वाले क्षेत्र में निर्माण और विकास गतिविधियों पर रोक का प्रावधान था। उस समय इस भू-भाग को श्रीनगर में बाढ़ के अतिरिक्त पानी को रोकने और उसका दबाव कम करने वाली प्राकृतिक व्यवस्था का हिस्सा माना गया था।

अब इसी क्षेत्र में औद्योगिक पार्क विकसित करने की योजना है। परियोजना को केंद्र की भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के तहत आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रशासनिक स्तर पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तकनीकी जांच, भूमि संबंधी औपचारिकताओं और आवश्यक मंजूरियों की प्रक्रिया चल रही है। प्रस्तावित पार्क की लागत 104.02 करोड़ रुपये बताई गई है।

जमीन की भूमिका बदलने पर सवाल : परियोजना को लेकर मुख्य सवाल यह है कि 2019 और 2026 के बीच ऐसा क्या बदला, जिसके आधार पर बाढ़-अवशोषण क्षेत्र में औद्योगिक निर्माण की योजना बनाई गई। पर्यावरण संगठनों ने पूछा है कि क्या जमीन की भौगोलिक स्थिति बदली है, क्या बाढ़ का खतरा कम हुआ है या कोई नया हाइड्रोलॉजिकल अध्ययन कराया गया है। यदि भूमि उपयोग नीति में बदलाव किया गया है तो उसका आदेश और वैज्ञानिक आधार सार्वजनिक किए जाने की मांग की गई है।

उद्योग का विरोध नहीं, स्थल को लेकर आपत्ति

पर्यावरण संगठनों का कहना है कि उनकी आपत्ति औद्योगिक निवेश या रोजगार सृजन से नहीं, बल्कि प्रस्तावित स्थल के चयन से है। पर्यावरण नीति समूह ने परियोजना की वैधानिक और न्यायिक समीक्षा की मांग की है। पीपुल्स एनवायरनमेंट काउंसिल और नगीन झील संरक्षण संगठन ने भी प्रस्तावित स्थल की बहु-विषयक समीक्षा कराने की मांग उठाई है। संगठनों ने प्रस्तावित पार्क की सीमा, खसरा नंबर, भौगोलिक निर्देशांक, जमीन की ऊंचाई और मौजूदा भूमि उपयोग की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है।

50 एकड़ में आएगा निर्माण ढांचा

पर्यावरणविद डॉ. राजा मुजफ्फर भट ने कहा कि 50 एकड़ में औद्योगिक पार्क विकसित करने का अर्थ केवल फैक्ट्रियों का निर्माण नहीं होगा। इसके साथ सड़कें, औद्योगिक भूखंड, गोदाम, उपयोगिता सेवाएं और अन्य पक्के ढांचे भी विकसित होंगे। उनका कहना है कि इससे बारिश और बाढ़ के पानी के प्राकृतिक फैलाव, जमीन में पानी के समाने और जल निकासी की क्षमता प्रभावित हो सकती है। फिलहाल प्रशासन परियोजना की डीपीआर और तकनीकी मंजूरियों की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। वहीं पर्यावरण संगठनों की मांग है कि परियोजना को आगे बढ़ाने से पहले यह स्पष्ट किया जाए कि 2019 में बाढ़-सुरक्षा के लिए चिह्नित क्षेत्र के भूमि उपयोग में बदलाव किस अध्ययन और नीति के आधार पर किया गया।

लद्दाख में फिर आंदोलन की आहट, 20 सितंबर को कारगिल में होगा शक्ति प्रदर्शन

दिल्ली बैठक से निराश संगठनों ने आंदोलन तेज करने की तैयारी की

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लद्दाख के राजनीतिक और संवैधानिक मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार और क्षेत्र के संगठनों के बीच गतिरोध फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। 9 सितंबर को दिल्ली में गृह मंत्रालय की सब कमेटी के साथ हुई बैठक से निराश कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने 20 सितंबर को कारगिल में बड़े विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। वहीं लेह अपेक्स बॉडी भी 19 सितंबर से आंदोलन की नई गतिविधियां शुरू करने की तैयारी में है।

केडीए और लेह अपेक्स बॉडी लंबे समय से लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा, राजनीतिक अधिकार और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। संगठनों का कहना है कि दिल्ली बैठक में उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप कोई ठोस प्रस्ताव सामने नहीं आया। केडीए के सह-अध्यक्ष असगर अली करबलई ने कहा कि बैठक में वही विषय दोहराए गए, जिन पर 22 मई की बैठक में भी चर्चा हो चुकी थी। संगठन भविष्य की बैठकों की वीडियो रिकॉर्डिंग और लाइव स्ट्रीमिंग की मांग भी कर रहे हैं।

9 सितंबर की वार्ता बेनतीजा रहने पर संगठनों ने मुआवजा बढ़ाने और मामले वापस लेने की मांग उठाई

इस बीच लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने संगठनों के आंदोलन को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। जंस्कार में दो दिवसीय जंस्कार महोत्सव के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि कुछ संगठन विकास की वास्तविक चिंता किए बिना अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लद्दाख की प्रगति में बाधा डालने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती।

लद्दाख को राज्य का दर्जा और विधानसभा देने की मांग भी संगठनों के प्रमुख मुद्दों में शामिल है। केंद्र की ओर से इन मांगों पर अभी सहमति नहीं बनी है। गृह मंत्रालय की सब कमेटी की अगली बैठक अक्टूबर में कारगिल में प्रस्तावित है। इधर, पिछले वर्ष लेह में हुई हिंसा में मारे गए चार लोगों के परिवारों के लिए न्याय और घायलों के मुआवजे का मुद्दा भी आंदोलन का हिस्सा रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

बडगाम में रिंग रोड किनारे मिला व्यक्ति का शव

भारतेंदु संवाददाता, बडगाम। बडगाम जिले के गोटापोरा इलाके में बुधवार को रिंग रोड के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान मारगलरी धर्मुना निवासी फारूक अहमद भट के बेटे आरिफ फारूक भट के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों को जुटाया जा रहा है।

वन अपराधों पर शिकंजा, कठुआ पहुंचे वन संरक्षक

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। ईस्ट सर्किल जम्मू के वन संरक्षक प्रदीपचंद्र पी. वाहुले आइएफएस ने बुधवार को कठुआ वन मंडल का दौरा कर वन संरक्षण, वन अपराधों की रोकथाम और फील्ड स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उनके साथ एसीएफ एवं डिप्टी डायरेक्टर एफपीएफ अनुषा कोल्ली सहित संबंधित अधिकारी और फील्ड स्टाफ मौजूद रहे। दौरे के दौरान छन्न चरखरी क्लोजर क्षेत्र का विशेष निरीक्षण किया गया, जहां हाल ही में वन अधिकारियों पर फायरिंग की घटना हुई थी। वन संरक्षक ने वन अपराधों के खिलाफ कार्रवाई में साहस दिखाने वाले कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया और व्यक्तिगत सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने पुलिस विभाग के सहयोग की भी सराहना की। इसके बाद जंगलोट और रख जालफर के जंगलों में सीमा स्तंभों का निरीक्षण किया गया। लखनपुर और बसोहली मोड़ स्थित वन जांच चौकियों का दौरा कर कर्मचारियों की समस्याएं जानी गईं। उन्होंने वन विभाग, पुलिस, राजस्व विभाग और फॉरेस्ट प्रोटेक्शन फोर्स के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया।

बिना मंजूरी गैरहाजिरी पड़ी भारी, एमटीएस कर्मचारी कियानौकरी से बाहर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू । जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एमटीएस कर्मचारी मीर उमर बिन फारूक की प्रोबेशन अवधि समाप्त कर उन्हें नौकरी से हटा दिया है। विभाग ने यह कार्रवाई लंबे समय तक बिना अनुमति ड्यूटी से गैरहाजिर रहने के कारण की है। मीर उमर बिन फारूक की नियुक्ति वर्ष 2022 में हुई थी और उन्होंने उसी साल कार्यभार संभाला था। बाद में उन्होंने 30 महीने की स्टडी लीव के लिए आवेदन किया, लेकिन आवेदन स्वीकृत होने से पहले ही ड्यूटी से अनुपस्थित हो गए। विभाग के अनुसार, उन्हें कई बार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। मई 2026 में जारी अंतिम नोटिस में भी कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। जांच में उनकी स्टडी लीव की अर्जी लागू नियमों के अनुरूप नहीं पाई गई। इसके बाद विभाग ने उनकी प्रोबेशन अवधि समाप्त करने का निर्णय लिया। आदेश के अनुसार, उन्हें 2 जनवरी 2026 से सेवा से हटाया गया है।

राज्य का दर्जा प्रशासन की नाकामी नहीं छिपा सकता, सरकार पर बरसे शर्मा

भारतेंदु संवाददाता, बारामुला। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर प्रशासनिक नाकामी से बचने के लिए राज्य के दर्जे के मुद्दे का सहारा लेने का आरोप लगाया। बारामुला में पत्रकारों से बातचीत में शर्मा ने कहा कि सरकार के पास उपलब्ध शक्तियों और संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल नहीं हो रहा है।शर्मा ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार बढ़ा है और युवा रोजगार के मुद्दे को लेकर परेशान हैं। उन्होंने सरकार पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से नौकरियां भरने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष एनएचएम कर्मचारियों, दिहाड़ी मजदूरों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों को लगातार उठाता रहेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र से मिले धन का जमीनी स्तर पर उचित इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। शर्मा ने पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों में देरी को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। विपक्ष के नेता ने बिजली के बढ़े हुए बिलों को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि महंगी बिजली से आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता से जुड़े मुद्दों को विधानसभा सहित सभी लोकतांत्रिक मंचों पर उठाता रहेगा और सरकार को जवाबदेह बनाने का प्रयास करेगा।

जम्मू-कश्मीर में सरकारी नियम होंगे सरल, कम होगी लालफीताशाही

सत्यापन और पंजीकरण में अनावश्यक प्रक्रियाएं हटाने पर दिया जाएगा जोर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सरकारी कामकाज को सरल और तेज बनाने के लिए प्रशासन ने मौजूदा कानूनों और नियमों की व्यापक समीक्षा शुरू की है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की ओर से गठित समिति ऐसे प्रावधानों की पहचान कर रही है, जो पुराने, दोहराव वाले या जरूरत से अधिक जटिल हो चुके हैं। समिति का उद्देश्य नागरिकों, संस्थानों और कारोबारियों पर अनुपालन संबंधी बोझ कम करना है।

समीक्षा के दौरान दस्तावेजों के बार-बार सत्यापन और जांच के चरण कम करने पर जोर दिया गया है। आवश्यक सुरक्षा मानकों से समझौता किए बिना अनावश्यक प्रक्रियाएं हटाने का प्रस्ताव है। जन्म-मृत्यु पंजीकरण से जुड़े नियमों को भी सरल बनाने की सिफारिश की गई है, जिससे लोगों को कम औपचारिकताओं से गुजरना पड़ेगा।

निजी शिक्षण संस्थानों की स्कूल संबद्धता प्रक्रिया को भी समीक्षा के दायरे में रखा गया है। संस्थानों की प्रक्रियात्मक कठिनाइयां कम करने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता और जवाबदेही से जुड़े जरूरी प्रावधान बनाए रखने पर जोर दिया गया है। सरकारी सेवाओं के शुल्क को तर्कसंगत बनाने और भुगतान प्रक्रिया सरल करने पर भी विचार हो रहा है।

जम्मू संभाग में सात माह में 699 सड़क हादसे, 88 लोगों की मौत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू संभाग के कठुआ, सांबा, राजौरी और पुंछ जिलों में सड़क हादसों में लगातार वृद्धि चिंता का कारण बनी हुई है। इस वर्ष एक जनवरी से 31 जुलाई तक संभाग में 699 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। इन हादसों में 88 लोगों की मौत हुई, जबकि 1,001 लोग घायल हुए। दुर्घटनाओं के विश्लेषण में दोपहिया वाहनों की बड़ी भागीदारी सामने आई है। कुल हादसों में करीब 44 प्रतिशत दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन शामिल रहे।

दोपहिया वाहनों से जुड़े हादसों को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ग्रामीण जम्मू ने एक से 14 सितंबर तक विशेष जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 8,675 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। ट्रैफिक पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार 699 हादसों में 309 में दोपहिया वाहन शामिल थे। इनमें 39 हादसे घातक रहे और दोपहिया वाहनों से जुड़े हादसों में 384 लोग घायल हुए। वहीं, 144 मामले ऐसे रहे जिनमें केवल एक दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

आंकड़ों के मुताबिक राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुए हादसों में 102 यानी 41 प्रतिशत मामलों में दोपहिया वाहन शामिल रहे। अन्य सड़कों पर यह आंकड़ा 210 यानी 47 प्रतिशत रहा। कुल दुर्घटना पीड़ितों में 27 प्रतिशत की उम्र 26 वर्ष से कम थी। वहीं, 699 हादसों में 445 यानी 64 प्रतिशत दुर्घटनाएं एकल वाहनों से संबंधित थीं। विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर सख्ती बरती। बिना हेलमेट दोपहिया चलाने पर 5,767 चालकों के खिलाफ कार्रवाई हुई, जबकि 1,152 पिलियन राइडरों को हेलमेट नहीं पहनने पर पकड़ा गया। ट्रिपल राइडिंग के 1,106 मामले सामने आए।

सज्जाद लोन ने कश्मीर में भर्ती और आरक्षण व्यवस्था पर उठाए सवाल

◆ भर्ती आंकड़ों पर मांगा विस्तृत जवाब

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। विधानसभा के आगामी सत्र से पहले जम्मू-कश्मीर में सरकारी भर्ती और आरक्षण नीति को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और हंदवाड़ा विधायक सज्जाद गनी लोन ने हालिया जेकेएएस और जेके अकाउंट्स (गजेटेड) नियुक्तियों में कश्मीर घाटी के प्रतिनिधित्व पर सवाल उठाए हैं। लोन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एसकेआईसीसी में 55 नवनियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए, जिनमें 28 जूनियर स्केल जेकेएएस और 27 अकाउंट्स अधिकारी शामिल हैं। लोन के अनुसार, इन 55 अधिकारियों में केवल 10 कश्मीर घाटी से हैं। लोन ने दावा किया कि 56 प्रतिशत आबादी के मुकाबले कश्मीर घाटी को केवल 18 प्रतिशत नौकरियां मिली हैं। उन्होंने इस अनुपात को असंतुलित बताते हुए नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाए और इसे कश्मीर के खिलाफ 'भर्ती रंगभेद' करार दिया। ये आरोप लोन की ओर से लगाए गए हैं। उन्होंने मौजूदा आरक्षण व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए दावा किया कि इसका असर कश्मीर घाटी के प्रतिनिधित्व पर पड़ रहा है। लोन के मुताबिक, सरकार की ओर से आरक्षण को लेकर केंद्र को भेजी गई सिफारिशें मंजूर होने के बाद भी घाटी का प्रतिनिधित्व अधिकतम 19 प्रतिशत तक ही पहुंच सकता है। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस प्रमुख ने कहा कि उन्होंने पहले भी आरक्षण और ईडब्ल्यूएस कोटे से जुड़े मुद्दे उठाए हैं तथा पिछले दस वर्षों की भर्ती परीक्षाओं का आंकड़ा जुटाने के लिए आरटीआई दायर की है।

जम्मू में गणेश उत्सव की धूम पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। मंदिरों के शहर जम्मू में गणेश उत्सव को लेकर श्रद्धा और उल्लास का माहौल है। शहर के विभिन्न हिस्सों में भव्य पंडाल सजाए गए हैं, जहां सुबह-शाम आरती, हवन और धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पंडालों में 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारे गूंज रहे हैं।

गांधीनगर स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में सुबह की आरती के बाद शाम को धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशेष हवन और गणेश जी की आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। रेशम घर कालोनी पार्क में भी गणेश उत्सव के तहत विशेष आयोजन किए गए। सुबह आरती के बाद शाम को कार्यक्रम हुए और श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रमों के दौरान भगवान गणेश के जीवन से जुड़ी झलकियां भी प्रस्तुत की गईं। पंडित सुभाष शास्त्री ने भगवान गणेश की कथा सुनाते हुए उनके अग्रपूजनीय होने का महत्व बताया। श्रद्धालुओं ने धार्मिक कार्यक्रमों में उत्साह के साथ भाग लिया।

वहीं, भारतीय वैदिक संस्थान जम्मू की ओर से गोल मार्केट, गांधी नगर में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मुख्य आयोजक महंत संजय दास गणपत्य ने कहा कि धार्मिक आयोजनों में बच्चों की भागीदारी जरूरी है, ताकि वे अपनी संस्कृति और देवी-देवताओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।

गणेश उत्सव के चलते शहर के कई घरों में भी भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। लोग श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना कर रहे हैं। सार्वजनिक पंडालों से लेकर गली-मोहल्लों तक धार्मिक माहौल बना हुआ है। जम्मू इन दिनों गणपति भक्ति के रंग में रंगा नजर आ रहा है।

पार्टी ने कहा- भगोड़ा घोषित करने से पाकिस्तान की जवाबदेही नहीं होगी खत्म

मसूद अजहर पर इनाम बढ़ाने को भाजपा ने बताया दिखावा, भारत को सौंपने की उठाई मांग

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। पाकिस्तान की ओर से जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को पकड़वाने में मदद करने वाली सूचना पर इनाम बढ़ाए जाने के फैसले पर भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई ने सवाल उठाए हैं। पार्टी ने पाकिस्तान के इस कदम को दिखावा बताते हुए अजहर को भारत को सौंपने की मांग की है। भाजपा प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि पाकिस्तान अजहर को भगोड़ा घोषित कर अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकता। उन्होंने दावा किया कि अजहर पाकिस्तान में ही मौजूद है और उसे वहां की सत्ता का संरक्षण प्राप्त है।

इनाम घोषित करने के बजाय भारत को सौंपने की मांग : अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ वास्तव में गंभीर है तो उसे बयान जारी करने और इनाम घोषित करने के बजाय मसूद अजहर को भारत को सौंपना चाहिए। उन्होंने कहा कि अजहर को मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल करना पर्याप्त कदम नहीं है।

पार्टी ने आतंकवाद पर पाकिस्तान के दोहरे रवैये पर उठाए सवाल।

50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख किया इनाम

पाकिस्तान ने अपनी मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची यानी रेड बुक में मसूद अजहर को भगोड़ा बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, उसके बारे में सूचना देने पर मिलने वाली इनामी राशि को 50 लाख पाकिस्तानी रुपये से बढ़ाकर 70 लाख रुपये कर दिया गया है। पाकिस्तान की ओर से इनाम बढ़ाने के इस फैसले को लेकर भाजपा ने सवाल उठाए हैं और इसे महज औपचारिक कदम बताया है।

पाकिस्तान में मौजूद होने का लगाया आरोप

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मसूद अजहर पाकिस्तान में ही है और पाकिस्तान सरकार तथा सेना लगातार उसे और उसके संगठन जैश-ए-मोहम्मद को संरक्षण देती रही है।

डोडा विधायक मेहराज मलिक गैर जमानती वारंट पर पुलिस हिरासत में

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। आम आदमी पार्टी (आप) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष और डोडा विधायक मेहराज मलिक को मंगलवार को डोडा पुलिस ने हिरासत में लिया। पुलिस ने उन्हें एक लंबित आपराधिक मामले में अदालत द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के आधार पर हिरासत में लिया और बाद में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (जीजेएम) की अदालत में पेश किया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि मलिक को किसी नए मामले में गिरफ्तार नहीं किया गया है, बल्कि अदालत के वारंट की तामील के लिए हिरासत में लिया गया।

पुराने मामले में आरोप तय : अदालत में सुनवाई के दौरान पुराने आपराधिक मामले में विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए। इसके साथ ही मामले में आगे की ट्रायल प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। अब मुकदमे की सुनवाई कानून के अनुसार आगे बढ़ेगी। अदालत में पेशी के दौरान डोडा कोर्ट परिसर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। बड़ी संख्या में मलिक के समर्थक और स्थानीय लोग भी अदालत परिसर के बाहर मौजूद रहे।

अप्रैल में हाई कोर्ट से मिली थी राहत : गौरतलब है कि अप्रैल 2026 में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने मेहराज मलिक को बड़ी कानूनी राहत दी थी। अदालत ने उनके खिलाफ पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत की गई निवारक हिरासत को रद करते हुए उसे गैरकानूनी करार दिया था। इसके बाद अब पुराने आपराधिक मामले में गैर-जमानती वारंट के आधार पर पुलिस कार्रवाई हुई है।

◆ पुराने मामले में अदालत ने विधायक के खिलाफ तय कर दिए आरोप

◆ पेशी के दौरान कोर्ट परिसर में समर्थकों की भीड़ जुटी, सुरक्षा रही कड़ी

मेहराज मलिक ने 2024 के जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में डोडा विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। उनकी जीत के साथ आम आदमी पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में पहली बार विधानसभा में अपना खाता खोला था।

छात्रा से दुर्व्यवहार के आरोप में शिक्षक तत्काल निलंबित

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू । रामबन जिले में छात्रा के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों के बाद सरकारी स्कूल के शिक्षक रईज़ अहमद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। अहमद जोन गूल के सरकारी हाई स्कूल हारोगे में तैनात थे। अधिकारियों के अनुसार, एक छात्रा ने शिक्षक पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। शिकायत के बाद मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई। 14 सितंबर को समिति ने अपनी औपचारिक रिपोर्ट अधिकारियों को सौंप दी, जिसके आधार पर शिक्षक के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई। रामबन के मुख्य शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी आदेश में बताया गया कि अहमद को जम्मू-कश्मीर सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1956 के नियम 31 के तहत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें जोन खारी के सरकारी प्राथमिक स्कूल भट्टा से संबद्ध किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

जीएसटी संशोधन से कारोबारियों के लिए अनुपालन प्रक्रिया होगी आसान

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में तीन अहम सुधार विधेयक, कर और निकाय व्यवस्था होगी मजबूत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार आगामी विधानसभा के शरद सत्र में तीन महत्वपूर्ण सुधारोन्मुख विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इनमें जम्मू-कश्मीर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2026, जम्मू-कश्मीर नगर पालिका (संशोधन) विधेयक, 2026 और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से संबंधित प्रस्तावित कानून शामिल हैं। विधानसभा का शरद सत्र 21 से 30 सितंबर तक चलेगा और इसमें सात बैठकें प्रस्तावित हैं।

प्रस्तावित जीएसटी संशोधन के जरिए जम्मू-कश्मीर के कर ढांचे को केंद्रीय जीएसटी कानून में हुए बदलावों के अनुरूप बनाया जाएगा। वित्त अधिनियम, 2026 में किए गए संशोधनों के बाद जेएंडके जीएसटी अधिनियम, 2017 की विभिन्न धाराओं में बदलाव प्रस्तावित हैं। सरकार का मानना है कि इससे कर अनुपालन व्यवस्था में एकरूपता आएगी और कारोबारियों के लिए नियमों का पालन आसान होगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वित्त विभाग की जिम्मेदारी संभालते हुए विधेयक के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नगरपालिका संशोधन विधेयक में शहरी निकायों की संरचना, चुनावी प्रक्रिया और जिम्मेदारियों को अधिक स्पष्ट करने का प्रयास होगा।

अच्छन डंपिंग यार्ड बना श्रीनगर की स्वच्छता रैंकिंग में बड़ी बाधा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। 17 लाख से अधिक आबादी वाले श्रीनगर शहर को देश के स्वच्छ शहरों में शामिल करने की कवायद के बीच अच्छन डंपिंग यार्ड बड़ी चुनौती बना हुआ है। प्रशासन ने भी माना है कि सैदापोरा स्थित यह डंपिंग साइट शहर की स्वच्छता रैंकिंग को प्रभावित कर रही है। हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट की कमिश्नर सेक्रेटरी मनदीप कौर ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए लोगों की भागीदारी जरूरी है।

मनदीप कौर के अनुसार अच्छन में कचरा प्रोसेसिंग का काम शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि पहले यहां कचरा प्रोसेसिंग नहीं होने के कारण समस्या गंभीर थी, लेकिन अब इसका समाधान शुरू हो गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले दो वर्षों में श्रीनगर देश के शीर्ष तीन स्वच्छ शहरों में शामिल हो सकता है।

एसएमसी कमिश्नर फजलुल हसीब ने बताया कि स्वच्छता इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत छात्रों को कचरा अलग करने, घर-घर से कचरा एकत्र करने और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों की ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके तहत 34 स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। सफल रहने पर इसका विस्तार अन्य स्कूलों तक किया जाएगा। अच्छन डंपिंग साइट पर श्रीनगर से रोजाना करीब 500 मीट्रिक टन कचरा पहुंचता है। पर्याप्त प्रोसेसिंग व्यवस्था नहीं होने के कारण यहां कचरे के बड़े ढेर जमा हो गए हैं।

◆ 34 स्कूलों में छात्रों को कचरा अलग करने और स्वच्छता के लिए मिलेगा प्रशिक्षण

जंगलों की घटती हरियाली से आबादी की ओर बढ़ रहे जहरीले जीव

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक, नूरपुर, जिला कांगड़ा

सर्पदंश की घटनाओं उपरांत अब सरकारों को इसकी सूचना दिए जाना जरूरी है। कारण यह की बढ़ती सर्पदंश की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। बरसात का मौसम शुरू होते ही हिमाचल प्रदेश में सर्पदंश की घटनाओं में भी बृद्धि हो जाती है। हर साल सर्पदंश की घटनाओं में इजाफा हो रहा और सरकारें इस बारे जनता का न तो सही उपचार करवा पा रही थी। यही नहीं जागरूकता बगैर अधिकतर लोग सर्पदंश होने पर डर के मारे ही अपने प्राण त्याग देते हैं। सरकार को सर्पदंश की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जनता को जगरूक करने की अब बहुत अधिक जरूरत है।

सर्पदंश से पीडित होने बावजुद लोग सर्वप्रथम चिकित्सीय इलाज करवाने की बजाए इधर-उधर भटक कर खुद मौत का ग्रास बन जाते हैं। सर्पदंश होने पर जहर एकदम खून में मिलकर फेफड़ो में सूजन ला देता और पीड़ित व्यक्ति की सांस फूलने से मौत हो जाती है।ऐसे मरीज के साथ सहानुभूति जताते हुए अक्सर उससे बातचीत करते रहना चाहिए। बरसात शुरू होने बावजूद भी स्वास्थ्य बिभाग कभी सर्पदंश की घटनाओँ पर अंकुश लगाए जाने को लेकर सर्तक नहीं दिखता है।जिला अस्पतालों को छोड़कर अन्य में एन्टी स्नेक बेनम की बेकसीन उपलब्ध न होने की बजह से कई बार सर्पदंश पीड़ितों को समय पर उपचार न मिलने की बजह से उन्हें बेमौत ही मरना पड़ता है। जिला स्तरीय अस्पताल करीब सौ किलोमीटर की दुरी पर स्थित होने की बजह से बेकसीन सर्पदंश से पीड़ितों को समय पर मिल पाना आसान काम नहीं है।

यह बेकसीन महंगी और कुछेक निजी दवा खानों में ही उपलब्ध होती इसलिए एक गरीब आदमी का इसे खरीद पाना मुश्किल काम बनकर रह जाता है। सर्पदंश की बजह से मरने बालों के परिवार बालों को सरकारें हजारों रुपये बाद में फौरी राहत के रूप में मदद करके सुर्खियां बटोरती आ रही हैं।यही धनराशि खर्च करके अगर सभी अस्पतालों में एंटी स्नेक बेनम बेकसीन उपलब्ध करवाई जाए तो कई लोगों की जान बचाई भी जा सकती है। मगर हैरानी की बात यह कि सरकारों ने पीड़ितों की आर्थिक मदद करने का रिवाज सा बना लिया हुआ है।

अगर समय रहते सभी अस्पतालों में एंटी स्नेक बेनम की बेकसीन खासकर बरसात में मौजूद रहे तो सर्पदंश की घटनाओं पर भी काबू पाकर लोगों को भयमुक्त किया जा सकता है। कहने को कई एनजीओ और सामाजिक संगठन समाज में कार्य करके अपने आपको बड़ा समाज सेबक कहलाने में एक दूसरे से आगे निकल रहे हैं।इस तरह की सामाजिक जागरूकता फैलाने में ऐसे लोगों को आगे बढ़ने की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश पहाड़ी राज्य होने की बजह से कभी हरे भरे जंगलों से शोभामान रहा है।देवभूमि के जंगलों की हालत आजकल के दौर में ऐसी हो चुकी पेड़ पौधे कम और खरपतवार ज्यादा दिखाई देते हैं।

जंगल कभी हरे होने की बजह से जीव,जन्तु इनमें अपने आप को सुरक्षित समझते रहे हैं। जंगलों में कुल्हाड़ी इस कदर चल रही कि जंगली जानवर अब मैदानी इलाकों की तरफ आ रहे हैं।यही नहीं जंगलों में जानवरों का अवैध शिकार करने की घटनाओं में भी दिनोंदिन बृद्धि हो रही है।जंगलों में इस तरह अबैध शिकारियों की और से मचाये जा रहे तांडव कारण भी जीव,जन्तु इंसानों पर आत्मघाती हमले नित नए दिन करते जा रहे हैं।बारह सिंघा, हिरण,बाघ और खूंखार चीते अब लोगों के घरों में घुसने शुरू हो चुके हैं। गर्मियों में लोग अपनी स्वार्थसिद्धि के लिए बनों को आग लगा देते और ऐसे कई जीव,जन्तु अपनी जान बचाने के लिए खुले में निकलकर लोगों के लिए मुसीबत बन जाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

क्या देश की उच्च शिक्षा में बड़ा बदलाव लाएगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी ?

केशव शर्मा रसिक
गांव-कोटला, घुमारवीं

आज का युग तकनीकी क्रांति का युग है और इस क्रांति के केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी तेजी से उभर रही है। उद्योग, चिकित्सा, कृषि और प्रशासन के साथ-साथ शिक्षा जगत भी इससे अछूता नहीं है। विशेषकर भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में एआई एक बड़े परिवर्तन का संकेत दे रही है।

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ाई की पद्धति, शोध की दिशा, मूल्यांकन प्रणाली और प्रशासनिक व्यवस्था, सभी में ए.आई. नई संभावनाएं लेकर आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में ए.आई.उच्च शिक्षा की संरचना और स्वरूप दोनों को गहराई से बदल सकती है।

भारत के कई विश्वविद्यालय और कॉलेज पहले ही एआई को शिक्षा प्रक्रिया में शामिल करना शुरू कर चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के 60 प्रतिशत से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान छात्रों को एआई टूल्स के उपयोग की अनुमति दे चुके हैं। इनमें से लगभग 53 प्रतिशत संस्थान अध्ययन सामग्री तैयार करने में, 40 प्रतिशत एआई आधारित ट्यूटर और चैटबॉट, 39 प्रतिशत अनुकूलित (एडैप्टिव) लर्निंग प्लेटफॉर्म और 38 प्रतिशत स्वचालित मूल्यांकन प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि एआई अब प्रयोगात्मक तकनीक नहीं रही, बल्कि धीरे-धीरे शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनती जा रही है। एआई के आने से शिक्षा का पारंपरिक मॉडल तेजी से बदल रहा है। पहले शिक्षक एक ही तरीके से सभी छात्रों को पढ़ाते थे, लेकिन अब एआई आधारित प्लेटफॉर्म प्रत्येक छात्र की क्षमता, रुचि और सीखने की गति के अनुसार अध्ययन सामग्री तैयार कर सकते हैं।

इससे व्यक्तिगत (पर्सनलाइज्ड) शिक्षा संभव हो रही है।इसके अतिरिक्त एआई आधारित ट्यूटर और चैटबॉट छात्रों को चौबीसों घंटे सहायता प्रदान कर सकते हैं। छात्र किसी भी समय प्रश्न पूछ सकते हैं और तुरंत उत्तर प्राप्त कर सकते हैं। इससे शिक्षा अधिक सुलभ और प्रभावी बन रही है। उच्च शिक्षा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य शोध और नवाचार को बढ़ावा देना है। एआई इस क्षेत्र में भी बड़ी भूमिका निभा सकती है। बड़े-बड़े डेटा का विश्लेषण, जटिल गणनाएं,वैज्ञानिक मॉडलिंग और शोध पत्रों का विश्लेषण, ये सभी कार्य एआई की सहायता से अधिक तेज और सटीक तरीके से किए जा सकते हैं।

भारत में कई विश्वविद्यालय एआई आधारित शोध परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। कुछ संस्थान तो विशेष रूप से एआई और उन्नत तकनीकों के लिए समर्पित कैंपस और पाठ्यक्रम विकसित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं।

वर्तमान समय में एआई का उपयोग केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालयों की प्रशासनिक व्यवस्था को भी अधिक कुशल बना रहा है। प्रवेश प्रक्रिया, छात्र डेटा प्रबंधन, परीक्षा मूल्यांकन और भर्ती प्रक्रया में एआई आधारित प्रणालियां तेजी से अपनाई जा रही हैं। इससे समय की बचत होती है और मानवीय त्रुटियों की संभावना कम होती है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में अधिकांश नौकरियां तकनीक और एआई से प्रभावित होंगी। इसलिए विश्वविद्यालयों को छात्रों को एआई, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और डिजिटल कौशलों से परिचित कराना आवश्यक हो गया है। इससे उन्हें भविष्य के रोजगार और प्रतिस्पर्धा में लाभ मिलेगा हालांकि, एआई के साथ चुनौतियां भी हैं। कई शिक्षण संस्थानों में पर्याप्त डिजिटल ढांचा और संसाधन नहीं हैं। शिक्षकों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है, और डेटा सुरक्षा तथा गोपनीयता की चिंताएं भी बढ़ रही हैं। साथ ही, छात्रों द्वारा ए.आई. का अत्यधिक उपयोग मौलिक सोच और रचनात्मकता पर असर डाल सकता है। इसलिए एआई को शिक्षा में अपनाते समय संतुलित और जिम्मेदार दृष्टिकोण जरूरी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

भारत-चीन रिश्तों में नरमी के संकेत

भारत और चीन के संबंधों में लंबे समय से जमी बर्फ अब धीरे-धीरे पिघलती दिखाई दे रही है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच नई दिल्ली में हुई करीब 50 मिनट की मुलाकात ने दोनों देशों के रिश्तों में एक नए दौर की उम्मीद जगाई है। गलवान की हिंसक घटना के बाद भारत-चीन संबंध जिस गहरे तनाव के दौर में पहुंच गए थे, वहां से दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठकर बातचीत करना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह संकेत देता है कि दोनों देश टकराव के बजाय संवाद, संपर्क और व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाने के रास्ते पर लौटना चाहते हैं। हालांकि, इस मुलाकात को तत्काल किसी बड़े समझौते या सीमा विवाद के समाधान के रूप में देखना उचित नहीं होगा, लेकिन कूटनीतिक स्तर पर संवाद का फिर सक्रिय होना सकारात्मक संकेत जरूर है।

इस मुलाकात की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते को मजबूत करने पर दिया गया जोर है। निरंतर संवाद और सूचनाओं के आदान-प्रदान को बनाए रखने पर सहमति इस बात का संकेत है कि दोनों पक्ष रिश्तों में आई खाई को धीरे-धीरे पाटने का प्रयास कर रहे हैं। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद बेहद संवेदनशील है। ऐसे में संवाद जितना नियमित, स्पष्ट और पारदर्शी होगा, गलतफहमियों और अनावश्यक तनाव की आशंका उतनी ही कम होगी। सीमा पर छोटी सी घटना भी व्यापक राजनीतिक और सामरिक तनाव का कारण बन सकती है। इसलिए दोनों देशों के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व के बीच संपर्क के रास्ते खुले रखना बेहद जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए पारस्परिक सम्मान, पारस्परिक संवेदनशीलता और पारस्परिक हित को द्विपक्षीय संबंधों का आधार बताया है। भारत के लिए सीमा पर शांति और स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। गलवान के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जिस तरह दोनों देशों की सेनाएं लंबे समय तक आमने-सामने रहीं, उससे यह स्पष्ट हो गया कि सीमा पर तनाव का असर केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यापार, निवेश, राजनीतिक संबंध और लोगों के बीच संपर्क भी प्रभावित होते हैं। इसलिए सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए पुराने समझौतों और सहमतियों का पालन, सैन्य स्तर पर संवाद तथा विश्वास बहाली के उपायों को आगे बढ़ाना आवश्यक है।

भारत और चीन के संबंधों का दायरा केवल सीमा विवाद तक सीमित नहीं है। दोनों एशिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी उनका महत्वपूर्ण स्थान है। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, आपूर्ति श्रृंखला और औद्योगिक गतिविधियों का व्यापक महत्व है। पिछले कुछ वर्षों में सीमा तनाव के कारण द्विपक्षीय संबंधों में आई कड़वाहट का आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ा। ऐसे में संबंधों में सुधार से कारोबारी वातावरण को बेहतर बनाने की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। हालांकि, भारत को आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाते समय अपने राष्ट्रीय हित, घरेलू उद्योग और रणनीतिक जरूरतों का पूरा ध्यान रखना होगा। चीन के साथ व्यापार में संतुलन कायम करना भारत के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है।

लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना भी संबंधों को सामान्य बनाने का अहम हिस्सा है। सीधी उड़ानों की बहाली की दिशा में बढ़ते कदम इसी प्रक्रिया का हिस्सा माने जा सकते हैं। लंबे समय तक दोनों देशों के बीच सीधा संपर्क सीमित रहने से व्यापारियों, विद्यार्थियों, पर्यटकों और अन्य यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बेहतर हवाई संपर्क और लोगों की आवाजाही से दोनों देशों के बीच मानवीय संबंध मजबूत हो सकते हैं। इससे आपसी समझ बढ़ाने और गलत धारणाओं को दूर करने में भी मदद मिल सकती है।

इसके बावजूद भारत को मौजूदा नरमी को स्थायी समाधान मानने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। चीन के सीमा संबंधी दावे, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उसकी गतिविधियां और पाकिस्तान के साथ उसकी रणनीतिक निकटता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। भारत को अपनी सुरक्षा और सामरिक हितों के प्रति पूरी तरह सजग रहते हुए चीन के साथ आगे बढ़ना होगा। कूटनीतिक संवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। बल्कि मजबूत सुरक्षा स्थिति के साथ प्रभावी कूटनीति भारत को अपने हितों को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने में सक्षम बना सकती है।

गलवान की घटना ने यह भी दिखाया कि सीमा पर विश्वास की कमी कितनी गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। इसलिए अब केवल शीर्ष नेताओं की मुलाकात पर्याप्त नहीं होगी। जमीन पर भी ऐसे कदम उठाने होंगे, जिनसे दोनों देशों की सेनाओं के बीच भरोसा बढ़े और किसी भी अप्रत्याशित घटना को रोकने की व्यवस्था मजबूत हो। सीमा प्रबंधन से जुड़े तंत्रों को सक्रिय रखना, सैन्य अधिकारियों के बीच संपर्क बनाए रखना और पहले हुए समझौतों को ईमानदारी से लागू करना जरूरी होगा। यदि इन क्षेत्रों में ठोस प्रगति होती है तो शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई बातचीत का वास्तविक लाभ दिखाई देगा।

-शिवांश धाकड़

कविता

सेवा ही सच्ची पूजा है

शिव राज सन्याल, गांव मकड़ाहन
जवाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

सेवा ही सच्ची पूजा है, मन इसमें सदा लगाना,
व्यर्थ न जाए जीवन तेरा, कर्मों को श्रेष्ठ बनाना।
पथ में कोई अंधा मिल जाए, हाथ पकड़कर साथ चलाना,
जिसके जीवन में अंधेरा हो, उसको उम्मीद का दीप दिखाना।
जो राह भटकता जाए कोई, उसको सही राह बताना,
अपने सुख की चिंता छोड़कर, दुखियों का दुख अपनाना।
बीमारी में जो पड़ा अकेला, उसके पास चले तुम जाना,
निज धन से उसकी मदद करो, बदले में कुछ मत पाना।
दवा न मिले जिसे जीवन में, उसकी दवा बनकर आना,
दर्द किसी के मन में हो तो, प्रेम से उसको सहलाना।
संकट में जो फंस जाए कोई, उसके बनना तुम सहारा,
डूब रही हो जिसकी नैया, बन जाना उसका किनारा।
थाम लिया जो हाथ किसी का, उसको कभी न तुम छोड़ना,
मुश्किल चाहे कितनी आए, अपना वचन नहीं तोड़ना।
सेवा केवल शब्द नहीं है, सेवा जीवन की भाषा,
दीन-दुखी के काम जो आए, उसमें बसती सच्ची आशा।
भूखे को भोजन दे देना, प्यासे को जल पिलाना,
रोते चेहरे पर मुस्कान लाना, मानव धर्म निभाना।
दान करो तो मौन रहो तुम, उसका कभी न करना बखान,
दिया हुआ उपकार गिनाना, कर देता सेवा का अपमान।
जिसे मदद की जरूरत हो, उसका हाथ बढ़कर थामना,
बिना किसी स्वार्थ के हरदम, मानवता का मान बढ़ाना।
जनसेवा ही ईश्वर सेवा, मन में यह विश्वास जगाना,
हर इंसान में ईश्वर देखो, प्रेम का दीप सदा जलाना।
परोपकार को जीवन चुन लो, दुख सहकर भी मुस्काना,
सेवा के इस पावन पथ पर, कदम हमेशा आगे बढ़ाना।
सेवा से बढ़कर धर्म नहीं है, सेवा से बढ़कर दान नहीं,
जिस जीवन में परहित बसता, उससे सुंदर कोई सम्मान नहीं।

गुरु की डांट से बदलते समय तक शिष्य-शिक्षक रिश्तों में बड़ा बदलाव

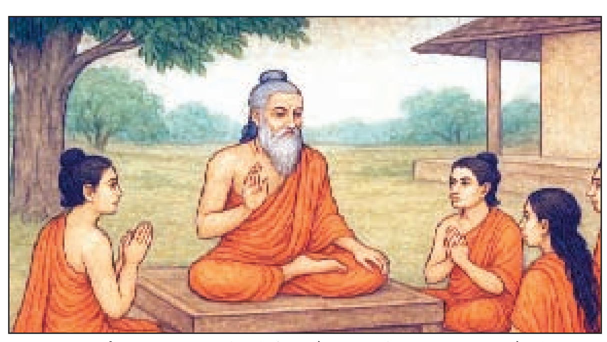

कनुप्रिया
नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

पुराने समय में गुरु वट वृक्ष के समान था जिसकी अनुशासन की छाया धूप की तरह तीखी तो लगती थी, लेकिन कुंदन बन निखारती थी। तब शिष्य मिट्टी था और गुरु कुम्हार। कुम्हार की चोट दिखती कठोर थी पर अंदर से शिष्य का भविष्य संवार रही होती थी। अभिभावक जानते थे कि गुरु केवल शिक्षा नहीं सीखा रहे, बल्कि जीवन को जीने के संस्कारों को भी रोपित कर रहे हैं।

बदलते समय के साथ गुरु की परिभाषा भी बदलती जा रही है और साथ ही शिष्य की भी, जिस तरह की गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन पहले किया जाता था वह तो अब भूली बिसरी याद की तरह है। गुरु भी समय के बदलाव के साथ न केवल साधन संपन्न हुए हैं, बल्कि उनकी जो शक्तियां थी वह भी बदलते परिवेश के साथ छीन ली गई हैं। जिस वातावरण की पहली बात होती थी वह किंचित मात्र भी इस युग में दृश्य नहीं है। अनुभव व ज्ञान की पराकाष्ठा का व्यक्तित्व लिए जब गुरु पाठशाला में या बाजार में दिख जाता तो बच्चों को गर्व के साथ-साथ अनजना डर भी सताता था कि वह कहीं उसके अभिभावक से कोई शिकायत या प्रगति रिपोर्ट को लेकर कुछ कहना दे, साथ ही जो झिझक गुरुजनों के सानिध्य में होती थी उसमें आदर भाव की अधिकता और द्वेष व प्रतिकार की भावना ना मात्र पाई जाती थी। परिजन भी अपने बच्चों को पाठशाला में अध्यापकों के सुपुर्द करके चिंता मुक्त हो जाते थे कि वह चाहे तो जिस भी तरह से अपने शिष्य को कम से कम एक अच्छा नागरिक और संस्कारी व्यक्ति बनाएं वनिस्पत किसी नौकरी के उद्देश्य से पढ़ाई करवायें।

समय के साथ-साथ इन दोनों भूमिकाओं में बहुत ही अद्वितीय परिवर्तन आया है जो की एक तरफ अच्छा भी है तो दूसरी तरफ एक ऐसे भविष्य की नींव रख रहा है या स्पष्ट तौर पर कहें की रख चुका है जो कि समाज की बुनियाद को लगातार हिला के रख दे रहा है। किसी एक को दोषी मान के दंडित करना अपनी ही अयोग्यता को सिद्ध करने जैसा है क्योंकि इस समय जो परिस्थितियों हैं वह दो अलग-अलग तरह के वाक्यात को इंगित करती है क्योंकि आज का जो बच्चा है वह घर से इकलौता और सब सुविधा संपन्न हैं और मां-बाप अपने बच्चों को सुख सुविधाओं में पालने के लिए इतना ज्यादा यत्न करते हैं कि उसे छोटी सी चोट भी आ जाए तो उसकी सुविधा के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा देते हैं। जब बच्चा इस तरह के माहौल में पला -बड़ा होता है जिसको डांट- फटकार कभी पड़ी ही नहीं है और उसे छोटी सी बात भी आहत कर देती है,तो इस परिस्थिति में मां-बाप और अध्यापक दोनों का सामजस्य होना बहुत ही जरूरी है। स्वभाव में कोमलता और संवेदनशीलता अलग होती है। कोमलता मतलब नरमी से प्रतिर्, या देना, जबकि संवेदनशीलता अक्सर तुरंत और बिना विचार किए निर्णय लेने से जुड़ी होती है। आजकल के बच्चे अधिकतर संवेदनशील हैं और किसी स्थिति के परिणाम को समझे बिना जल्दी प्रतिर्, या दे देते हैं। परिजन और शिक्षक बच्चों की मानसिक मजबूती में अहम भूमिका निभाते हैं। सुरक्षित माहौल में पलते बच्चों को संघर्ष और चुनौतियों का अनुभव नहीं होता, जिससे वे छोटी-सी समस्या पर भी अत्यधिक प्रतिक्रिया कर सकते हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

दावोस से वित्तीय संस्थानों तक, वैश्विक सत्ता संरचना में प्रभावशाली समूहों की अहम भूमिका

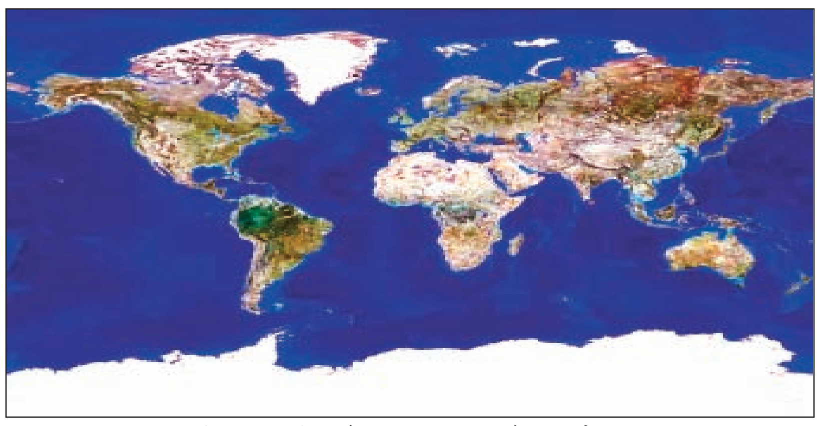

कैलाश चंद्र
सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तंभकार

आधुनिक विश्व-राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था को समझने के लिए केवल निर्वाचित सरकारों और औपचारिक संस्थाओं की भूमिका देखना पर्याप्त नहीं है। इनके पीछे काम करने वाले प्रभाव-समूह, वित्तीय संस्थान, बहुराष्ट्रीय कंपनियां, तकनीकी कंपनियां, दान संस्थाएं और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंच भी नीतियों और निर्णयों को प्रभावित करते हैं। पिछले कुछ दशकों में कई शोधकर्ताओं, पत्रकारों और विश्लेषकों ने इस व्यवस्था को 'वैश्विक अभिजात नेटवर्क' या 'सत्ता संरचना' के रूप में समझने का प्रयास किया है। हालांकि इन नेटवर्कों को लेकर कई दावे विवादित भी हैं, फिर भी वैश्विक स्तर पर विभिन्न संस्थाओं के आपसी संबंधों और उनके प्रभाव का अध्ययन महत्वपूर्ण है।

विश्व आर्थिक मंच का दावोस सम्मेलन इसका एक प्रमुख उदाहरण है। यहां दुनिया के विभिन्न देशों के राजनीतिक नेताओं, उद्योगपतियों, निवेशकों और नीति विशेषज्ञों को एक मंच मिलता है, जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था, निवेश, व्यापार, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा होती है। इसी तरह बिल्डरबर्ग समूह की बैठकें भी लंबे समय से चर्चा का विषय रही हैं। इन बैठकों में सीमित संख्या में प्रभावशाली लोग शामिल होते हैं और आलोचकों का तर्क है कि ऐसे बंद मंच वैश्विक नीतियों पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकते हैं। हालांकि समर्थकों के अनुसार ये मंच मुख्य रूप से विचार-विमर्श और संवाद के लिए होते हैं।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने ब्रेटन वुड्स ढांचे ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था को नई दिशा दी। इन संस्थाओं का उद्देश्य आर्थिक स्थिरता, पुनर्निर्माण और विकास को बढ़ावा देना था। साथ ही विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीतियां भी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर डालती हैं। ब्याज दरों, मुद्रा आपूर्ति और वित्तीय स्थिरता से जुड़े निर्णयों का प्रभाव निवेश, व्यापार और रोजगार तक दिखाई देता है।

वैश्विक शक्ति संरचना में बड़ी तकनीकी कंपनियों की भूमिका भी लगातार बढ़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल मंच, सामाजिक मीडिया, आंकड़ा प्रबंधन और संचार तकनीक के विस्तार ने इन कंपनियों को आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी दिया है। इनके पास उपलब्ध विशाल आंकड़े और तकनीकी संसाधन नीतिगत बहस को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। इसी कारण तकनीकी कंपनियों की जवाबदेही, पारदर्शिता और नियमन पर दुनिया भर में चर्चा बढ़ी है।

इतिहास में बड़े वित्तीय परिवारों और उद्योगपतियों ने भी आर्थिक तथा सामाजिक क्षेत्र में प्रभाव छोड़ा है। रॉथ्सचाइल्ड और रॉकफेलर जैसे परिवारों का नाम वैश्विक वित्त, उद्योग और परोपकार के संदर्भ में लिया जाता रहा है। हालांकि इनके प्रभाव को लेकर किए जाने वाले अनेक दावों की सत्यता अलग-अलग स्तर की है, इसलिए तथ्यों और अटकलों के बीच अंतर करना जरूरी है। जेफ्री एप्स्टीन प्रकरण ने भी प्रभावशाली लोगों के सामाजिक और वित्तीय संबंधों तथा पारदर्शिता से जुड़े सवालों को व्यापक चर्चा में ला दिया।

आज की वैश्विक व्यवस्था इसलिए अत्यंत जटिल है क्योंकि इसमें सरकारों के साथ अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, वित्तीय बाजार, बहुराष्ट्रीय कंपनियां, तकनीकी क्षेत्र, नागरिक संगठन और प्रभावशाली व्यक्ति एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इन सभी के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते और इनके बीच प्रतिस्पर्धा भी रहती है। इसलिए विश्व-राजनीति को किसी एक गुप्त समूह के नियंत्रण के रूप में देखना उचित नहीं होगा। इसके बजाय विभिन्न संस्थागत और आर्थिक नेटवर्कों के वास्तविक प्रभाव, उनके निर्णयों की पारदर्शिता और जवाबदेही का तथ्य आधारित अध्ययन अधिक उपयोगी है।

वैश्विक सत्ता को समझने के लिए यह देखना जरूरी है कि निर्णय कहां लिए जाते हैं, किन संस्थाओं की उनमें भूमिका होती है और उनके फैसलों का असर आम लोगों की अर्थव्यवस्था, अधिकारों और जीवन पर किस तरह पड़ता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए इन सभी प्रभावशाली नेटवर्कों में पारदर्शिता, सार्वजनिक निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। यही दृष्टिकोण वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था की वास्तविक शक्ति संरचना को समझने में मदद कर सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

76 साल के हुए नरेंद्र मोदी

17 सितंबर 1950 को गुजरात के वडनगर में जन्मे नरेंद्र दामोदरदास मोदी 17 सितंबर 2026 को अपना 76वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनका राजनीतिक सफर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से शुरू होकर गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचा। आठ वर्ष की उम्र में उनका आरएसएस से परिचय हुआ और आगे चलकर वे संगठन के पूर्णकालिक प्रचारक बने। संघ में काम करते हुए उन्होंने संगठन विस्तार और राजनीतिक गतिविधियों का अनुभव हासिल किया। 1975 के आपातकाल के दौरान वे सरकार विरोधी गतिविधियों से जुड़े और भूमिगत रहकर संगठनात्मक काम करते रहे। इस दौर ने उनके राजनीतिक व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नरेंद्र दामोदरदास मोदी
जन्म : 17 सितंबर 1950

वर्ष 1985 में संघ ने उन्हें भारतीय जनता पार्टी के लिए काम करने की जिम्मेदारी दी। 1987 में अहमदाबाद नगर निकाय चुनाव में भाजपा के अभियान के संगठन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। इसके बाद वे पार्टी में लगातार आगे बढ़े और 1998 में भाजपा के महासचिव बने। 2001 में उन्हें गुजरात का मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में आर्थिक विकास, कारोबार और निवेश को बढ़ावा देने वाली नीतियों पर जोर दिया गया। हालांकि, 2002 के गुजरात दंगों को लेकर उनके प्रशासन की देश और विदेश में आलोचना हुई।

2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पूर्ण बहुमत हासिल किया और 26 मई 2014 को उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। 2019 में भाजपा ने फिर बहुमत हासिल किया और मोदी दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। 2024 के आम चुनाव में भाजपा को अकेले बहुमत नहीं मिला, जिसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनी और नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभाला। उनके कार्यकाल में स्वच्छता अभियान, वस्तु एवं सेवा कर, नोटबंदी और जम्मू-कश्मीर से संबंधित बड़े नीतिगत फैसले हुए। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी को देश में लगातार मजबूत राजनीतिक समर्थन मिला है, हालांकि उनकी नीतियों और राजनीतिक विचारधारा को लेकर आलोचना भी होती रही है। 76वें जन्मदिन के अवसर पर उनका यह सफर भारतीय राजनीति में उनके लंबे और प्रभावशाली राजनीतिक जीवन को दर्शाता है।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आगरा से बरसाना चलेंगी 160 विशेष बसें

एजेंसी, आगरा। राधाष्टमी पर्व पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रोडवेज ने विशेष बस संचालन की तैयारी की है। 18 से 20 सितंबर तक आगरा क्षेत्र से बरसाना के लिए 160 विशेष बसें संचालित की जाएंगी। आगरा से बरसाना वाया मथुरा-गोवर्धन 50, मथुरा से बरसाना वाया गोवर्धन 60, वृंदावन से बरसाना 30, मथुरा से बरसाना वाया छाता पांच और मथुरा से बरसाना वाया कोसी 15 बसें चलेंगी। बरसाना में जिला प्रशासन की ओर से बनाए गए अस्थायी बस स्टैंड से बसों का संचालन किया जाएगा। बरसाना, गोवर्धन, भूतेश्वर बस स्टेशन और आगरा आईएसबीटी पर तीनों पालियों में अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहेंगे। बसों की साफ-सफाई, सुरक्षित संचालन और यात्रियों की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मार्ग पर प्रवर्तन की भी व्यवस्था रहेगी।

रेलवे स्टेशनों पर गुटखा थूकना पड़ेगा महंगा, आरपीएफ काटेगी सीधे चालान

एजेंसी, प्रयागराज। भारतीय रेल आज से 31 अक्टूबर तक देशभर के रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में सघन स्वच्छता महाअभियान चलाएगा। अभियान का उद्देश्य पान-गुटखे की पीक के लाल दाग, गंदगी और अवैध विज्ञापनों को हटाकर रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाना है। स्टेशनों या ट्रेनों में थूकने और कचरा फेंकने वालों के खिलाफ आरपीएफ तथा चेकिंग अमला कार्रवाई करेगा और सीधे चालान काटेगा। अभियान तीन चरणों में आयोजित होगा। पहला चरण 'स्वच्छता ही सेवा' 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक, दूसरा 'स्वच्छता पखवाड़ा' एक से 15 अक्टूबर तक और तीसरा 'विशेष अभियान 6.0' दो से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत 'नो रेड एंड येलो स्पॉट' अभियान के माध्यम से पान-गुटखे के दागों को हटाने पर विशेष जोर रहेगा।

30 बच्चों को लेकर जा रही स्कूल बस पलटी, छह छात्र घायल

एजेंसी, औरैया। औरैया के बेला थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह स्कूल बस हादसे में छह बच्चे घायल हो गए। कानपुर मार्ग पर सौरभ एकेडमी की करीब 30 बच्चों को लेकर जा रही बस ब्रेक फेल होने के बाद अनियंत्रित होकर ग्राम बरूनौटी मोड़ के पास पलट गई। हादसे के बाद बस में सवार बच्चों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चों को उपचार के लिए नवजीवन अस्पताल, बेला भेजा गया। हादसे में घायल छह बच्चों में कुछ को हल्की चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद कुछ बच्चों को उनके स्वजन घर ले गए, जबकि अन्य बच्चों का अस्पताल में उपचार कराया गया।

अब घर बैठे मिलेगी साइबर ठगी की फंसी रकम, ऑनलाइन शुरू हुई नई सुविधा

एजेंसी, आजमगढ़। साइबर ठगी के पीड़ितों के लिए पुलिस ने नई ऑनलाइन सुविधा शुरू की है। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के तहत मनी रेस्टोरेशन मॉड्यूल से पीड़ित घर बैठे फंसी रकम की वापसी के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह सुविधा उन मामलों में मिलेगी, जिनमें समय रहते 1930 हेल्पलाइन या पोर्टल पर शिकायत दर्ज हुई हो और रकम संबंधित बैंक खाते में होल्ड हो गई हो। आवेदन के लिए 14 अंकों का एक्नालेजमेंट नंबर जरूरी होगा।

यूपी में अगले सात दिन छिटपुट बारिश किसानों को मिल सकती है राहत

एजेंसी, लखनऊ। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अगले छह से सात दिनों तक हल्की से मध्यम और छिटपुट बारिश होने की संभावना है। पूर्वी और पश्चिमी यूपी में अलग-अलग समय पर वर्षा के आसार हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 16 से 21 सितंबर तक वाराणसी, सोनभद्र, आजमगढ़ और बलिया समेत कुछ जिलों में हल्की बूंदाबांदी या छिटपुट बारिश हो सकती है। हालांकि, 22 सितंबर को मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल बताई जा रही हैं।

लखनऊ के 5000 घर खरीदारों को बड़ी राहत, सुशांत गोल्फ सिटी अब एलडीए के हाथ

सरकार विकास कार्यों और देनदारियों के लिए 2912 करोड़ रुपए की धनराशि देगी

एजेंसी, लखनऊ

राजधानी की पहली हाईटेक टाउनशिप सुशांत गोल्फ सिटी के घर और दुकान खरीदारों के लिए राहत की खबर सामने आई है। लंबे समय से अधूरे विकास कार्यों और परियोजना से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे करीब 5000 घर खरीदारों के लिए अब समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सुशांत गोल्फ सिटी परियोजना को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंपने का निर्णय लिया है।

इसके साथ ही परियोजना के विकास कार्यों और देनदारियों को पूरा करने के लिए सरकार की ओर से 2912 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में सुशांत गोल्फ सिटी हाईटेक टाउनशिप के टेकओवर को मंजूरी दी गई। कैबिनेट के इस फैसले के बाद परियोजना की जिम्मेदारी एलडीए के पास आ जाएगी। एलडीए परियोजना

से जुड़े विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ ही लंबित कार्यों को पूरा कराने की दिशा में काम करेगा।

सुशांत गोल्फ सिटी राजधानी लखनऊ की प्रमुख हाईटेक टाउनशिप परियोजनाओं में शामिल है। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने अपने घर और दुकान के लिए निवेश किया था। परियोजना से जुड़े कार्यों के लंबित रहने के कारण खरीदारों को लंबे समय से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। अब सरकार के फैसले के बाद इन खरीदारों को परियोजना के पूरा होने और लंबित कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है।

सरकार की ओर से परियोजना के लिए 2912 करोड़ रुपये की धनराशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है। यह राशि विकास कार्यों और परियोजना से जुड़ी देनदारियों के लिए इस्तेमाल की जाएगी। इससे टाउनशिप में जरूरी विकास कार्यों को आगे बढ़ाने और लंबित जिम्मेदारियों को पूरा करने में मदद मिलने की उम्मीद है। एलडीए के अधीन आने के बाद परियोजना के संचालन और विकास कार्यों को संस्थागत स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा। सरकार के फैसले का प्रमुख उद्देश्य परियोजना से जुड़े घर और दुकान खरीदारों की समस्याओं का समाधान करना तथा टाउनशिप के अधूरे कार्यों को पूरा करने की दिशा में काम करना है।

कैबिनेट के फैसले से करीब 5000 घर खरीदार सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। परियोजना के एलडीए को सौंपे जाने और सरकार की ओर से बड़ी धनराशि उपलब्ध कराए जाने के बाद खरीदारों को अपने निवेश और संपत्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगी है। अब आगे की प्रक्रिया में एलडीए परियोजना को अपने अधीन लेकर विकास कार्यों और देनदारियों से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाएगा। इस फैसले को सुशांत गोल्फ सिटी परियोजना के भविष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार की मंजूरी के बाद अब परियोजना को पूरा कराने की जिम्मेदारी एलडीए के पास होगी और 2912 करोड़ रुपये की धनराशि के माध्यम से विकास तथा देनदारियों से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

सपा नेता पवन यादव हत्याकांड की जांच में आठ साल पुराना बम हमला भी शामिल

एजेंसी, प्रयागराज

सपा नेता और पूर्व प्रधान पवन कुमार यादव हत्याकांड की जांच में पुलिस अब आठ साल पहले हुए बम हमले की कड़ी भी तलाश रही है। वर्ष 2018 में पवन यादव पर बम से हमला किया गया था। उस घटना में वह बाल-बाल बच गए थे, जबकि उनके पास खड़े अरुण उर्फ बच्चे को चोट आई थी। पुलिस वर्तमान हत्याकांड की जांच के दौरान पुराने हमले से जुड़े तथ्यों और आरोपितों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

पवन यादव हत्याकांड में पुराने बम हमले से जुड़े तथ्यों की जांच तेज

पुराने मामले के अनुसार, ग्राम सभा मुंगराव के प्रधान रहे पवन कुमार यादव ने हंडिया थाने में पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। इनमें राहुल, राजा, शशांक यादव, मनोज कुमार और सिद्धार्थ उर्फ सोनू के नाम शामिल थे। पवन यादव ने आरोप लगाया था कि शाम करीब साढ़े छह बजे वह घर के सामने स्थित मार्केट में बैठे थे। इसी दौरान राहुल समेत अन्य लोग वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए धमकी देने लगे। पवन यादव के अनुसार, वह कुछ समझ पाते, इससे पहले ही आरोपितों ने बम से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए भागते समय बम फट गया, जिसकी चपेट में आने से अरुण उर्फ बच्चे को चोट लगी थी। घटना के दौरान हमलावरों ने फायरिंग करते हुए धमकी भी दी थी। उन्हें कथित तौर पर कहा गया था कि वह उस दिन बच गए हैं, लेकिन आगे नहीं बच पाएंगे। अब पवन यादव की हत्या के बाद पुलिस पुराने मामले को भी जांच के दायरे में लेकर दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंधों की पड़ताल कर रही है।

पुलिस पुराने मुकदमे के दस्तावेज, नामजद आरोपितों और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, फिलहाल पुलिस इस पुराने हमले को हत्याकांड से जोड़कर जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि पुराने विवाद, आरोपितों की भूमिका और वर्तमान घटनाक्रम के बीच कोई सीधा संबंध है या नहीं।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर युवक को वाहन ने रौंदा, मौके पर मौत

एजेंसी, आगरा

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह सड़क पार कर रहे एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद भी तेज रफ्तार वाहन वहां से गुजरते रहे, जिससे युवक का शव क्षत-विक्षत हो गया और उसके अवशेष दूर तक फैल गए।

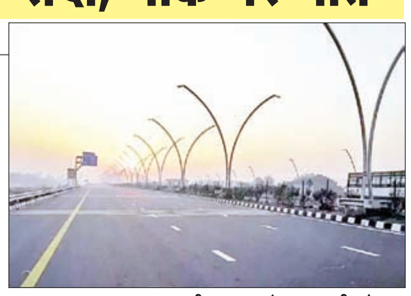

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, पुलिस पहचान और वाहन की तलाश में जुटी।

घटना की जानकारी सुबह करीब साढ़े पांच बजे एक वाहन चालक ने संबंधित अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की टीम और पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी जुटाई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक एक्सप्रेसवे पर सड़क पार कर रहा था, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी गंभीर थी कि उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

गोरखपुर में 20 और किसान बने मिनी नंदिनी योजना के लाभार्थी

एजेंसी, गोरखपुर। पशुपालन विभाग के नंद बाबा दुग्ध विकास मिशन के अंतर्गत संचालित मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना में पिछले सत्र के 20 और लोगों को शामिल किया गया है। इसके साथ ही गोरखपुर में योजना के कुल लाभार्थियों की संख्या 26 हो गई है। इनमें छह लोगों ने अपने खर्च पर डेयरी संचालित करने की सहमति दी है। वर्ष 2025-26 में योजना का लाभ लेने के लिए 42 लोगों ने आवेदन किया था। ई-लाटरी के माध्यम से छह लोगों का चयन किया गया था, जबकि शेष आवेदकों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया था। जुलाई में शासन की ओर से प्रतीक्षा सूची में शामिल लोगों को भी योजना का लाभ देने के आदेश जारी किए गए। इसके बाद 12 सितंबर की अंतिम तिथि तक 20 लोगों ने बैंक के सहमति पत्र और निजी व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर लीं। मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत लाभार्थियों को देसी नस्ल की 10 गायों का पालन करना होता है।

घटिया निर्माण पर एनएचएआई की बड़ी कार्रवाई, पीएनसी पर तीन साल की रोक

एजेंसी, लखनऊ

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के निर्माण में सामने आई खामियों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बड़ा फैसला लिया है। एक्सप्रेसवे की कार्यदायी संस्था पीएनसी पर तीन वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर लगातार उठ रहे सवालों और एक्सप्रेसवे पर सामने आई समस्याओं के बाद यह कार्रवाई की गई है।

एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के महज चार दिन बाद ही सड़क की परतें उखड़ने का मामला सामने आया था। इसके बाद एलिवेटेड रोड से कंक्रीट गिरने और अब उसका प्लास्टर भी गिरने की घटना ने निर्माण गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ा दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए एनएचएआई ने संबंधित कार्यदायी संस्था के खिलाफ तीन वर्ष के प्रतिबंध की कार्रवाई की है।

निर्माण संबंधी समस्या के कारण कानपुर से लखनऊ की ओर आने वाले वाहनों के लिए एक्सप्रेसवे की एक लेन का संचालन बंद कर दिया गया था। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस हिस्से में आवागमन रोककर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया गया। अब इस बंद लेन का संचालन 25 सितंबर से दोबारा शुरू किए जाने की जानकारी दी गई है।

पत्नी के सामने पिस्टल का रौब दिखाना पड़ा भारी, गोली लगने से युवक की मौत

एजेंसी, लखनऊ

गोसाईगंज क्षेत्र में अवैध हथियार का शौक 29 वर्षीय युवक यशार्थ शरण यादव के लिए जानलेवा साबित हो गया। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के महिपाल खेड़ा में मंगलवार देर रात पत्नी के सामने पिस्टल का रौब दिखाने के दौरान चैंबर में फंसी गोली चल गई। गोली कनपटी में लगने से यशार्थ की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। चचेरे भाई शिवा यादव के अनुसार, यशार्थ नशे की हालत में पत्नी के सामने पिस्टल का रौब दिखा रहा था।

नशे में पिस्टल दिखाते समय चली गोली, 29 वर्षीय पुजारी की दर्दनाक मौत हुई।

इसी दौरान वह पत्नी से कहने लगा कि आज बताता हूं भौकाल कैसे दिखाया जाता है। इसी बीच पिस्टल से अचानक गोली चल गई और यशार्थ गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन उसकी मौत हो गई। यशार्थ का विवाह करीब चार वर्ष पहले हुआ था। वह अर्जुनगंज स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-पाठ करने का काम करता था। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। जिस पिस्टल से गोली चली, उसके अवैध होने की बात सामने आई है और पुलिस उसके संबंध में भी जांच कर रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना के समय पिस्टल से छेड़छाड़ और चैंबर में फंसी गोली चलने की बात सामने आई है। पुलिस घटनास्थल और परिस्थितियों की जांच कर रही है। अवैध हथियार युवक के पास कैसे पहुंचा और उसके पास पिस्टल रखने का कारण क्या था, इन बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है।

विनीत हत्याकांड में बड़ा खुलासा, नौकर विशाल ने सुब्रत को छह बार किया फोन

एजेंसी, कानपुर। कारोबारी विनीत मिनोचा हत्याकांड की जांच में पुलिस को नौकर विशाल से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं। जांच में सामने आया है कि हत्या वाली रात विशाल ने कारोबारी के बेटे सुब्रत को छह बार फोन किया था। इसके अलावा उसने शालू को भी सात बार कॉल की थी। पुलिस इन कॉल्स और उनके समय की जांच कर घटना की पूरी कड़ी जोड़ने का प्रयास कर रही है। जांच के अनुसार, विशाल ने हत्या से पहले खुद को बचाने के लिए भी एक योजना तैयार की थी। उसने तीन सितंबर को नया सिम कार्ड खरीदा था। इसी दिन उसने अपना पुराना नंबर बंद कर मोबाइल में नया सिम लगा लिया था। बताया जा रहा है कि नया सिम शुभम के नाम से लिया गया था। नए नंबर से उसने शालू और सुब्रत से संपर्क किया। पुलिस ने आरोपी विशाल के मोबाइल फोन की गूगल हिस्ट्री की भी जांच की।

इसमें पता चला कि हत्या से एक दिन पहले उसने धारदार चाकू से संबंधित जानकारी इंटरनेट पर खोजी थी। उसने यह जानने का प्रयास किया था कि धारदार चाकू कहां मिलते हैं, उनमें कितनी धार होती है और चाकू कितने प्रकार के होते हैं। पुलिस इस सर्च हिस्ट्री को भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा मानकर आगे की पड़ताल कर रही है। मामले में पुलिस शालू और विशाल को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसियां दोनों के बयानों, मोबाइल फोन की गतिविधियों और कॉल डिटेल के बीच कड़ियां जोड़ रही हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हत्या की योजना कब और कैसे बनी तथा घटना से पहले और बाद में आरोपियों की गतिविधियां क्या थीं। जांच में सामने आए नए तथ्यों के आधार पर पुलिस हत्या से जुड़े घटनाक्रम को स्पष्ट करने में जुटी है।

एसएसपी ने किया अलीगढ़ पुलिस में बड़ा फेरबदल, चार निरीक्षकों के तबादले

एजेंसी, अलीगढ़

पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए चार निरीक्षकों समेत कई उपनिरीक्षकों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। एसएसपी नीरज जादौन ने अधिकारियों की नई तैनाती के आदेश जारी करते हुए सभी संबंधित पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पद पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। फेरबदल के तहत पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षकों को अलग-अलग स्थानों पर जिम्मेदारी दी गई है।

निरीक्षक सुबोध कुमार को पुलिस लाइन से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध, थाना अतरौली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह निरीक्षक एकता सिंह को पुलिस लाइन से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध, थाना चंडौस बनाया गया है। निरीक्षक योगेंद्र सिंह को पुलिस लाइन से अतिरिक्त निरीक्षक, थाना क्वार्सी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं निरीक्षक रामनिवास को पुलिस लाइन से प्रभारी वीआइपी सेल नियुक्त किया गया है। पुलिस विभाग में किए गए इस फेरबदल के बाद संबंधित अधिकारियों को नई तैनाती वाले स्थानों पर पहुंचकर कामकाज संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव के साथ विभिन्न थानों और शाखाओं में पुलिस व्यवस्था को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई है। एसएसपी के निर्देश के अनुसार सभी स्थानांतरित अधिकारी बिना विलंब नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। विभाग में हुए इस बदलाव के तहत चार निरीक्षकों के अलावा कई उपनिरीक्षकों की भी जिम्मेदारियां बदली गई हैं। हालांकि उपलब्ध जानकारी में सभी उपनिरीक्षकों के नाम और नई तैनाती का विवरण नहीं दिया गया है।

पाकिस्तानी झंडे की पोस्ट पर कार्रवाई पूर्व सपा नेता की पत्नी पर मुकदमा

एजेंसी, मेरठ

समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष साहिब खान की पाकिस्तानी पत्नी जहरा खान के खिलाफ सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी झंडे की तस्वीर पोस्ट करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। जहरा खान करीब 13 वर्षों से भारत में रह रही हैं। आरोप है कि उन्होंने 15 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम खाते पर पाकिस्तान के राष्ट्रीय ध्वज की तस्वीर पोस्ट की। इस पोस्ट को लेकर पुलिस ने कार्रवाई की है।

मामले में साहिब खान का नाम भी सामने आया है। उन पर भी भारत विरोधी टिप्पणियां करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(1)(सी) के तहत मामला दर्ज किया है। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट और कथित टिप्पणियों को लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जहरा खान की ओर से 15 अगस्त को की गई पोस्ट सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर इसकी चर्चा शुरू हुई। इसके बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस अब पोस्ट से संबंधित तथ्यों, खाते और अन्य परिस्थितियों की जांच कर रही है।

साहिब खान समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी में पूर्व जिला पदाधिकारी रह चुके हैं। उनकी पत्नी जहरा खान मूल रूप से पाकिस्तान की रहने वाली हैं और लंबे समय से भारत में रह रही हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों के खिलाफ दर्ज मामले में सोशल मीडिया पर की गई गतिविधियों को आधार बनाया गया है। मामले की जांच के दौरान पुलिस पोस्ट की वास्तविकता और उसके संदर्भ की भी पड़ताल करेगी। साथ ही यह देखा जा रहा है कि संबंधित पोस्ट कब और किस परिस्थिति में साझा की गई थी।

छात्रसभा | नीली वर्दी में छात्रों और नौजवानों के बीच पहुंचेगी सपा छात्र सभा, उठाएगी शिक्षा रोजगार मुद्दे

आगरा में नीली वर्दी में मैदान में उतरेगी सपा छात्र सभा, कार्यकर्ताओं को बांटी टी-शर्ट

एजेंसी, आगरा

विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी की छात्र सभा ने संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। आगरा में छात्र सभा के कार्यकर्ता अब नीली वर्दी में छात्रों और नौजवानों के बीच पहुंचेंगे। संगठन की ओर से कार्यकर्ताओं के लिए नीली टी-शर्ट और पैंट तय की गई है। मंगलवार को ताजगंज स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं को नीली टी-शर्ट वितरित की गईं। इस दौरान छात्र-नौजवान पीडीए जागरूकता एवं सदस्यता अभियान का भी शुभारंभ किया गया।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशों के तहत छात्र सभा के कार्यकर्ताओं को नई वर्दी में मैदान में उतारने की तैयारी की गई है। संगठन के अनुसार, नई पीढ़ी की नई सोच को ध्यान में रखते हुए नीले रंग की वर्दी तय की गई है। इसका उद्देश्य छात्र सभा को एक अलग पहचान देना और सामाजिक न्याय तथा बहुजन समाज की भागीदारी का संदेश देना बताया गया है। कार्यक्रम में सपा छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा के निर्देशों और महानगर अध्यक्ष अमित प्रताप यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इसमें छात्र सभा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं को नीली टी-शर्ट और पैंट वितरित की गई।

संगठन की ओर से बताया गया कि आने वाले समय में कार्यकर्ता कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों में छात्रों तथा नौजवानों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद करेंगे और सदस्यता अभियान को आगे बढ़ाएंगे। छात्र सभा के अभियान में शिक्षा, रोजगार, आरक्षण और सामाजिक सम्मान से जुड़े सवालों को प्रमुखता से उठाने की बात कही गई है। महानगर अध्यक्ष अमित प्रताप यादव ने कहा कि कार्यकर्ता कालेजों में जाकर छात्रों और नौजवानों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि छात्र हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर संगठन अपनी गतिविधियां आगे बढ़ाएगा।

छात्र सभा की ओर से पेपर लीक, बेरोजगारी, फीस वृद्धि, छात्र संघ की बहाली और आरक्षण जैसे मुद्दों को अभियान में शामिल किया गया है। संगठन का कहना है कि इन विषयों को लेकर छात्रों और नौजवानों के बीच संवाद किया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें अधिकारों और छात्र हितों से जुड़े विषयों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। नीली वर्दी को छात्र सभा की संगठनात्मक पहचान के रूप में इस्तेमाल करने की तैयारी है। कार्यकर्ताओं के बीच टी-शर्ट और पैंट का वितरण इसी अभियान का हिस्सा रहा। पार्टी कार्यालय में हुए कार्यक्रम के माध्यम से संगठन ने छात्र-नौजवान पीडीए जागरूकता एवं सदस्यता अभियान की शुरुआत की।

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजनीतिक दलों के छात्र संगठनों की गतिविधियां भी बढ़ रही हैं। इसी क्रम में सपा छात्र सभा ने छात्रों और नौजवानों के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने की योजना बनाई है। आगरा में शुरू हुए इस अभियान के तहत कार्यकर्ता शिक्षण संस्थानों और छात्र समुदाय के बीच जाएंगे। वहां शिक्षा, रोजगार, फीस, आरक्षण और छात्र संघ जैसे विषयों पर अपनी बात रखने के साथ सदस्यता अभियान भी चलाएंगे। संगठन की ओर से कहा गया है कि नई वर्दी के माध्यम से कार्यकर्ताओं को एक समान पहचान मिलेगी और अभियान के दौरान उनकी पहचान आसानी से हो सकेगी।

वीर सैनिकों के सम्मान में बड़ा फैसला अब आजीवन मुफ्त ट्रेन यात्रा की सुविधा

एजेंसी, मेरठ

देश की रक्षा में अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों तथा उनके परिवारों के सम्मान में रक्षा मंत्रालय ने महत्वपूर्ण पहल की है। मंत्रालय ने सेना मेडल, नौ सेना मेडल और वायु सेना मेडल (गैलेंट्री) से सम्मानित वीरता पदक विजेताओं को भारतीय रेल में आजीवन मुफ्त यात्रा सुविधा देने को मंजूरी दी है। इस निर्णय से वीरता पदक प्राप्त सैनिकों को रेल यात्रा के दौरान किराए से राहत मिलेगी। सुविधा का उद्देश्य वीर सैनिकों के साहस और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान का सम्मान करना है।

इस सुविधा का लाभ केवल वीरता पदक विजेताओं तक सीमित नहीं रहेगा। पात्र जीवनसाथी को भी आजीवन मुफ्त रेल यात्रा की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा अविवाहित बलिदानी वीरता पदक विजेताओं के माता-पिता को भी इस योजना का लाभ दिया जाएगा। इस तरह मंत्रालय ने वीर सैनिकों के साथ

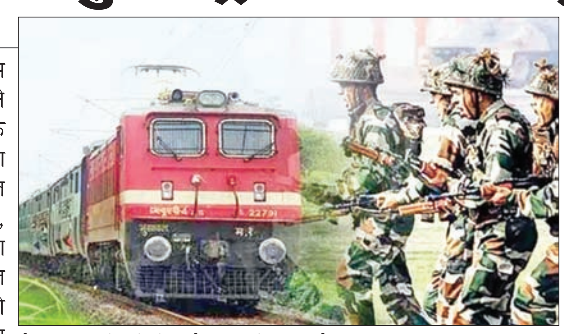

वीरता पदक विजेताओं को आजीवन मुफ्त रेल यात्रा की सुविधा।

वीर सैनिकों के सम्मान में रक्षा मंत्रालय ने शुरू की महत्वपूर्ण सुविधा

उनके परिवारों को भी सम्मान और सुविधा देने का प्रावधान किया है।

मुफ्त रेल यात्रा की सुविधा के लिए टिकट बुकिंग की प्रक्रिया भी आसान रखी गई है। वीरता पदक विजेता और पात्र लाभार्थी आईआरसीटीसी पोर्टल के माध्यम से घर बैठे अपने रेल टिकट बुक कर सकेंगे। इससे उन्हें सुविधा का लाभ लेने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। रक्षा मंत्रालय के इस निर्णय से मेरठ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के वीरता पदक विजेताओं तथा पात्र परिवारों को भी लाभ मिलेगा। सेना मेडल, नौ सेना मेडल और वायु सेना मेडल (गैलेंट्री) से सम्मानित लाभार्थी इस सुविधा का उपयोग कर सकेंगे।

मंत्रालय की यह पहल वीर सैनिकों के सम्मान के साथ उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम भी है। आजीवन रेल यात्रा की सुविधा मिलने से पात्र लाभार्थियों को भविष्य की यात्राओं में आर्थिक राहत मिलेगी और वे निर्धारित व्यवस्था के तहत आईआरसीटीसी के माध्यम से टिकट बुक कर सकेंगे। इस सुविधा से वीरता पदक विजेताओं और पात्र स्वजन को रेल यात्रा में सुविधा मिलेगी। इससे उनके आवागमन का खर्च कम होगा और वे सम्मानपूर्वक इस सुविधा का उपयोग कर सकेंगे।

रोहतक के समचाना गांव में मनरेगा भुगतान पर सवाल, 1.25 करोड़ की अनियमितता का आरोप

काम सिर्फ 200 ने किया, 600 को भुगतान का दावा; हाईकोर्ट ने रोहतक डीसी से मांगी रिपोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

रोहतक जिले के समचाना गांव में मनरेगा मजदूरी के नाम पर सरकारी राशि के भुगतान में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। जांच में करीब 1.25 करोड़ रुपये की गड़बड़ी का आरोप है। मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रोहतक के उपायुक्त से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। वहीं, सांपला के एसडीएम की ओर से कराई गई जांच में अनियमितताएं सामने आने के बाद एफआईआर भी दर्ज कराई गई है।

मामले की जांच के दौरान मनरेगा के मजदूरी भुगतान से जुड़े बैंक खातों के लेनदेन की पड़ताल की गई। इसमें कई ऐसे लाभार्थियों के खाते सामने आए, जिन्होंने अपने बयान और शपथ पत्र के माध्यम से कहा कि उन्होंने मनरेगा के तहत कोई काम नहीं किया। इसके बावजूद उनके बैंक खातों में मनरेगा मजदूरी के नाम पर राशि जमा होने की बात सामने आई।

इससे मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। जांच में बैंक खातों की प्रविष्टियों से एक और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। कई लाभार्थियों के खातों में ऑनलाइन माध्यम से मनरेगा की राशि जमा होने के बाद रकम एक ही मोबाइल नंबर और यूपीआई नंबर पर भेजी गई। जांच रिपोर्ट में इस नंबर को मनरेगा भुगतान से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण कड़ी के तौर पर देखा गया है।

हालांकि, उपलब्ध स्रोत में इस नंबर से जुड़े व्यक्ति या उसके संबंध में आगे की पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं है। मामले में करीब 600 श्रमिकों के नाम पर मजदूरी भुगतान किए जाने का आरोप है, जबकि जांच से जुड़े विवरण में करीब 200 श्रमिकों के ही वास्तव में काम करने की बात सामने आई है। ऐसे में बाकी लाभार्थियों के नाम पर भुगतान की प्रक्रिया की जांच का दायरा बढ़ गया है। अधिकारियों की ओर से बैंक लेनदेन, लाभार्थियों के बयान और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल की जा रही है।

समचाना गांव में हुई जांच के आधार पर मेट प्रवीण कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला भी दर्ज किया गया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी मामले से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन की जांच कर रहे हैं। इस मामले की सुनवाई के दौरान पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रोहतक के डीसी से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। अब प्रशासन को जांच की प्रगति, सामने आई अनियमितताओं और की गई कार्रवाई की जानकारी अदालत के समक्ष रखनी होगी।

पराली जलाने पर ड्रोन की नजर खेतों की होगी रियल-टाइम निगरानी

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

धान कटाई का मौसम शुरू होने के साथ उत्तर भारत में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण पर निगरानी के लिए इस बार व्यवस्था में बदलाव की तैयारी है। खेतों में लगने वाली आग पर नजर रखने के लिए केवल आग की संख्या यानी फायर काउंट को आधार नहीं बनाया जाएगा। आग की तीव्रता, जले हुए क्षेत्रफल और उससे निकलने वाले धुएं को भी निगरानी और आकलन का हिस्सा बनाया जाएगा।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत ड्रोन और उपग्रह आधारित निगरानी तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने की तैयारी है। ड्रोन की मदद से खेतों में तत्काल निगरानी की जा सकेगी और आग लगने की स्थिति में संबंधित क्षेत्र की जानकारी जुटाई जा सकेगी। हरियाणा और पंजाब समेत चार राज्यों में इस व्यवस्था को लेकर तैयारी की जा रही है। नई निगरानी प्रणाली में यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि किसी खेत में कितनी तीव्रता से आग लगी, कितने क्षेत्र में फसल अवशेष जले और उससे कितना धुआं निकला। इससे पराली जलाने की घटनाओं का अधिक विस्तृत आकलन किया जा सकेगा।

अभी तक खेतों में आग की घटनाओं की पहचान मुख्य रूप से उपग्रह से मिलने वाले फायर काउंट के आधार पर की जाती रही है। नई व्यवस्था में आग की तीव्रता और जले क्षेत्रफल जैसे अतिरिक्त मानकों को शामिल करने से निगरानी का दायरा बढ़ेगा। अधिकारियों का मानना है कि तकनीक आधारित निगरानी से खेतों में पराली जलाने की घटनाओं की पहचान और संबंधित स्तर पर कार्रवाई को बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। धान कटाई के दौरान पराली जलाने की घटनाएं बढ़ने पर दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रभावित होती है।

न्यूज ब्रीफ

करनाल में युवक की हत्या से सनसनी गेहूं अनुसंधान केंद्र के बाहर मिला शव

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। हरियाणा के करनाल में गेहूं अनुसंधान केंद्र के बाहर एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। वारदात बुधवार देर रात करीब ढाई बजे की बताई जा रही है। सुबह सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने युवक का खून से लथपथ शव पड़ा देखा। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान आगरा निवासी कालीचरण के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद उसके परिचित और साथ काम करने वाले कुछ लोग भी पुलिस चौकी पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही घटना के कारणों और आरोपियों की पहचान में जुटी है। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश, विवाद या अन्य कारणों को लेकर भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही वारदात की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चिट्टा बेचने के आरोपों के बीच पुलिसकर्मी निलंबित, मेडिकल में शराब की पुष्टि

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। हरियाणा के नारनौल में एक पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है। मंगलवार देर रात लोगों ने पुलिसकर्मी पर चिट्टा बेचने का आरोप लगाते हुए सिटी थाने के बाहर हंगामा किया था। करीब 40 मिनट तक लोग थाने के बाहर जुटे रहे। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारियों ने स्थिति संभाली और संबंधित पुलिसकर्मी की मेडिकल जांच कराई। जांच में उसके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। इसके बाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए उसे निलंबित कर दिया। बताया जा रहा है कि लोगों के हंगामे के दौरान थाना प्रभारी ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को शराबी बताया था। इसके बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया। पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चिट्टा बेचने के लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुरुक्षेत्र में किसानों के बीच पहुंचे डीसी धान खरीद पर हुई चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। धान की सरकारी खरीद शुरू करने की मांग को लेकर किसानों और सरकार के बीच चल रही खींचतान के बीच बुधवार को डीसी विश्राम कुमार मीणा शाहाबाद की अनाज मंडी पहुंचे। यहां भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) चढूनी की ओर से किसानों की बैठक आयोजित की गई थी। संगठन ने धान की खरीद 15 सितंबर से शुरू नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। बैठक के दौरान किसानों ने खरीद जल्द शुरू करने और मंडियों में जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग रखी। डीसी ने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और खरीद प्रक्रिया को लेकर प्रशासन की तैयारियों की जानकारी दी। सरकारी स्तर पर धान की खरीद 20 सितंबर से शुरू होने की बात कही गई है। किसानों ने मंडियों में खरीद, उठान और भुगतान व्यवस्था सुचारु रखने की मांग की।

गुरुग्राम हाईवे पर चलते सीएनजी कैंटर में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-48) पर बुधवार को चलते सीएनजी कैंटर में अचानक आग लग गई। कैंटर जयपुर से दिल्ली की ओर जा रहा था। गुरुग्राम से पहले हाईवे पर पहुंचते ही चालक को केबिन के निचले हिस्से से धुआं और चिंगारियां उठती दिखाई दीं। चालक ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए वाहन की रफ्तार कम की और सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद वह कैंटर से कूदकर सुरक्षित स्थान पर पहुंच गया। कुछ ही देर में आग ने पूरे कैंटर को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद हाईवे पर धुआं फैलने से वाहन चालकों को परेशानी हुई।

करनाल विधायक को धमकी देने वाला रिटायर्ड प्रिंसिपल गिरफ्तार, चार दिन की रिमांड

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

करनाल से भाजपा विधायक जगमोहन आनंद और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने रिटायर्ड प्रिंसिपल ईश्वर सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब धमकी भरे पत्र से जुड़े तथ्यों और इसके पीछे की वजह की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, 27 अगस्त को विधायक के कैंप कार्यालय में एक धमकी भरा पत्र मिला था। पत्र में विधायक और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दी गई थी। पत्र मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और पत्र से जुड़े सुरागों के आधार पर आरोपित तक पहुंची। यह मामला बीरू वाल्मीकि हत्याकांड के बाद हुए हर्ष-बीरबल

धमकी भरे पत्र की जांच में रिटायर्ड प्रिंसिपल की गिरफ्तारी

एनकाउंटर प्रकरण से भी जुड़ा बताया जा रहा है।

इस प्रकरण को लेकर विधायक जगमोहन आनंद के एक बयान के बाद विवाद सामने आया था। इसके बाद उनके कैंप कार्यालय में धमकी भरा पत्र मिलने से मामला गंभीर हो गया था। पुलिस ने जांच के दौरान रिटायर्ड प्रिंसिपल ईश्वर सिंह को आरोपित के तौर पर गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे अदालत में पेश किया गया। अदालत ने पुलिस की मांग पर चार दिन की रिमांड मंजूर की है।

झांसा हेड पर नहर में मिला युवती का शव, पहचान में जुटी पुलिस

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र जिले के झांसा क्षेत्र में नरवाना ब्रांच (भाखड़ा) नहर से सुबह एक युवती का अर्धनग्न शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव झांसा हेड के पास नहर के पानी में फंसा हुआ था। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही गोताखोर प्रगट सिंह मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलने पर झांसा पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस फिलहाल युवती की पहचान करने में जुटी है। शव की पहचान के लिए आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

रजिस्ट्री के बाद भी नहीं बदला जमीन का मालिकाना हक, 2.38 लाख इंतकाल अटके

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

प्रदेश के राजस्व पोर्टल में तकनीकी खामियों के कारण जमीन से जुड़े 2,38,688 इंतकाल (म्यूटेशन) लंबित हैं। सरकार ने जमीन की रजिस्ट्री के बाद 11वें दिन स्वतः इंतकाल दर्ज करने के लिए ऑटो-म्यूटेशन व्यवस्था शुरू की थी। इसका उद्देश्य लोगों को इंतकाल दर्ज कराने के लिए पटवारी और राजस्व कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत देना था, लेकिन पोर्टल में आ रही दिक्कतों के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

राजस्व विभाग से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के सामने भी तकनीकी समस्याएं परेशानी का कारण बनी हुई हैं। कई मामलों में रजिस्ट्री पूरी होने के बाद भी जमीन के रिकॉर्ड में नए मालिक का नाम दर्ज नहीं हो पा रहा है। वहीं कुछ मामलों में पोर्टल पर जमीन

का रकबा गलत दिखाई देने या संबंधित व्यक्ति का नाम रिकॉर्ड से गायब होने की शिकायतें सामने आई हैं।

इससे जमीन खरीदने वाले लोगों को अपने स्वामित्व संबंधी रिकॉर्ड दुरुस्त कराने के लिए राजस्व कार्यालयों का रुख करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि ऑटो-म्यूटेशन की प्रक्रिया में रजिस्ट्री से संबंधित जानकारी पोर्टल पर स्वतः पहुंचती है और निर्धारित समय के बाद इंतकाल दर्ज किया जाता है। तकनीकी खामी के कारण यह प्रक्रिया कई मामलों में पूरी नहीं हो पा रही है। लंबित इंतकाल की संख्या बढ़ने से पटवारी और कानूनगो स्तर पर भी अतिरिक्त काम का दबाव पड़ रहा है।

जमीन के इंतकाल का रिकॉर्ड सही तरीके से दर्ज होना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे राजस्व रिकॉर्ड में संपत्ति के नए मालिक का नाम दर्ज होता है। रिकॉर्ड में नाम या रकबे से संबंधित त्रुटि होने पर लोगों को आगे जमीन बेचने, ऋण लेने अथवा अन्य कार्यों में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

हिसार में स्वाइन फ्लू का बढ़ा संक्रमण तीसरी महिला मरीज की मौत, 70 संक्रमित

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हिसार जिले में स्वाइन फ्लू का संक्रमण लगातार सामने आ रहा है। मंगलवार को चार नए मरीज मिलने के साथ जिले में इस साल स्वाइन फ्लू से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 70 हो गई है। वहीं, एक और महिला मरीज की मौत होने से स्वाइन फ्लू से मरने वालों की संख्या तीन पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक जिन तीन मरीजों की मौत हुई है, वे सभी महिलाएं हैं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से मृतक महिला की रिपोर्ट का आडिट किया जा रहा है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार दो महिला मरीजों की स्वाइन फ्लू से मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि तीसरी महिला मरीज की फाइल की जांच अभी जारी है। रिपोर्ट के आडिट के बाद ही इस मौत को स्वाइन फ्लू से संबंधित अंतिम आंकड़ों में शामिल किए जाने की स्थिति स्पष्ट होगी। जिला मलेरिया अधिकारी एवं डिप्टी सीएमओ डॉ. सुभाष खतरेजा ने बताया कि इस वर्ष अब तक जिले

स्वाइन फ्लू से तीन महिलाओं की मौत, स्वास्थ्य विभाग कर रहा निगरानी।

में 70 मरीज स्वाइन फ्लू से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से तीन महिला मरीजों की मौत हुई है।

मंगलवार को चार नए संक्रमित मरीज सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग नए मामलों पर नजर रख रहा है और मरीजों की स्थिति के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार स्वाइन फ्लू के लक्षण सामने आने पर समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। विशेषकर बुजुर्गों, बच्चों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर लापरवाही नहीं करनी चाहिए। विभाग की ओर से संक्रमण की स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। फिलहाल जिले में संक्रमित मरीजों की संख्या 70 पहुंचने और तीन महिलाओं की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय है। तीसरी महिला मरीज की मौत से जुड़े रिकॉर्ड का आडिट पूरा होने के बाद ही विभाग इस संबंध में अंतिम स्थिति स्पष्ट करेगा।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है। बुखार, खांसी, गले में खराश, सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय जांच करवानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग नए मामलों की निगरानी कर रहा है। अधिकारियों ने लोगों से संक्रमण के लक्षणों को नजरअंदाज न करने और चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है। साथ ही, भीड़भाड़ वाली जगहों पर सावधानी बरतने और संक्रमण की स्थिति में दूसरों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है।

रेलवे पुल पर ट्रेन की चपेट में आई महिला, दो बच्चे घायल

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

पश्चिमी यमुना नहर पर बने रेलवे पुल को पार करते समय मंगलवार को एक परिवार हादसे का शिकार हो गया। जगाधरी से सहारनपुर की ओर जा रही ट्रेन अचानक पुल पर पहुंच गई। ट्रेन को सामने आता देख परिवार के सदस्यों में अफरातफरी मच गई। पति ने अपने बच्चों के साथ साइड में कूदकर जान बचाई, लेकिन उसकी पत्नी ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो बच्चे घायल हो गए।

मृतका की पहचान बिहार के बेगूसराय जिले के बनवारीपुर गांव निवासी 40 वर्षीय कविता देवी के रूप में हुई है। उसका 12 वर्षीय बेटा और सात वर्षीय बेटी भी हादसे में घायल हुए हैं। कविता देवी अपने पति रामशगुन चौरसिया और तीन बच्चों के साथ यमुनानगर के बाड़ी माजरा में रहती थी। रामशगुन करीब दो माह पहले ही बिहार से यमुनानगर आया था और यहां एक प्लाईवुड फैक्ट्री में काम करता है। बताया गया कि कुछ समय पहले

रामशगुन पत्नी और बच्चों के साथ बिहार स्थित अपने गांव गया था। मंगलवार को पूरा परिवार ट्रेन से वापस यमुनानगर लौटा। घर पहुंचने के लिए नजदीकी रास्ता अपनाने के प्रयास में परिवार रेलवे पुल से होकर जाने लगा।

इसी दौरान जगाधरी की ओर से सहारनपुर जा रही ट्रेन अचानक पुल पर आ गई। ट्रेन को नजदीक आता देखकर रामशगुन और बच्चों ने पुल से नीचे की ओर छलांग लगा दी, लेकिन कविता देवी ट्रेन की चपेट में आ गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच अधिकारी एसआइ सत्यवीर सिंह ने बताया कि रेलवे पुल पार करते समय यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

करनाल में 11 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म, पड़ोसी के खिलाफ पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

सेक्टर चार पुलिस चौकी क्षेत्र में 11 वर्षीय बच्ची को फ्लैट में ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बच्ची के स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने पड़ोसी के खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस शिकायत के आधार पर आरोपित की भूमिका की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता पिता ने पुलिस को बताया कि सात सितंबर को सुबह करीब 9:30 बजे उसकी 11 वर्षीय बेटी घर के बाहर खेल रही थी। कुछ देर बाद उसकी पत्नी बच्ची को बुलाने के लिए बाहर गई, लेकिन वह वहां नहीं मिली।

परिजनों ने बच्ची की तलाश शुरू की। बाद में बच्ची के संबंध में जानकारी मिलने पर पूरे मामले का पता चला। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला व्यक्ति बच्ची को खेलते समय अपने फ्लैट पर ले गया था। शिकायत के अनुसार, फ्लैट में ले जाने के बाद आरोपित ने बच्ची को डराया-धमकाया और उसके साथ गलत काम किया। घटना के बाद

नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में पड़ोसी पर केस

बच्ची ने स्वजन को जानकारी दी, जिसके बाद परिवार ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और बच्ची के बयान समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। नाबालिग होने के कारण पुलिस मामले में पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई कर रही है। जांच के दौरान घटना से जुड़े तथ्यों, आरोपित और बच्ची के बीच संपर्क तथा घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों ने मामले में आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बच्ची की पहचान और उससे जुड़ी व्यक्तिगत जानकारी को गोपनीय रखा जा रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस बच्ची की पहचान से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रही है। जांच अधिकारी घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आरोपित के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिवार को मामले में न्याय मिलने की उम्मीद है।

हिसार जेलों की सुरक्षा व्यवस्था परखी, पुलिस ने किया औचक निरीक्षण

केंद्रीय कारागार-1 और 2 में पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्तर पर जांच कर सुरक्षा व्यवस्था को परखा

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हिसार पुलिस ने बुधवार सुबह केंद्रीय कारागार-1 और केंद्रीय कारागार-2 की सुरक्षा व्यवस्था का औचक एवं गहन निरीक्षण किया। दोनों जेलों में अलग-अलग पुलिस टीमों ने पहुंचकर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील स्थानों और विभिन्न सुरक्षा बिंदुओं की बारीकी से समीक्षा की। अचानक किए गए इस निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने जेल प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया।

केंद्रीय कारागार-2 में निरीक्षण की जिम्मेदारी डीएसपी कमलजीत सिंह के नेतृत्व वाली सीआईए-1 हिसार की टीम ने संभाली। जेल प्रशासन की ओर से डिप्टी सुपरिंटेंडेंट शिवकुमार मौके पर मौजूद रहे। पुलिस टीम ने जेल परिसर के अलग-अलग हिस्सों का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने यह भी देखा कि जेल परिसर में सुरक्षा के निर्धारित मानकों का पालन किस प्रकार किया जा रहा है। इसी दौरान केंद्रीय कारागार-1 में भी पुलिस की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया। यहां एसआई जगदीश, सीआई मिलगेट इंचार्ज, पीएसआई प्रदीप कुमार, सीआई बरवाला

इंचार्ज और सुरक्षा शाखा इंचार्ज सुरेंद्र सिंह की संयुक्त टीम ने जेल परिसर का जायजा लिया। जेल प्रशासन की ओर से डिप्टी सुपरिंटेंडेंट कुलदीप और डिप्टी सुपरिंटेंडेंट कुलदीप सिंह उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान पुलिस टीमों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। संवेदनशील स्थानों, प्रवेश और निकास से जुड़े सुरक्षा बिंदुओं तथा परिसर की निगरानी व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की कमी की संभावना को देखते हुए विभिन्न बिंदुओं की जांच की। औचक निरीक्षण का उद्देश्य नियमित व्यवस्था से अलग अचानक स्थिति का जायजा लेना भी रहा, ताकि सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करना निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि संभावित सुरक्षा चुनौतियों की समय रहते पहचान करना जरूरी है, ताकि किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इसी उद्देश्य से जेलों में समय-समय पर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाती है। पुलिस अधिकारियों ने जेल प्रशासन के अधिकारियों से भी सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सामने आने वाले बिंदुओं को दर्ज कर आवश्यक स्तर पर समीक्षा किए जाने की बात कही गई। पुलिस की ओर से यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि जेल परिसर में सुरक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित रूप से संचालित हों और संभावित कमजोरियों को समय रहते दूर किया जा सके। दोनों केंद्रीय कारागारों में एक साथ अलग-अलग टीमों के पहुंचने से जेल प्रशासन में भी सतर्कता बढ़ी रही।

पुलिस टीमों ने निरीक्षण के दौरान उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों के साथ आवश्यक जानकारी साझा की। हालांकि, निरीक्षण के दौरान किसी विशेष आपत्तिजनक वस्तु या अन्य सामग्री के मिलने की जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। औचक निरीक्षण इसी व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे निरीक्षणों के माध्यम से सुरक्षा से जुड़े संभावित जोखिमों की पहचान करने के साथ-साथ जेल परिसर में तैनात सुरक्षा व्यवस्था की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की जाती है। हिसार पुलिस की ओर से आने वाले समय में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक निगरानी और निरीक्षण जारी रखने की बात कही गई है।

बालौर सरकारी स्कूल में युवक की चाकू से हत्या, गले और छाती पर 50 से अधिक वार

भारतेन्दु संवाददाता, बहादुरगढ़

बालौर गांव स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान सोलधा गांव निवासी नीरज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने नीरज के गले और छाती पर चाकू से 50 से अधिक वार किए। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों के अनुसार नीरज खेतीबाड़ी का काम करता था और दो भाइयों तथा दो बहनों में सबसे छोटा था। हत्या के पीछे गौरव नाम के युवक पर शक जताया जा रहा है। हालांकि, हत्या के वास्तविक कारणों और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, वारदात की सूचना देर रात करीब एक बजे नीरज के परिजनों को मिली। बताया गया कि गौरव के पिता कृष्ण ने परिवार को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद नीरज के परिजन और ग्रामीण बालौर स्थित सरकारी स्कूल पहुंचे। वहां स्कूल परिसर में बनी प्याऊ के कमरे में नीरज का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। शव की हालत देखकर परिजन और ग्रामीण स्तब्ध रह गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद सदर थाना प्रभारी मनोज, डीएसपी प्रदीप खत्री और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर वहां से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने

घटनास्थल की स्थिति और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों से संबंधित चिकित्सकीय जानकारी भी सामने आएगी। पुलिस हत्या के कारण, आरोपी की भूमिका और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। परिजनों से भी घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है, जिससे घटना के समय स्कूल परिसर में आने-जाने वालों की जानकारी मिल सके। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। साक्ष्यों और बयानों के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान, कनॉट प्लेस समेत कई इलाके निशाने पर

अवैध रेहड़ी-पटरी पर नगर परिषद का बड़ा अभियान, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली नगर परिषद यानी एनडीएमसी ने लुटियंस दिल्ली के भीड़भाड़ वाले और नो-वेंडिंग क्षेत्रों में अवैध रेहड़ी-पटरी लगाने वालों के खिलाफ अतिक्रमण विरोधी अभियान तेज करने का आदेश दिया है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक रास्तों पर होने वाले अतिक्रमण को रोकना तथा लोगों के आवागमन को सुगम बनाए रखना है। अधिकारियों के अनुसार, खास तौर पर उन स्थानों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी जहां बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं।

एनडीएमसी के अभियान के दायरे में कनॉट प्लेस, जनपथ, पालिका बाजार, रीगल, रिवोली, हनुमान मंदिर और गुरुद्वारा बंगला साहिब के आसपास के इलाके शामिल हैं। इन क्षेत्रों में बिना अनुमति या निर्धारित नियमों का उल्लंघन करके रेहड़ी-पटरी लगाने वालों की जांच की जाएगी। अधिकारियों ने क्षेत्रीय निरीक्षकों को संवेदनशील स्थानों की पहचान करने और नियमित रूप से मौके पर जाकर स्थिति की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, लुटियंस दिल्ली के अधिक भीड़भाड़ वाले इलाकों में रेहड़ी-पटरी लगाने के लिए निर्धारित समय का पालन करना जरूरी होगा। निर्धारित समय शाम साढ़े छह बजे तक बताया गया है। इसके बाद संबंधित विक्रेताओं को अपना सामान और ठेला निर्धारित स्थान से हटा लेना होगा।

नो-वेंडिंग जोन में रेहड़ी-पटरी लगाने की अनुमति नहीं होगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की जाएगी। एनडीएमसी ने रेहड़ी-पटरी वालों के दस्तावेजों के सत्यापन पर भी विशेष जोर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, संबंधित विक्रेताओं को अपने स्थान पर फोटो सहित तहबाजारी प्रमाण-पत्र प्रदर्शित करना होगा। इससे यह जांचने में मदद मिलेगी कि संबंधित व्यक्ति को वहां सामान बेचने की अनुमति है या नहीं। साथ ही ठेले, स्टॉल और बिक्री का सामान आवंटित क्षेत्र की सीमा से बाहर नहीं फैलाया जा सकेगा।

निर्देशों में यह भी कहा गया है कि रेहड़ी-पटरी वाले फुटपाथ और सड़क का हिस्सा खाली रखें, ताकि पैदल यात्रियों और वाहनों की आवाजाही प्रभावित न हो। आवंटित स्थान को तिरपाल, मोमजामा या किसी अन्य अस्थायी ढांचे से ढकने की अनुमति नहीं होगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसी स्थान से अतिक्रमण हटाए जाने के बाद यदि वहां दोबारा नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जा सकती है।

ग्रेटर नोएडा में सनसनी: तीन दिन से लापता युवक का पार्किंग में मिला शव

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के जलपुरा इलाके में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव भारत पेट्रोल पंप के पास स्थित पार्किंग से बरामद किया गया। मृतक की पहचान 40 वर्षीय राजीव पुत्र विनोद के रूप में हुई है। राजीव मूल रूप से ग्राम पिलखुनी, थाना सिढ़पुरा, जिला कासगंज के रहने वाले थे और वर्तमान में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, कुलेसरा में रह रहे थे। जानकारी के अनुसार, राजीव 12 सितंबर की रात से लापता थे।

बताया गया है कि वह घर से बिना बताए बाहर निकल गए थे। काफी समय बीतने के बाद जब वह वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। परिवार के लोगों ने आसपास के क्षेत्रों और संभावित स्थानों पर उनकी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजनों ने ईकोटेक-3 थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस को सूचना मिली कि जलपुरा स्थित भारत पेट्रोल पंप के पास पार्किंग में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू की। जांच के दौरान शव की पहचान लापता राजीव के रूप में हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, शव की हालत खराब थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए।

तीन दिन से लापता राजीव का शव पेट्रोल पंप पर मिला

न्यूज ब्रीफ

वीरता पदक विजेताओं को आजीवन मुफ्त रेल यात्रा

एजेंसी, नई दिल्ली रक्षा मंत्रालय ने देश की रक्षा में अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के सम्मान में बड़ी पहल की है। मंत्रालय ने सेना मेडल, नौ सेना मेडल और वायु सेना मेडल (गैलेंट्री) से सम्मानित वीरता पदक विजेताओं को भारतीय रेल में आजीवन मुफ्त यात्रा सुविधा देने को मंजूरी दी है। इस सुविधा का लाभ पात्र वीरता पदक विजेताओं के जीवनसाथी को भी मिलेगा। इसके अलावा अविवाहित बलिदान पदक विजेताओं के माता-पिता को भी इस सुविधा के दायरे में शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य वीर सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस सुविधा की पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी, जिससे पात्र लाभार्थियों को यात्रा सुविधा प्राप्त करने में आसानी होगी। उन्हें कागजी प्रक्रिया के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। यह पहल वीरता पदक विजेताओं और बलिदानी सैनिकों के परिवारों के योगदान को सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद पात्र लाभार्थी निर्धारित प्रक्रिया के तहत भारतीय रेल में आजीवन मुफ्त यात्रा का लाभ ले सकेंगे।

नीली वर्दी में मैदान में उतरेगी सपा छात्र सभा

एजेंसी, नई दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी की छात्र सभा के कार्यकर्ता अब नीली वर्दी में मैदान में उतरेंगे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर संगठन ने नई पीढ़ी और नई सोच को ध्यान में रखते हुए नीले रंग की वर्दी तय की है। पार्टी के अनुसार, इसका उद्देश्य संगठन को अलग पहचान देने के साथ सामाजिक न्याय और बहुजन समाज की भागीदारी का संदेश देना है। आगरा में आयोजित 'छात्र-नौजवान पीडीए जागरूकता एवं सदस्यता अभियान' के तहत छात्र सभा के कार्यकर्ताओं को नीली टी-शर्ट और पैंट वितरित की गईं। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं से छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने तथा उनके समाधान के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया गया। संगठन के अनुसार, नीली वर्दी के माध्यम से छात्र सभा के कार्यकर्ताओं की एकजुट पहचान देने और अभियान को व्यापक स्तर तक पहुंचाने की तैयारी है। कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता और सदस्यता अभियान चलाएंगे।

सफाईकर्मियों की हड़ताल से नोएडा में कूड़ा उठान प्रभावित

एजेंसी, नई दिल्ली नोएडा में सफाईकर्मियों की हड़ताल के कारण पिछले दो दिनों से शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित है। सफाईकर्मियों के काम पर नहीं आने से विभिन्न सेक्टरों में कूड़ा जमा होने लगा है और लोगों को गंदगी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सफाईकर्मी वेतन, लंबित भुगतान और मृतक आश्रितों को नौकरी समेत कई मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से उनकी कुछ मांगों का समाधान नहीं हुआ है, जिसके कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। नोएडा में सफाई व्यवस्था के बाधित होने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले मार्च और जून में भी सफाईकर्मियों के आंदोलन के चलते शहर में कूड़ा उठान प्रभावित हुआ था। अब सितंबर में दोबारा हड़ताल होने से सफाई व्यवस्था पर असर पड़ा है। हड़ताल के कारण कई इलाकों में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास कूड़े के ढेर दिखाई देने लगे हैं। इससे स्थानीय निवासियों की परेशानी बढ़ रही है। सफाईकर्मी अपनी मांगों पर समाधान की मांग कर रहे हैं, जबकि संबंधित विभाग के स्तर पर स्थिति सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली-आगरा हाईवे पर दर्दनाक हादसा बेटी से मिलने जा रहे पिता-पुत्र की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

पलवल में दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। दोनों बाइक से अपनी बेटी और बहन से मिलने फिरोजाबाद जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। मृतकों की पहचान मूलरूप से हाथरस निवासी सियाराम और उनके बेटे गुलशन के रूप में हुई है। सियाराम कपड़े बेचने का काम करते थे, जबकि उनका बेटा गुलशन मजदूरी करता था।

परिवार के अनुसार, गुलशन अपने भाइयों अंकुश और अमन के साथ फोल्डिंग का काम भी करता था। अमन तीनों भाइयों में सबसे छोटा है। बताया गया कि सियाराम की बेटी काजल फिरोजाबाद के पास रहती है। बुधवार सुबह पिता और पुत्र बाइक से काजल से मिलने के लिए घर से निकले थे। दोनों बेटी से मिलने की खुशी में सफर कर रहे थे, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों और ट्रक चालक के संबंध में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। घटना की जानकारी परिवार के सदस्यों को मिली तो घर में कोहराम मच गया। स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार पर एक साथ दो सदस्यों की मौत का दुख टूट पड़ा है। सबसे दुखद बात यह है कि गुलशन की पत्नी पूजा करीब चार माह की गर्भवती है। पति की मौत की खबर से परिवार में गहरा सदमा है। हादसे के बाद रिश्तेदार और परिचित परिवार को ढांढस बंधाने के लिए पहुंच रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छात्र संगठनों को चुनाव लड़ने की छूट राजनीतिक दलों के हस्तक्षेप पर रोक

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनावों में राजनीतिक दलों के कथित हस्तक्षेप को लेकर दायर याचिका का दिल्ली हाई कोर्ट ने निपटारा कर दिया। अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि राजनीतिक दलों से जुड़े छात्र संगठन यदि छात्र संघ चुनाव में हिस्सा लेते हैं तो मात्र इस आधार पर इसे लिंगदोह समिति की सिफारिशों का उल्लंघन नहीं माना जा सकता। हालांकि, अदालत ने विश्वविद्यालय प्रशासन और चुनाव अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा जताई कि किसी राजनीतिक दल के सदस्य द्वारा चुनाव प्रक्रिया में अनुचित हस्तक्षेप न हो।

मामला डूसू चुनावों में लिंगदोह समिति के नियमों के कथित उल्लंघन और राजनीतिक दलों की भूमिका से संबंधित था। एक छात्र ने याचिका दायर कर चुनाव प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के दखल पर सवाल उठाया था। याचिका में यह मुद्दा उठाया गया था कि छात्र संगठनों के माध्यम से राजनीतिक दलों से जुड़े लोग छात्र संघ चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं।

अदालत ने कहा कि किसी राजनीतिक दल के छात्र संगठन से जुड़े सदस्यों का छात्र संघ चुनाव में भाग लेना अपने आप में लिंगदोह समिति की सिफारिशों का उल्लंघन नहीं है। इस तरह अदालत ने छात्र संगठनों की चुनावी भागीदारी और राजनीतिक दलों के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बीच अंतर स्पष्ट किया। हालांकि, अदालत ने डीयू के मुख्य चुनाव अधिकारी और संबंधित अधिकारियों की भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की।

अदालत ने कहा कि चुनाव अधिकारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी राजनीतिक पार्टी के सदस्य की ओर से चुनाव प्रक्रिया में कोई अनुचित दखल न हो। चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए नियमों का पालन कराना विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। अदालत की टिप्पणी के बाद डूसू चुनावों में छात्र संगठनों की भूमिका और राजनीतिक दलों के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बीच अंतर को लेकर स्थिति स्पष्ट हुई है।

आगरा रेल मंडल की बड़ी उपलब्धि, पांच स्टेशनों को आईएसओ प्रमाण पत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

पर्यावरण संरक्षण और विकास की दिशा में आगरा रेल मंडल को बड़ी उपलब्धि मिली है। आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, राजा की मंडी, ईदगाह और मथुरा सहित पांच प्रमुख रेलवे स्टेशनों को पर्यावरण प्रबंधन के मानकों पर खरा उतरने के लिए आईएसओ प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। यह पहला मौका है जब आगरा रेल मंडल के पांच स्टेशनों को एक साथ यह प्रमाण पत्र मिला है। प्रमाण पत्र की वैधता आठ सितंबर 2027 तक रहेगी।

रेलवे के अनुसार, इन सभी स्टेशनों का चयन करीब डेढ़ वर्ष पहले अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया गया था। योजना के अंतर्गत प्रत्येक स्टेशन के विकास और सुविधाओं पर लगभग 10 से 15 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए स्टेशनों पर सौर ऊर्जा प्रणाली भी स्थापित की जा चुकी है। आगरा रेल मंडल के अंतर्गत कुल 102 रेलवे स्टेशन आते हैं।

इनमें आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, राजा की मंडी, ईदगाह और मथुरा प्रमुख स्टेशन हैं। इन पांच स्टेशनों से प्रतिदिन करीब 65 हजार यात्री आवागमन करते हैं। रेलवे को टिकटों से प्रतिदिन लगभग डेढ़ लाख रुपये की आय होने की जानकारी दी गई है। आईएसओ प्रमाण पत्र देने से पहले पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली का ऑडिट किया गया। नोएडा की एक्युसी प्राइवेट लिमिटेड ने हाल ही में इन स्टेशनों का पर्यावरण संबंधी ऑडिट किया था।

पाकिस्तानी पत्नी पर सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का झंडा पोस्ट करने का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष साहिब खान की पाकिस्तानी पत्नी ज़हरा खान के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि 15 अगस्त को ज़हरा खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पाकिस्तान के राष्ट्रीय ध्वज की तस्वीर पोस्ट की और उसके साथ भारत विरोधी टिप्पणियां कीं। जानकारी के अनुसार, ज़हरा खान पिछले करीब 13 वर्षों से भारत में रह रही हैं। आरोप है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उन्होंने पाकिस्तान के झंडे की तस्वीर साझा की। पोस्ट के साथ लिखे संदेश में कथित तौर पर कहा गया कि यह झंडा 41 साल पुराना है और 25 वर्षों से उनके परिवार के पास है। उन्होंने यह भी लिखा कि करीब 16 वर्ष पहले यह झंडा उन्हें दिया गया था। मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद शुरू हुआ और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

दिल्ली से फरीदाबाद पहुंचे दो बदमाशों का एनकाउंटर, पुलिस ने किया काबू

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद में वारदात को अंजाम देने के लिए दिल्ली से आए दो कथित बदमाशों की क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी। घायल बदमाशों को इलाज के लिए बादशाह खान नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम को सूचना मिली थी कि दिल्ली से दो बदमाश फरीदाबाद में किसी वारदात को अंजाम देने के लिए पहुंचे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दोनों की तलाश शुरू की।

इसी दौरान पुलिस का सामना सोनू और राहुल नामक दो संदिग्धों से हुआ। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने टीम को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने खुद को बचाते हुए जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान दोनों बदमाशों के पैर में गोली लग गई और वे घायल होकर गिर पड़े।

पुलिस ने मौके पर दोनों को काबू कर लिया। घटना के बाद पुलिस ने घायल आरोपियों को तत्काल उपचार के लिए बादशाह खान नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान हुई फायरिंग और आरोपियों के पास मौजूद हथियारों की भी जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी दिल्ली से फरीदाबाद में किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से आए थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वे किस वारदात की योजना बना रहे थे और उनके खिलाफ दिल्ली या अन्य स्थानों पर पहले से कितने आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में लगी गोली

नोएडा के सेक्टर-63 में बिजली संकट 1500 औद्योगिक इकाइयों का काम ठप

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर-63 डी में 11 हजार केवी की अंडरग्राउंड बिजली केबल कटने से औद्योगिक क्षेत्र में बड़ा विद्युत संकट पैदा हो गया। सुबह से बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण करीब 1500 औद्योगिक इकाइयों का कामकाज प्रभावित हुआ। बिजली कटौती करीब चार घंटे तक जारी रही, जिससे बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रभावित होने का अनुमान है। उद्योगों से जुड़े लोगों के अनुसार, इस दौरान लगभग दो हजार करोड़ रुपये के उत्पादन पर असर पड़ा। बिजली आपूर्ति ठप होने से कई फैक्ट्रियों में मशीनें बंद हो गईं और उत्पादन गतिविधियां रुक गईं।

कुछ औद्योगिक इकाइयों ने जेनसेट चलाकर काम दोबारा शुरू करने का प्रयास किया, लेकिन इससे अतिरिक्त लागत का भार भी बढ़ा। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) ने जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने का दावा किया। निगम के अधीक्षण अभियंता विवेक पटेल के अनुसार, सेक्टर-63 डी ब्लॉक में प्राधिकरण की ओर से नाला और खुदाई का काम कराया जा रहा था। इसी दौरान अंडरग्राउंड केबल कट गई, जिसके कारण क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई। हालांकि, प्राधिकरण के वर्क सर्किल-4 के वरिष्ठ प्रबंधक प्रदीप साहू ने निगम के दावे से अलग जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेक्टर-63 में प्राधिकरण की ओर से कोई काम नहीं कराया जा रहा था। उनके मुताबिक, पिछले तीन दिनों से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण नाले और नालियों की सफाई भी प्रभावित है।

गैरकानूनी बिजली वाली बाड़ से मासूम की मौत, आरोपी को हाईकोर्ट से राहत नहीं

12 साल के बच्चे की करंट से मौत पर हाईकोर्ट सख्त, आरोपी की जमानत खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने जाफरपुर कलां इलाके में बिजली वाली बाड़ के संपर्क में आने से 12 साल के बच्चे की मौत के मामले में आरोपी करण सिंह की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि बिना बिजली विभाग की मंजूरी के 220 से 225 वोल्ट की बिजली वाली बाड़ लगाना बेहद खतरनाक था और आरोपी यह नहीं कह सकता कि उसे इसके जानलेवा खतरे की जानकारी नहीं थी। फैसला न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने 14 सितंबर 2026 को सुनाया। मामला जाफरपुर कलां थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 77/2025 से जुड़ा है।

आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत मामला दर्ज है। अभियोजन के अनुसार, करण सिंह ने अपनी देखरेख वाली जमीन के आसपास बिजली की बाड़ लगाई थी। इसी बाड़ के संपर्क में आने से 12 वर्षीय बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। निचली अदालत पहले ही आरोपी के खिलाफ धारा 105 के तहत आरोप तय कर चुकी है। जमानत की मांग करते हुए करण सिंह की ओर से दलील दी गई कि बच्चे की मौत का कारण बनने का उसका कोई इरादा नहीं था। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि जमीन उसके नाम पर नहीं है और बिजली का मीटर भी उसके नाम पर नहीं है। आरोपी की ओर से दावा किया गया कि बाड़ जंगली जानवरों से जमीन और फसल को बचाने के लिए लगाई गई थी।

यह भी कहा गया कि बाड़ केवल जमीन के दो हिस्सों के बीच एल आकार में लगाई गई थी। अभियोजन ने अदालत को बताया कि बाड़ में करीब 10 मिलीमीटर मोटे तार का इस्तेमाल हुआ था, जिसमें 220 से 225 वोल्ट का करंट प्रवाहित हो रहा था। बाड़ में रेगुलेटर, इंसुलेटर, सर्किट ब्रेकर या अन्य विद्युत सुरक्षा उपकरण नहीं लगाए गए थे। यहां तक कि लोगों को सावधान करने के लिए कोई चेतावनी बोर्ड भी नहीं लगाया गया था। पुलिस के मुताबिक, आसपास के इलाके में स्थानीय बच्चे खेलते थे। अदालत ने आरोपी की ओर से पेश सैटेलाइट तस्वीरों की भी जांच की। बचाव पक्ष का कहना था कि बाड़ जंगल से सटी जमीन पर जंगली जानवरों को रोकने के लिए लगाई गई थी। हालांकि, अदालत ने तस्वीरों के आधार पर पाया कि बाड़ जंगल और आरोपी की जमीन के बीच नहीं थी, बल्कि उसकी जमीन को आसपास के दूसरे भूखंडों से अलग कर रही थी।

इस आधार पर अदालत ने बचाव पक्ष की इस दलील को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने यह भी नोट किया कि बिजली विभाग से किसी प्रकार की मंजूरी लिए बिना बाड़ में करंट छोड़ा गया था। न्यायालय के अनुसार, इतनी वोल्टेज वाली बाड़ को बिना सुरक्षा उपायों के लगाना ऐसा कृत्य था, जिसके संभावित घातक परिणामों की जानकारी से आरोपी अनभिज्ञ होने का दावा नहीं कर सकता। जमीन के स्वामित्व पर बचाव पक्ष की दलील पर अभियोजन ने कहा कि कागजों में जमीन आरोपी के पिता के नाम थी, लेकिन जांच के अनुसार जमीन की खेती और देखरेख करण सिंह ही करता था।

करंट वाली बाड़ से मासूम की मौत, आरोपी की जमानत खारिज

गुरुग्राम हिट एंड रन मामले में आरोपी दो दिन की पुलिस रिमांड पर

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में महिला बाइक राइडर को कार से टक्कर मारने के मामले में गिरफ्तार आरोपी कल्याण बैंसला और उसके दोस्त लवनीश को अदालत ने दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां जांच के लिए पुलिस ने रिमांड की मांग की। पुलिस के अनुसार, मामले में कार से महिला बाइक राइडर को टक्कर मारने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की और उनकी लोकेशन राजस्थान में मिली। इसके आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब रिमांड के दौरान हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच करेगी। साथ ही घटना के समय कार कौन चला रहा था, दुर्घटना के बाद आरोपी कहां गए और फरार होने में किसने मदद की, इन बिंदुओं पर भी पूछताछ की जाएगी।

चिट्टा तस्करों पर कार्रवाई के साथ जागरूकता भी जरूरी : अग्निहोत्री

उपमुख्यमंत्री बोले, अब तक 50 करोड़ से अधिक की संपत्तियां जब्त

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में ऊना में आयोजित एंटी-चिट्टा वॉकथॉन में शामिल हुए। इंदिरा स्टेडियम से बस स्टैंड तक आयोजित इस वॉकथॉन में 40 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें जिला भर के स्कूलों के बच्चों की संख्या सबसे अधिक रही। स्कूलों के बच्चों के साथ कॉलेजों सहित समाज के विभिन्न वर्गों ने भी इसमें भाग लिया।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि चिट्टे के खिलाफ प्रदेशव्यापी मुहिम चल रही है। चिट्टा केवल हिमाचल ही नहीं, बल्कि देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर की समस्या है। बाहर से होने वाली इसकी सप्लाई के कारण इसका प्रकोप प्रदेश के हर कोने तक पहुंच गया है। ऐसे में बच्चों और युवाओं को जागरूक करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऊना में आयोजित वॉकथॉन के माध्यम से बच्चों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग को चिट्टे से दूर रहने का संदेश दिया गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार जागरूकता के साथ-साथ चिट्टे के तस्करों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई कर रही है। तस्करी में संलिप्त लोगों की संपत्तियां जब्त की जा रही हैं और अब तक 50 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं। चिट्टे से जुड़े मामलों में दो दर्जन से अधिक सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया जा चुका है। वहीं, नशे का सेवन करने वालों को चिट्टा छोड़ने में मदद देने के लिए भी सरकार कार्य कर रही है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि चिट्टे के खिलाफ लड़ाई पूरे समाज की लड़ाई है। हिमाचल पुलिस तस्करों के खिलाफ अच्छा काम कर रही है। इस अभियान में पंचायतों को भी शामिल किया गया है। संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना मिलने पर सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखते हुए कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि चिट्टे की तस्करी में महिलाओं और लड़कियों की संलिप्तता के मामले भी सामने आ रहे हैं, इसलिए समाज के हर वर्ग को जागरूक और सतर्क रहने की जरूरत है।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हिमाचल को चिट्टा मुक्त समाज बनाने के लिए जागरूकता अभियान लगातार चलाया जाएगा और इसके साथ ही तस्करों के खिलाफ कार्रवाई भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में हजारों बच्चों और समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी से बड़ा संदेश गया है। सरकार हर वर्ग को साथ लेकर कदम से कदम मिलाकर चिट्टे के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है।

किशाऊ परियोजना मोदी सरकार की उपलब्धि : अनुराग

6 दशक पुराना गतिरोध खत्म करने का दावा, मुख्यमंत्री पर श्रेय लेने का आरोप

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना को लेकर कहा कि छह दशक से चला आ रहा गतिरोध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के प्रयासों से समाप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने संबंधित राज्यों के साथ संवाद और सहमति के माध्यम से इस लंबे समय से लंबित परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ किया है।

अनुराग ठाकुर के अनुसार प्रधानमंत्री के निर्देश पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की पहल पर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर परियोजना से जुड़े मतभेदों का समाधान किया गया। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर 2026 को छह राज्यों ने किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के समझौते पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि किशाऊ परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया गया है और इसके करीब 90 प्रतिशत वित्तीय भार का वहन केंद्र सरकार करेगी। शेष 10 प्रतिशत भार सहभागी राज्यों को उठाना होगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल के हिस्से की विद्युत लागत को लेकर भी सहभागी राज्यों के बीच वित्तीय भार साझा करने की व्यवस्था की गई है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि परियोजना केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर भारत की जल सुरक्षा, सिंचाई और पेयजल जरूरतों से भी जुड़ी है। केंद्र सरकार के अनुसार इससे करीब 97 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई और लगभग 1,476 मिलियन यूनिट जलविद्युत उत्पादन का लक्ष्य है।

उन्होंने हिमाचल के मुख्यमंत्री पर समझौते का राजनीतिक श्रेय लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि छह दशक तक समाधान नहीं निकल सका, जबकि केंद्र ने सभी राज्यों को साथ लेकर सहमति बनाई। ठाकुर ने इसे सहकारी संघवाद और संवाद के माध्यम से समाधान का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि परियोजना से सभी सहभागी राज्यों और आने वाली पीढ़ियों को लाभ मिलेगा।

सीएम सुक्खू रैल-बड़ा क्षेत्र को देंगे सौगातें

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू 17 और 18 सितंबर को नादौन विधानसभा क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे के दौरान रैल-बड़ा क्षेत्र को कई विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री जन स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करने के साथ विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 17 सितंबर को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री आईटीआई रैल के नए भवन की आधारशिला रखेंगे और पौधारोपण करेंगे। इसके बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रैल के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन कर जन स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करेंगे। दोपहर बाद राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रैल के भवन का शिलान्यास किया जाएगा। 18 सितंबर को सुबह करीब साढ़े 11 बजे मुख्यमंत्री सधोड़ापत्तन के पास ब्यास नदी पर बनने वाले पुल का शिलान्यास करेंगे। इस पुल से रैल-बड़ा क्षेत्र की कई पंचायतें कांगड़ा के ज्वालामुखी उपमंडल के सिल्ह और अन्य क्षेत्रों से जुड़ेंगी। इससे हजारों लोगों को ब्यास नदी के आर-पार आने-जाने में सुविधा मिलेगी और लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

न्यूज ब्रीफ

मनरेगा कार्यस्थल पर मारपीट, क्रॉस एफआईआर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। थाना सदर पुलिस ने मनरेगा कार्यस्थल पर हुए विवाद में दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर क्रॉस केस दर्ज किया है। मंगरोट गांव में मनरेगा की हाजिरी के दौरान आशा देवी और अमरा देवी के बीच रास्ता रोकने, गाली-गलौज और मारपीट के आरोप लगे। दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, एम्स कोठीपुरा के समीप सार्वजनिक मार्ग बाधित करने पर पुलिस ने तीन रेहड़ी संचालकों के खिलाफ भी मामले दर्ज किए। पुलिस के अनुसार फल की रेहड़ी लगाने वाली महिला, चाय की रेहड़ी संचालक अजय मोहम्मद और चाय-नमकीन की रेहड़ी लगाने वाले प्यारे लाल पर धारा 285 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने सार्वजनिक मार्ग पर यातायात बाधित न करने की हिदायत दी है।

चिट्टे के साथ पठानकोट के दो युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। नूरपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पठानकोट के दो युवकों को 6.44 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। सीआईए नूरपुर की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर बिना नंबर की टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल को जांच के लिए रोका। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से चिट्टा बरामद हुआ। एसपी धर्म चंद वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंशु (21) और हिमांशु चौधरी (20), दोनों निवासी पठानकोट, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ और मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों के स्थानीय संपर्कों तथा मादक पदार्थ की आपूर्ति से जुड़े आगे और पीछे के संपर्कों की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार यह वर्ष 2026 में नूरपुर पुलिस द्वारा एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज 100वां मामला है।

शिक्षकों को एआई आधारित शिक्षण तकनीकों और विभिन्न डिजिटल साधनों की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, राजपुर (पालमपुर)। जीजीडीएसडी कॉलेज राजपुर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम भारत केयर्स और सीएसआर बॉक्स के सहयोग से आईबीएम स्किल बिल्ड पहल के तहत हुआ। मुख्य संसाधन वक्ता ऋतु ठाकुर ने संकाय सदस्यों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की कार्यप्रणाली, मानव बुद्धि से अंतर और इससे जुड़ी भ्रांतियों की जानकारी दी। उन्होंने प्रभावी प्रॉम्प्ट तैयार करने के तरीके बताए तथा शिक्षण में उपयोगी विभिन्न कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मंचों की जानकारी साझा की। निदेशक-प्राचार्य डॉ. विवेक शर्मा ने शिक्षकों से नई तकनीकों को शिक्षण प्रक्रिया में प्रभावी ढंग से अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भौतिक विज्ञान, जैव विज्ञान, व्यवसाय प्रशासन और कंप्यूटर विभाग के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

ठियोग कॉलेज में प्रतियोगिताओं के जरिए बच्चों को बताया ओजोन परत का महत्व

भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग। राजकीय महाविद्यालय ठियोग में भूगोल विभाग की ओर से विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने ओजोन परत के महत्व और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रो. राशिका शर्मा ने विद्यार्थियों को ओजोन क्षरण के कारणों और दुष्प्रभावों की जानकारी दी। इस दौरान विश्व ओजोन दिवस की थीम पर भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों के लिए पोस्टर निर्माण, मॉडल प्रस्तुतीकरण, प्रस्तुतीकरण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं करवाई गईं। पोस्टर में प्रमिला प्रथम और स्मृति द्वितीय रहीं, जबकि प्रस्तुतीकरण में दीक्षित और मुस्कान ने क्रमशः पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। प्रश्नोत्तरी में प्रथम वर्ष प्रथम और तृतीय वर्ष द्वितीय रहा। कार्यक्रम में शिक्षण-गैरशिक्षण कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

घुमारवीं महाविद्यालय में वुशु चैंपियनशिप शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालय वुशु चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 18 राजकीय महाविद्यालयों की 18 पुरुष और 11 महिला टीमें भाग ले रही हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। सीनियर प्रोफेसर डॉ. महेंद्र भाटिया ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का स्वागत किया। पहले दिन विभिन्न भार वर्गों में रोमांचक मुकाबले हुए। 48, 52, 56, 60, 65, 70 और 75 किलोग्राम वर्गों में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया और कई टीमों ने जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई। मेजबान घुमारवीं की टीम ने भी कई मुकाबलों में जीत हासिल की। आयोजन सचिव डॉ. सुनील सेन और संयोजक डॉ. महेंद्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता का समापन 17 सितंबर को दोपहर दो बजे पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा।

कांगड़ा के जोगीपुर में खुला पोषण केंद्र

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा के जोगीपुर में बुधवार को 'ताशाज साइंस ऑफ न्यूट्रिशन' पोषण केंद्र का शुभारंभ हुआ। केंद्र की संचालक कनिका चौधरी और उनके सहयोगी दीक्षित पठानिया ने स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में इस नई पहल की शुरुआत की। केंद्र में लोगों की व्यक्तिगत स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुसार संतुलित आहार और पोषण संबंधी परामर्श उपलब्ध करवाया जाएगा। यहां वजन घटाने-बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत आहार योजना, जीवनशैली प्रबंधन तथा विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आहार संबंधी मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसके अलावा पोषण के बुनियादी और उन्नत प्रमाणित पाठ्यक्रम भी करवाए जाएंगे। संचालकों के अनुसार केंद्र का उद्देश्य लोगों को सही खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। केंद्र पहली मंजिल, सुमन भवन, मठ मंदिर के सामने, गांव ललेहड़, कांगड़ा में स्थित है।

गणेश चतुर्थी पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम

भारतेन्दु संवाददाता, पठियार। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, धर्मगिरि पठियार में गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में भगवान गणेश की प्रतिमा विधिवत स्थापित कर पूजा-अर्चना और आरती की गई। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भजन, प्रार्थना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त की। विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के दौरान बच्चों को भगवान गणेश के जीवन और उनके आदर्शों से परिचित करवाया गया। विद्यालय परिसर पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक कुलदीप ठाकुर और प्रबंधक पीएस राणा ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्या पूजा महाजन ने विद्यार्थियों को भगवान गणेश के ज्ञान, बुद्धि, विनम्रता और सदाचार जैसे गुणों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आयोजन के लिए विद्यार्थियों और स्टाफ की सराहना की। कार्यक्रम का समापन आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

दुकानों पर मूल्य सूची लगाना अनिवार्य: डीसी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला दंडाधिकारी राहुल कुमार ने हिमाचल प्रदेश जमाखोरी और मुनाफाखोरी निवारण आदेश, 1977 के तहत आवश्यक वस्तुओं पर थोक और खुदरा विक्रेताओं के लिए अधिकतम लाभ मार्जिन निर्धारित किया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को उचित दरों पर वस्तुएं उपलब्ध करवाना और अनावश्यक मुनाफाखोरी पर रोक लगाना है। अधिसूचना के अनुसार गेहूं, चना, जौ, चावल, गुड़, शक्कर, खांडसारी, चीनी, दालें, कागज, मोटे ऊनी कपड़े और चाय पत्ती पर थोक में 2.5 और खुदरा बिक्री में 5.5 प्रतिशत मार्जिन तय किया गया है। कॉपियों पर यह सीमा क्रमशः 4 और 7.5 प्रतिशत, अंडों पर 5 और 7.5 प्रतिशत तथा ब्रेड पर 7.5 और 8.5 प्रतिशत रहेगी। प्याज, आलू, लहसुन, अदरक, अरबी और जिमीकंद पर थोक मार्जिन पांच प्रतिशत तथा खुदरा में भाड़ा, लोडिंग-अनलोडिंग और नुकसान सहित 24 प्रतिशत सीमा तय की गई है। अन्य जल्द खराब होने वाली सब्जियों पर खुदरा मार्जिन 39 प्रतिशत होगा। सभी खुदरा विक्रेताओं को परिसर में मूल्य सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होगी। प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित विभागों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विद्यार्थियों ने सुलेख, भाषण, दोहा और कविता प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, पठियार। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, धर्मगिरी पठियार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम, रुचि, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना रहा।

आयोजन के दौरान सुलेख, भाषण, दोहा और कविता सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई गईं। विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में हिंदी के महत्व, राष्ट्र निर्माण में भाषा की भूमिका और मातृभाषा के गौरव पर विचार प्रस्तुत किए। वहीं, दोहा और कविता प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी काव्य प्रतिभा और अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया।

सुलेख प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सुंदर एवं शुद्ध लेखन प्रस्तुत किया। विद्यालय के एमडी कुलदीप ठाकुर, प्रबंधक पीएस राणा और प्रधानाचार्या पूजा महाजन ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति, साहित्य और भावनात्मक विरासत का महत्वपूर्ण आधार है। आयोजन को सफल बनाने में शिक्षक-शिक्षिकाओं और स्टाफ सदस्यों का विशेष योगदान रहा। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से कार्यक्रम यादगार बना।

- महाराणा प्रताप स्कूल में हिंदी दिवस पर तीन दिवसीय आयोजन
- भाषाई प्रतियोगिताओं के जरिए हिंदी के प्रति प्रेम और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास

डिपो संचालकों को मिलेंगी नई पॉश मशीनें, इंटरनेट की समस्या होगी दूर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश भर में हजारों उचित मूल्य दुकानों में लंबे समय से तकनीकी परेशानी से जूझ रही थी उसका अब स्थायी समाधान निकलता दिख रहा है। हजारों डिपो संचालकों को अब नई पॉश मशीनें, दी जा रही हैं। जिससे इंटरनेट की सुविधा के लिए दो सिम डाली गई है। डिपो धारकों को लगभग पांच साल तक सिम को रिचार्ज नहीं करना पड़ेगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश की लगभग पांच हजार से अधिक दुकानों पर पुरानी पॉश मशीनें जो पिछले 7 साल से काम कर रहीं थीं, वह अब विभाग के पास जमा हो जाएंगी। एक माह यह नई व्यवस्था शुरू हो जाएगी। हर एक ब्लॉक के डिपो संचालक को अलग-अलग तारीख में बुलाकर ब्लॉक हेड क्वार्टर पर यह मशीनें दी जा रही हैं। उन्हें उनकी तकनीकी जानकारी भी खास अंदाज में डेमो के जरिए मिल रही है। ये पॉश मशीनें, पुरानी होने की वजह से परेशानी का सबक बन गई थीं। इसीलिए अब इन्हें रिप्लेस करने का एक मुश्त काम शुरू हो गया है। कई ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में तो परेशानी और ज्यादा थी। इससे वितरण व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही थी।

इसी विषय को लेकर संचालक समिति लंबे समय से सरकार से मांग कर रही थी। अब विभाग ने नई पीढ़ी के यंत्र देने का निर्णय लिया है। नई मशीनों के डेमो के वक्त यह बताया जा रहा है कि अब किसी भी डिपो संचालक को यह मशीनें खुद रिचार्ज नहीं करनी पड़ेंगी। कंपनी सर्कल स्तर पर भी यह काम हर महीने खुद किया करेगी। विभाग स्वयं ही सेवा देने वाली संस्था के साथ समझौता कर इसका भुगतान करेगा। इस निर्णय पर प्रदेश संचालक समिति के अध्यक्ष अशोक कवि ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पुराने यंत्र में आई खराबी के कारण भंडार में अंतर आ जाता था और उसका दंड संचालकों को भुगतना पड़ता था। नई व्यवस्था से इस तरह की गड़बड़ी पर रोक लगेगी और उपभोक्ताओं को समय पर सामग्री मिल सकेगा। अशोक कवि ने कहा कि हमें आशा है कि इस नई पहल से संचालकों की वर्षों पुरानी कठिनाई का अंत होगा और कार्य प्रणाली अधिक सरल, तेज तथा भरोसेमंद बनेगी।

आरसीएफसी कर्मियों के आंदोलन को मिला अनुपमा का समर्थन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जोगिंद्रनगर में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत आरसीएफसी को सोलन स्थित डॉ. वाईएस परमार विश्वविद्यालय, नौणी में स्थानांतरित करने के विरोध में कर्मचारियों का आंदोलन जारी है। प्रो. अनुपमा सिंह ने क्रमिक भूख हड़ताल स्थल पर पहुंचकर आंदोलनरत कर्मचारियों से मुलाकात की और उनकी मांगों को समर्थन दिया। प्रो. सिंह ने कर्मचारियों से केंद्र के स्थानांतरण से उत्पन्न परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह केवल कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि किसानों, ग्रामीणों, शोधकर्ताओं, उद्यमियों और पूरे क्षेत्र के हितों से संबंधित है। उन्होंने कहा कि जोगिंद्रनगर में कई वर्षों में संस्थान के साथ विशेषज्ञता, मानव संसाधन और स्थानीय नेटवर्क विकसित हुआ है। प्रो. सिंह ने कहा कि यदि सोलन में अतिरिक्त संस्थागत क्षमता विकसित करनी है तो उसका स्वागत है, लेकिन इसके लिए जोगिंद्रनगर में पहले से स्थापित केंद्र को स्थानांतरित करना ही एकमात्र विकल्प नहीं होना चाहिए। उन्होंने आउटसोर्स कर्मचारियों के रोजगार को लेकर भी चिंता जताई।

डीएवी के छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण व ओजोन परत पर दिखाया रचनात्मक हुनर

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। एमसीएम डीएवी महाविद्यालय कांगड़ा के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से विश्व ओजोन दिवस पर पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ओजोन परत के महत्व, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक करना रहा। प्रतियोगिता में 28 विद्यार्थियों ने भाग लिया और ओजोन संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन तथा जलवायु परिवर्तन से जुड़े विषयों पर आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता में एमएससी प्रथम सेमेस्टर की रिशिका और अंजलि ने प्रथम स्थान हासिल किया। एमएससी तृतीय सेमेस्टर की अंकिता नाइक तथा बीएससी प्रथम वर्ष की अदिति सोहल और सूर्यांश गुलेरिया को द्वितीय पुरस्कार मिला। बीएससी प्रथम वर्ष की अपूर्वा, हिमांशी और वंशिका तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक डॉ. यांचेन डोलमा ने विषय-वस्तु, वैज्ञानिक जानकारी, रचनात्मकता और प्रस्तुतीकरण के आधार पर मूल्यांकन किया। प्रधानाचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं।

कांगड़ा से एम्स बिलासपुर के लिए चलाई जाए सीधी बस

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा से एम्स बिलासपुर के लिए सीधी इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने की मांग उठी है। पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष अशोक शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने हिमाचल पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर मरीजों और तीमारदारों की सुविधा के लिए यह सेवा शुरू करने का आग्रह किया।

ज्ञापन में कहा गया कि टांडा मेडिकल कॉलेज सहित कांगड़ा और आसपास के अस्पतालों से मरीजों को बेहतर उपचार के लिए एम्स बिलासपुर रेफर किया जाता है। सीधी बस सेवा न होने से मरीजों को कई बार समय पर अस्पताल पहुंचने में परेशानी होती है। वर्तमान बस व्यवस्था के तहत कांगड़ा से चलने वाली बस करीब 11 बजे एम्स पहुंचती है, जबकि कई मरीजों को सुबह ओपीडी जांच और टोकन प्रक्रिया के लिए पहुंचना होता है।

अशोक शर्मा ने सुझाव दिया कि कांगड़ा से सुबह चार बजे सीधी इलेक्ट्रिक बस चलाई जाए, जो करीब 7:45 बजे एम्स बिलासपुर पहुंच सके। इसके अलावा शाम चार बजे एम्स से कांगड़ा के लिए वापसी बस चलाने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि समय पर परिवहन सुविधा मिलने से मरीजों और उनके तीमारदारों को समय और आर्थिक बचत के साथ उपचार में भी सुविधा मिलेगी।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। परीक्षा 22 नवंबर से छह दिसंबर के बीच आयोजित होगी। इस बार दस विषयों में परीक्षा होगी, जिसमें प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक कला, चिकित्सा, हिंदी, संस्कृत, पंजाबी, उर्दू, कनिष्ठ बुनियादी अध्यापक और विशेष शिक्षक के पद शामिल हैं। बोर्ड की अधिसूचना के अनुसार ऑनलाइन आवेदन 11 सितंबर से शुरू हो चुके हैं। बिना विलंब शुल्क आवेदन की अंतिम तिथि तीन अक्टूबर है। 600 रुपये विलंब शुल्क के साथ चार से छह अक्टूबर तक आवेदन किया जा सकेगा। आवेदन में सुधार के लिए आठ से 13 अक्टूबर तक अवसर मिलेगा। वर्ग में बदलाव के लिए 15 अक्टूबर तक प्रमाणपत्र सहित बोर्ड कार्यालय में उपस्थित होना होगा। 22 नवंबर को कला और कनिष्ठ बुनियादी अध्यापक, 29 नवंबर को चिकित्सा, संस्कृत व विशेष शिक्षक तथा छह दिसंबर को चिकित्सा, पंजाबी, उर्दू और हिंदी विषय की परीक्षाएं होंगी। प्रत्येक प्रश्नपत्र ढाई घंटे का होगा।

मंडी-भराड़ी में बनेगा स्काई वॉक ग्लास ब्रिज

केबल कार, जिप लाइन और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट से बढ़ेगा साहसिक पर्यटन

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला प्रशासन बिलासपुर ने पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से मंडी-भराड़ी में स्काई वॉक ग्लास ब्रिज सहित कई साहसिक पर्यटन सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। उपायुक्त राहुल कुमार ने अधिकारियों के साथ प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर परियोजना की तैयारियों की समीक्षा की।

प्रस्ताव के तहत चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंडी-भराड़ी में मौजूदा क्रेन संरचना के ऊपर पर्यटकों और पैदल यात्रियों के लिए ग्लास बॉटम स्काई वॉक विकसित किया जाएगा। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर की विशेषज्ञ टीम द्वारा क्रेन संरचना की तकनीकी जांच की जा चुकी है। जांच में इसे सुरक्षित और प्रस्तावित परियोजना के लिए उपयुक्त पाया गया है। परियोजना के अंतर्गत गोबिंद सागर जलाशय के ऊपर आधुनिक तीन-एस केबल कार विकसित करने का भी प्रस्ताव है। इसके अलावा जलाशय के आर-पार जिप लाइन और रिवर क्रॉसिंग जैसी साहसिक गतिविधियां शुरू करने की योजना है। क्रेन के ड्राइवर केबिन क्षेत्र में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट विकसित करने का भी प्रस्ताव रखा गया है।

उपायुक्त ने बताया कि परियोजना को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण आधार पर विकसित किया जाएगा। इसके लिए ई-निविदाएं और प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्लास ब्रिज और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन आकर्षण बन सकते हैं। इससे गोबिंद सागर में वाटर स्पोर्ट्स के लिए आने वाले पर्यटकों को नया अनुभव मिलेगा।

उन्होंने कहा कि परियोजना के साकार होने से पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के साथ स्थानीय लोगों के लिए आर्थिक, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। प्रशासन जिले की प्राकृतिक संपदा को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़कर बिलासपुर को प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

नादौन के रैल पीएचसी में आज कई रोगों के स्पेशलिस्ट डॉक्टर करेंगे मरीजों का चेकअप

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। नादौन उपमंडल के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रैल में वीरवार 17 सितंबर को स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे जन स्वास्थ्य शिविर में कई स्पेशलिस्ट डॉक्टर आम लोगों का चैकअप करेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतीश कुमार फोतेदार ने बताया कि सुबह साढे नौ बजे से आरंभ होने वाले इस शिविर का विधिवत उदघाटन मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू करेंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में जनरल मेडिसिन, इंटरनल मेडिसिन, सर्जरी, ईएनटी, हड्डी रोग, नेत्र रोग, बाल रोग, स्त्री रोग, हृदय रोग, त्वचा रोग, मानसिक रोग, दंत रोग, न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरो सर्जरी, कैंसर, गैस्ट्रोएंटोलॉजी और रुमेटोलॉजी के विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ-साथ आयुर्वेद विभाग और होम्योपैथी के विशेषज्ञ चिकित्सक भी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। इस दौरान अल्ट्रासाउंड, एक्सरे, ईसीजी, ब्लड टैस्ट और कई अन्य महत्वपूर्ण टैस्ट भी मौके पर ही किए जाएंगे तथा निशुल्क दवाइयां दी जाएंगी। 14-15 वर्ष के आयु वर्ग की लड़कियों को सर्विकल कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी के टीके भी लगाए जाएंगे। आयुर्वेद विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक अग्निकर्म, विद्धकर्म, जलोका कर्म, शिरोधारा, नाड़ी स्वेद, ग्रीवा वस्ती, जानु वस्ती, कपिंग और अन्य क्रियाओं से भी इलाज करेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने क्षेत्रवासियों से इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

पंचायती राज प्रतिनिधियों पर दबाव बनाना लोकतंत्र के खिलाफः राकेश ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के गृह विधानसभा क्षेत्र नादौन में पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों पर कथित राजनीतिक दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र के कथित दुरुपयोग से निर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। राकेश ठाकुर ने आरोप लगाया कि एक विकासखंड के भाजपा पृष्ठभूमि से जुड़े बीडीसी सदस्य को कांग्रेस समर्थित बताने का प्रयास किया गया। उन्होंने नादौन के एसडीएम के तबादले पर भी सवाल उठाते हुए सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। हालांकि, उन्होंने तबादले को पूरे घटनाक्रम से जोड़ने की बात को संभावना के रूप में रखा। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि बीडीसी चुनाव परिणाम आने के तीन महीने बाद भी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से चुनाव प्रक्रिया नियमों के अनुसार जल्द पूरी करने और निर्वाचित प्रतिनिधियों पर किसी भी प्रकार का राजनीतिक दबाव नहीं बनाने की मांग की।

चंपा ठाकुर बोली- आने वाले समय में सेवादल को किया जाएगा और सशक्त

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक जिलाध्यक्ष चंपा ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी अध्यक्षों के अलावा अनुसूचित जाति विभाग, ब्लॉक कांग्रेस और सेवादल के पदाधिकारियों

ने भाग लिया। बैठक में संगठन को तकनीक आधारित बनाने और कार्यशैली में नवाचार लाने पर जोर दिया गया। पहले चरण में ब्लॉक अध्यक्षों की बैठक हुई। सभी अध्यक्षों को संगठनात्मक गतिविधियों के लिए पोर्टल पर काम करने के निर्देश दिए गए। जिला संगठन महासचिव प्रकाश कश्यप, युवा कांग्रेस के हितेश ठाकुर और सोशल मीडिया विभाग के तरेन्द्र चंदेल ने पदाधिकारियों को पोर्टल के संचालन का प्रशिक्षण दिया। दूसरे चरण में अनुसूचित जाति विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन को मजबूत करने और विधानसभा क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ाने पर चर्चा हुई। सेवादल के पदाधिकारियों की बैठक में जिलाध्यक्ष प्रेम लाल गुड्डू ने संगठन की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। चम्पा ठाकुर ने कहा कि आने वाले समय में सेवादल को और सशक्त किया जाएगा तथा नए लोगों को संगठन से जोड़ा जाएगा। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को आगे जिम्मेदारी देने की बात भी कही।

बिलासपुर में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन एसपी कार्यालय तक निकाली रोष रैली

घुमारवीं पुलिस पर पक्षपात के लगाए आरोप, निष्पक्ष कार्रवाई की उठाई मांग

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के घुमारवीं थाना में पुलिस की कथित एकतरफा कार्यप्रणाली के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार रोष प्रदर्शन किया। मंगलवार को गुरुद्वारा चौक बिलासपुर से पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय तक एक विशाल रोष रैली निकाली गई, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने एसपी कार्यालय के बाहर धरना दिया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग, सदर विधायक त्रिलोक जमवाल, जिला भाजपा अध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल और प्रदेश मीडिया प्रभारी सुदेश ठाकुर ने किया।

धरने को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग ने आरोप लगाया कि

2 सितंबर 2026 को पुलिस थाना घुमारवीं में राजनीतिक दबाव के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर संख्या 176 और 178 दर्ज की गईं। इसके विपरीत, उसी घटना को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरुद्ध दी गई लिखित शिकायतों पर पुलिस ने कोई संज्ञान नहीं लिया।

गर्ग ने कहा कि एक ही प्रकृति के मामलों में घुमारवीं पुलिस दोहरे मापदंड अपना रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं को झूठे मुकदमों में फंसाकर प्रताड़ित करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी मुद्दे को लेकर पार्टी कार्यकर्ता 8 सितंबर से घुमारवीं थाने के बाहर क्रमिक धरना और अनशन कर रहे हैं।

नेताओं ने स्पष्ट किया कि कानून सभी के लिए समान है। किसी भी शिकायत का निपटारा राजनीतिक दुर्भावना के बजाय तथ्यों, पुख्ता साक्ष्यों और निष्पक्ष कानूनी प्रावधानों के तहत होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर हमारी मांगों पर सुनवाई नहीं की गई तो इस आंदोलन को और उग्र किया जाएगा इसकी जिम्मेदारी पुलिस की होगी

चिट्टा तस्करी नेटवर्क का मुख्य सप्लायर जसप्रीत किया गिरफ्तार

- **बिलासपुर पुलिस ने पंजाब से पकड़ा आरोपी गिरोह के चार सदस्य किए सलाखों के पीछे**
- **डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पंजाब के मुख्य सप्लायर तक पहुंची पुलिस**

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस ने चिट्टे की अंतरराज्यीय तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब के मुख्य सप्लायर जसप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है। 31 वर्षीय आरोपी शहीद भगत सिंह नगर, पंजाब का निवासी है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मामले की शुरुआत 29 जून को हुई थी, जब स्पेशल डिटेक्शन टीम ने गरामोड़ा आरटीओ बैरियर पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार मोहित कुमार को 14.01 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा था। इसके बाद स्वारघाट थाने में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए आरोपियों से पूछताछ के साथ डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय लेन-देन की पड़ताल की। मनी ट्रेल और बैकवर्ड लिंक के आधार पर सप्लाई चेन से जुड़े निशांत शर्मा निवासी मंडी और जसनप्रीत सिंह निवासी पंजाब को गिरफ्तार किया गया।

जांच में सामने आया कि जसप्रीत सिंह बिलासपुर और मंडी क्षेत्रों में चिट्टे की आपूर्ति करने वाले नेटवर्क से जुड़ा था। वह घुमारवीं थाने में दर्ज एनडीपीएस मामले में भी वांछित चल रहा था। पुलिस ने 14 सितंबर को उसे गिरफ्तार किया। अब पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और तस्करी की पूरी सप्लाई चेन की जानकारी जुटा रही है।

राष्ट्रीय शूटिंग स्पर्धा में प्रताप वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़ाया गौरव

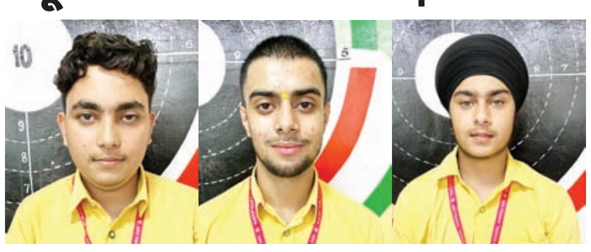

- **समर, अनिकेत व जसकरण का शानदार प्रदर्शन, विद्यालय का नाम किया रोशन**

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। प्रताप वर्ल्ड स्कूल इंदौरा के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यार्थियों ने 28वीं ऑल इंडिया कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल, मध्य प्रदेश में 30 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक किया गया।

प्रतियोगिता में विद्यालय के समर प्रताप और अनिकेत सिंह ने .177 पेपर साइट एयर राइफल (एनआर) के यूथ मेन वर्ग, जबकि जसकरण सिंह ने इसी स्पर्धा के सब-यूथ मेन वर्ग में प्रतिभागिता की। तीनों खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चयन के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की।

प्रधानाचार्या रेनू परमार ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं एमडी रिचा महाजन ने विद्यार्थियों की मेहनत, निरंतर अभ्यास और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

कुत्ते से कटवाने, मारपीट व रास्ता रोकने पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में मारपीट, पालतू कुत्ते से महिला को घायल करने और सार्वजनिक रास्तों पर सामग्री रखकर यातायात बाधित करने के मामलों में केस दर्ज किए हैं। थाना भराड़ी के तहत हरितल्यांगर निवासी लाजवंती देवी ने शिकायत दी कि वह खेत में घास काट रही थीं।

इसी दौरान पड़ोसी के नौकर ने कथित तौर पर जानबूझकर पालतू कुत्ता छोड़ दिया, जिसने उन्हें काटकर घायल कर दिया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 291 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना झंडूता के तहत तुंगड़ी निवासी काली दास ने शिकायत में आरोप लगाया कि उनके भाई सहित अन्य लोग घर में घुसे और परिवार के साथ गाली-गलौच व मारपीट की। जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

वहीं, थाना बरमाणा पुलिस ने सार्वजनिक रास्ते बाधित करने पर तीन मामले दर्ज किए। बैरी में कबाड़ की बोतलों से भरे बोरे रखने पर तूफान कुमार, बठोह चौक में बजरी व क्रैशर सामग्री डालने पर गोपाल तथा साई ब्राह्मणा में सड़क पर बजरी का ढेर लगाने पर बृज लाल के खिलाफ कार्रवाई की गई।

कोटला पुलिस चौकी अब बना थाना

कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने किया नए पुलिस थाने का शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर में जनसुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुलिस चौकी कोटला को पुलिस थाना के रूप में स्तरोन्नत कर दिया गया है। बुधवार को कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने नए पुलिस थाने का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कोटला में वर्ष 1997 से पुलिस चौकी संचालित हो रही थी। क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों और लोगों को बेहतर एवं त्वरित पुलिस सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से इसे अब पुलिस थाना बनाया गया है। नए थाने के अधिकार क्षेत्र में 15 ग्राम पंचायतें बालाह कोटला, सोलधा, न्यांगल, त्रिलोकपुर, भाली, जोल, सियूनी, जांगल, कुठेर, नधोली, डोल भटेहड़, पदर, रजोल, कोठी बंडा और बेही पठियार शामिल हैं।

शुभारंभ के दौरान मंत्री ने सीसीटीएनएस के ऑनलाइन सर्वर पर थाने की पहली दैनिक डायरी प्रविष्टि दर्ज कर ऑनलाइन पुलिसिंग की शुरुआत की। इससे पुलिस प्रक्रियाओं और अभिलेखों को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने में मदद मिलेगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्म चंद वर्मा ने कहा कि थाना बनने से क्षेत्र में गश्त, निगरानी, अपराध नियंत्रण और जांच व्यवस्था मजबूत होगी। साथ ही लोगों को शिकायतों के निवारण और पुलिस सहायता के लिए स्थानीय स्तर पर अधिक प्रभावी सुविधा उपलब्ध होगी।

बिलासपुर कॉलेज के 5 रेंजर्स ने दिखाया हुनर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर की रोवर एवं रेंजर इकाई की पांच रेंजर्स ने राज्य प्रशिक्षण केंद्र रिवालसर में आयोजित पांच दिवसीय राज्य स्तरीय निपुण टेस्टिंग कैंप में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के तत्वावधान में 10 से 14 सितंबर तक आयोजित शिविर में छात्राओं ने व्यावहारिक, साहसिक और जीवन-रक्षा कौशलों का प्रशिक्षण लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने बताया कि निपुण योग्यता के लिए निर्धारित कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने वाली पांच छात्राओं का शिविर के लिए चयन हुआ था। इनमें हिमांशी ठाकुर, सृष्टि ठाकुर, शालिनी देवी, शगुन ठाकुर और कनिका चंदेल शामिल रहीं। रेंजर लीडर डॉ. रजनी शर्मा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। शिविर में रेंजर्स ने सीमित जल व संसाधनों में जीवनयापन, टेंट लगाने, भोजन पकाने और शिविर पोशाक से जुड़े कौशल सीखे। उन्होंने रिवालसर से नैना देवी धार तक चुनौतीपूर्ण ट्रैकिंग भी पूरी की। इससे छात्राओं में नेतृत्व, टीम भावना, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास का विकास हुआ। महाविद्यालय पहुंचने पर सभी रेंजर्स को सम्मानित किया गया।

खाद्यान्न परिवहन व दुलान कार्य के लिए 4 तक करें आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के थोक भंडार बिलासपुर से हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के थोक भंडार सदर तक खाद्यान्नों के परिवहन एवं दुलान कार्य के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। यह अनुबंध वर्ष 2026-28 (दो वर्ष) की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

जिला नियंत्रक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले शीतल शर्मा ने बताया कि इच्छुक ठेकेदार अपनी निविदाएं ऑनलाइन पोर्टल पर 4 अक्तूबर, 2026 शाम 5:00 बजे तक जमा करवा सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऑफलाइन या तय समय के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त निविदाएं 5 अक्तूबर, 2026 को सुबह 11:00 बजे उपायुक्त बिलासपुर अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष निविदादाताओं की मौजूदगी में खोली जाएंगी। विभाग ने सभी इच्छुक बोलीदाताओं से समय-सीमा का ध्यान रखते हुए केवल ऑनलाइन माध्यम से ही आवेदन करने का आग्रह किया है।

झंडूता में पीएम के जन्मदिन पर हर बूथ पर जलेंगे 100 दीपक : कटवाल

- **मंडल स्तर पर आयोजित होंगे 9 विशेष कार्यक्रम, प्रभारियों को बांटे दीये**

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। भारतीय जनता पार्टी ने झंडूता विधानसभा क्षेत्र में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंगलवार को संयोजकों और सह-संयोजकों की बैठक में विधायक जीतराम कटवाल ने कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। निर्णय लिया गया कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर 100-100 दीपक प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। बैठक के बाद बूथ प्रभारियों को दीयों का वितरण भी किया गया। अभियान के तहत मंडल स्तर पर नौ विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें 'आशीर्वाद का दीपक', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान' और 'रंगोली राष्ट्र' सहित अन्य कार्यक्रम शामिल हैं। विधायक ने कार्यकर्ताओं से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की अपील की।

220 विद्यालय ऑनबोर्ड कर मंडी ने बनाया रिकॉर्ड

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। स्कूल ऑनबोर्डिंग अभियान में मंडी और हमीरपुर जिले ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के अग्रणी जिलों में स्थान बनाया है। मंडी जिले में अब तक 220 विद्यालयों का सफलतापूर्वक ऑनबोर्डिंग पूरा किया जा चुका है। इस उपलब्धि से शिक्षा विभाग और अभियान से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों में उत्साह है। जिले में लगातार मॉनिटरिंग, विद्यालयों के साथ बेहतर समन्वय और टीम के प्रयासों से ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया में तेजी आई है। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इसी गति से शेष विद्यालयों को भी जल्द अभियान से जोड़ा जाएगा और निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध तरीके से पूरा होगा। जिला क्वालिटी एंड कंट्रोल एवं जिला प्रोजेक्ट ऑफिसर मीना राठौर ने कहा कि 220 विद्यालयों का ऑनबोर्डिंग सामूहिक प्रयास और बेहतर समन्वय का परिणाम है। उन्होंने टीम से इसी समर्पण के साथ कार्य जारी रखने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य डायट मंडी राजेश शर्मा ने उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए अन्य जिलों से भी प्रक्रिया तेज करने की अपील की।

जिला और तालुका न्यायालयों में कम खर्च में निपटेंगे मामले

- **मंडी में मध्यस्थता अभियान शुरू, लंबित विवादों के समाधान पर जोर**

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। लोगों को लंबे समय से चले आ रहे विवादों से राहत दिलाने के लिए मंडी में 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 3.0' अभियान एक अगस्त से 31 दिसंबर तक शुरू किया गया है। जब तक सभी लंबित मामले सुलझ नहीं जाते, यह अभियान जारी रहेगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा यह अभियान जिला मंडी के जिला एवं तालुका न्यायालयों में चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत ऐसे मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है, जिनमें पक्षकार आपसी सहमति से विवाद का समाधान कर सकते हैं। इनमें विवाह संबंधी विवाद, पारिवारिक विवाद, मोटर वाहन चालान, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा संबंधी मामले, समझौता योग्य आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद तथा ऋण वसूली से जुड़े मामले शामिल हैं। इसके अलावा विभाजन एवं बेदखली के मुकदमों, भूमि अधिग्रहण तथा अन्य उपयुक्त नागरिक मामलों को भी मध्यस्थता के जरिए सुलझाने का प्रयास किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंडी के सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विवेक कायस्थ ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य जनता को विवादों के वैकल्पिक समाधान की ओर प्रेरित करना तथा लंबे समय से लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से दोनों पक्ष एक प्रशिक्षित मध्यस्थ की सहायता से आपसी सहमति से विवाद का समाधान कर सकते हैं। मध्यस्थता की प्रक्रिया गोपनीय, लचीली और कम खर्चीली होती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने लोगों से अपील की है कि वे लंबित विवादों को शीघ्र सुलझाने के लिए मध्यस्थता का लाभ उठाएं ।

हाईकोर्ट के आदेश पर सैनी भवन पहुंची निगम-पुलिस टीम, विरोध के बाद लौटी

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट में हाईकोर्ट के आदेशों के पालन में सैनी भवन को ध्वस्त करने पहुंची नगर निगम और पुलिस की टीम को स्थानीय निवासियों तथा भवन प्रबंधकों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। मौके पर स्थिति तनावपूर्ण होने के बाद निगम अधिकारियों ने बिना किसी तोड़फोड़ के कार्रवाई स्थगित कर दी और टीम वापस लौट गई।

सैनी सभा के सदस्यों ने नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि भवन का निर्माण उन लोगों की सुविधा के लिए किया गया है, जो होटल या मैरिज पैलेस में शादी-ब्याह, रस्म क्रिया और अन्य कार्यक्रमों पर लाखों रुपये खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। सभा सदस्यों ने आरोप लगाया कि कुछ लोग राजनीतिक संरक्षण के चलते बार-बार शिकायतें कर भवन को गिराने का प्रयास करवा रहे हैं।

सभाध्यक्ष पम्मा सैनी और गुरदयाल सैनी ने कहा कि समाजहित

- **रोहित स्याल बोले-आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए बने हॉल के साथ सरकार खड़ी**

में बनाए गए इस भवन को नुकसान पहुंचाने की कोशिश का विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में ऐसे लोगों को संरक्षण देने वाले नेताओं के खिलाफ भी सैनी समाज अभियान शुरू करेगा।

नगर निगम इंस्पेक्टर समीर के अनुसार, सैनी भवन से संबंधित एक याचिका पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में दायर की गई थी। कोर्ट के निर्देशों के तहत निगम टीम पुलिस बल के साथ कार्रवाई के लिए पहुंची थी। टीम के पहुंचते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

वहीं, सैनी सभा के सदस्यों के आग्रह पर आम आदमी पार्टी के हलका इंचार्ज रोहित स्याल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने निगम अधिकारियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सुविधा देने वाली सैनी सभा के साथ सरकार खड़ी है और हॉल को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

आक्रोश 400 से अधिक मजदूर बाहर निकाले, प्रशासनिक अमले के साथ पहुंचे हिंदू संगठनों ने जताया रोष

पठानकोट में बूचड़खाने पर लगा अस्थाई ताला

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट के गांव अखवाना के औद्योगिक क्षेत्र में कथित रूप से संचालित हो रहे बूचड़खाने को लेकर उपजे विवाद के बीच बुधवार को प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए यूनिट को खाली करवाकर मुख्य गेट पर अस्थायी ताला लगा दिया। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भारी पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। इससे क्षेत्र में पिछले कई दिनों से बना तनाव फिलहाल कम हुआ है।

बताया जा रहा है कि मंगलवार को हिंदू संगठनों, सिख समुदाय, संत समाज, रामलीला कमेटियों तथा विभिन्न गांवों के पंच-सरपंचों ने बूचड़खाने के विरोध में प्रदर्शन किया था। डीसी कार्यालय में ज्ञापन देने के बाद संतोषजनक बातचीत न होने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे पर

जाम लगा दिया था। इसके बाद प्रशासन और पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को मौके पर टीम भेजी।

औद्योगिक विभाग, बीडीपीओ कार्यालय सुजानपुर और पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने पुलिस तथा प्रदर्शनकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान वहां 400 से अधिक मजदूर मौजूद मिले, जिन्हें बाहर निकाल दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने इनमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों के शामिल होने का आरोप लगाया, हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

बूचड़खाने के संचालक ने अधिकारियों को बताया कि यूनिट के पास आवश्यक अनुमतियां मौजूद हैं और अंदर नई मशीनरी लगाई जा रही थी। उसके अनुसार 18 सितंबर को औपचारिक उद्घाटन प्रस्तावित था। अधिकारियों ने संचालकों से संबंधित कागजात और क्लीयरेंस प्रमाणपत्र मांगे तथा उन्हें डिप्टी कमिश्नर के समक्ष प्रस्तुत होने के निर्देश दिए।

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों और मजदूरों को बाहर करवाने के बाद मुख्य द्वार पर सरकारी ताला लगवा दिया। कार्रवाई के दौरान डीएसपी धारकलां राजेश कक्कड़, डीएसपी देहाती सुखजिंदर सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं, हिंदू-सिख संगठनों ने बूचड़खाने को अनुमति देने वाले अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की है। नेताओं ने आरोप लगाया कि यूनिट में मशीनरी लगाई जा रही थी और दोबारा संचालन का प्रयास होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। प्रशासन की ओर से अब यूनिट के दस्तावेजों और अनुमतियों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होगी।

न्यूज ब्रीफ

अल्मोड़ा के 12 विद्यार्थी मुख्यमंत्री से करेंगे संवाद

डी एस सिजवाली । मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन अभियान के तहत अल्मोड़ा जिले के 12 मेधावी विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय संवाद कार्यक्रम के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थी 18 सितंबर को देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से 'कैसा हो मेरे सपनों का उत्तराखंड' विषय पर विचार और नवाचारपूर्ण सुझाव साझा करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेशभर से 140 विद्यार्थी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री से संवाद से पहले वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और विभागाध्यक्ष विद्यार्थियों से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्वरोजगार, पलायन, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी तथा महिला-बाल विकास जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। विद्यार्थियों के सुझावों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी। अभियान में 2,67,744 विद्यार्थियों ने सुझाव भेजे थे।

उत्तरकाशी में आज से सेवा संकल्प अभियान होगा शुरू

शिव सिंह थलवाल (उत्तरकाशी)। उत्तरकाशी जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के सफल संचालन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा जनसहभागिता से सेवा एवं विकास गतिविधियों को गति देना है। इसकी शुरुआत 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगी। यमुनोत्री और गंगोत्री धाम सहित प्रमुख सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

गौचर में 74वें औद्योगिक-सांस्कृतिक मेले की तैयारियां तेज

उदित नैनवाल । चमोली के गौचर में 74वां राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेला 14 से 20 नवंबर तक आयोजित होगा। मेले की तैयारियों और विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा के लिए 18 सितंबर को दोपहर 12 बजे राजकीय इंटर कॉलेज गौचर के सभागार में बैठक होगी। उप जिलाधिकारी एवं मेलाधिकारी कर्णप्रयाग अलकेश नौटियाल ने जनप्रतिनिधियों, समितियों के पदाधिकारियों तथा अधिकारियों-कर्मचारियों से बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

ऊखीमठ में अवैध शराब के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार

अनिल थपलियाल। अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत ऊखीमठ पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान नेपाली युवक दीपेन्द्र शाही, निवासी कालीकोट, नेपाल को गिरफ्तार किया। पठाली धार-डूंगर सेमला मार्ग पर मोटरसाइकिल की जांच में उसके कब्जे से 13 बोतल और आठ क्वार्टर, कुल 15 बोतल अवैध शराब बरामद हुई।

पौड़ी में 23 सितंबर से संस्कृत प्रतियोगिता का होगा आयोजन

अनिल थपलियाल। राजकीय इंटर कॉलेज पौड़ी नगर में संस्कृत विषय को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 23 और 24 सितंबर को संस्कृत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। आयोजकों के अनुसार कनिष्ठ वर्ग में कक्षा छह से 10 तक तथा वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 11 से स्नातकोत्तर स्तर तक के विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना और उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। खंड संयोजक रामेश्वर प्रसाद डोबरियाल ने बताया कि प्रतियोगिता की तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने अधिक से अधिक विद्यार्थियों से प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने विश्वकर्मा जयंती पर प्रदेशवासियों को दीं शुभकामनाएं

अनिल थपलियाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृजन, शिल्प और निर्माण का देवता माना जाता है। विश्वकर्मा जयंती केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सृजन, तकनीक, श्रम और कौशल के महत्व को रेखांकित करने वाला अवसर भी है।

राज्यपाल ने कहा कि इस पर्व के माध्यम से समाज में निर्माण और विकास से जुड़े लोगों के योगदान को सम्मान देने की प्रेरणा मिलती है। शिल्पकार, कारीगर, तकनीशियन और इंजीनियर अपनी मेहनत, दक्षता तथा रचनात्मक सोच से देश और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके प्रयासों से उद्योग, निर्माण, तकनीकी विकास और आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलती है। राज्यपाल ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में इन वर्गों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा जयंती हमें श्रम के सम्मान, तकनीकी दक्षता के विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देती है। समाज के प्रत्येक निर्माणकर्ता और कर्मयोगी के परिश्रम से विकास की नई संभावनाएं तैयार होती हैं। ऐसे में जरूरी है कि शिल्प एवं तकनीकी कार्यों से जुड़े लोगों को बेहतर अवसर, सम्मान और प्रोत्साहन मिले।

◆ शिल्पकारों, तकनीशियनों और इंजीनियरों के योगदान को सम्मान देने का संदेश

राज्यपाल ने प्रदेश के सभी शिल्पकारों, कारीगरों, तकनीशियनों, इंजीनियरों और निर्माण कार्य से जुड़े लोगों के सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यूपीईएस–नेक्टर साझेदारी से तकनीकी नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

उत्तराखंड और पूर्वोत्तर में शोध, स्वास्थ्य, ऊर्जा और आपदा प्रबंधन पर जोर

अनिल थपलियाल

यूपीईएस और नॉर्थ ईस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन एंड रीच (नेक्टर) ने अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, प्रौद्योगिकी के उपयोग, उद्यमिता, क्षमता निर्माण और सतत विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत की क्षेत्रीय चुनौतियों के समाधान के लिए तकनीक आधारित व्यावहारिक उपाय विकसित करना है। एमओयू पर यूपीईएस के प्रो वाइस चांसलर ऑपरेशंस एंड ग्रोथ इनिशिएटिव्स एवं रजिस्ट्रार मनीष मादान और नेक्टर के महानिदेशक डॉ. अरुण कुमार सरमा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर यूपीईएस के कुलपति डॉ. सुनील राय, प्रो वाइस चांसलर अकादमिक ऑपरेशंस एवं स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंजीनियरिंग की डीन डॉ. वीणा दत्ता, नेक्टर के डॉ. सोमनाथ सहित वरिष्ठ अधिकारी और फैकल्टी सदस्य मौजूद रहे। साझेदारी के तहत वास्तविक समस्याओं की पहचान कर तकनीकी समाधानों का विकास, परीक्षण और क्षेत्रीय स्तर पर उपयोग करने की संभावनाएं तलाश की जाएंगी। आपदा प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवाएं, आजीविका और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

शोध से जमीनी समाधान तक पहुंचेगी तकनीक

यूपीईएस के कुलपति डॉ. सुनील राय ने कहा कि विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका शोध और नवाचार को समाज के लिए सार्थक समाधानों में बदलने की है। नेक्टर के साथ सहयोग से यूपीईएस की बहुविषयक विशेषज्ञता को विकास की जमीनी जरूरतों से जोड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि छात्रों, फैकल्टी और शोधकर्ताओं को प्रासंगिक, व्यापक स्तर पर लागू किए जा सकने वाले और टिकाऊ समाधानों पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

ड्रोन, एआई, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन पर फोकस

संवाद के दौरान यूपीईएस के विभिन्न स्कूलों ने संभावित सहयोग के क्षेत्रों की जानकारी दी। स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंजीनियरिंग ने ड्रोन तकनीक, आपदा तैयारी, जोखिम न्यूनीकरण और ऊर्जा क्षेत्र में संभावनाएं प्रस्तुत कीं। स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित समाधानों पर जोर दिया। वहीं स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने शुरुआती कैंसर पहचान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी तकनीकी अनुप्रयोगों में शोध रुचियों को सामने रखा।

सांस्कृतिक रंगों के बीच लोहाजंग नंदा देवी महोत्सव का समापन

अनिल थपलियाल

प्रसिद्ध पर्यटक स्थल लोहाजंग में आयोजित दो दिवसीय जय मां नंदा देवी महोत्सव सांस्कृतिक संरक्षण विकास मेले का बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा के साथ समापन हुआ। बधाण की नंदा देवी की डोली के विदा होने के साथ ही मेले का समापन किया गया।

समापन समारोह का शुभारंभ थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, राज्य मंत्री बलवीर घुनियाल और सवाड़ वार्ड के जिला पंचायत सदस्य बलवीर राम ने दीप प्रज्वलित और रिबन काटकर किया। विधायक भूपाल राम टम्टा ने लोहाजंग जैसे रमणीक स्थल पर नंदा देवी यात्रा के अवसर पर आयोजित मेले की सराहना की। उन्होंने मेले के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए आयोजन के लिए एक लाख रुपये देने की घोषणा की।

राज्य मंत्री बलवीर घुनियाल ने कहा कि सांस्कृतिक मेलों के माध्यम से लोक संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित किया जा सकता है। जिला पंचायत सदस्य बलवीर राम ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मेलों से पौराणिक परंपराओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

समारोह में नगर पालिका कर्णप्रयाग के अध्यक्ष गणेश शाह सहित कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे। मेले में धारी देवी सांस्कृतिक कला मंच श्रीनगर के कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। गायक देवराज आगरी, अमन राज, जगदंबा भरतवाण तथा गायिकाओं मंजू नौटियाल और मोनिका ने लोकगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया। मंच संचालन बौबी दानू ने किया।

कारगी चौक में कूड़ा, यूकेडी आंदोलन की चेतावनी

अनिल थपलियाल

कारगी चौक के समीप नगर निगम के कूड़ा डंपिंग जोन में बढ़ते कूड़े के ढेर और सड़क तक फैली गंदगी को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने प्रशासन और नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। यूकेडी नेताओं का कहना है कि कूड़े के कारण क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है, जिससे स्थानीय निवासियों, दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी हो रही है। यूकेडी के केंद्रीय महामंत्री एवं धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी रघुवीर सिंह राणा ने कहा कि कारगी चौक की स्थिति नगर निगम की सफाई व्यवस्था के दावों पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि कूड़े का नियमित उठान और उचित निस्तारण नगर निगम की जिम्मेदारी है।

मोदी–धामी के जन्मदिन पर हवन और रक्तदान शिविर किया आयोजित

अनिल थपलियाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिन के अवसर पर सेलाकुई वेडिंग प्वाइंट में हवन, रक्तदान एवं निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व प्रधान सेंट्रल होपटाउन विजयपाल सिंह बर्तवाल के सौजन्य से किया गया। इसमें क्षेत्रवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर हवन में आहुति दी और स्वास्थ्य जांच के साथ चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। कार्यक्रम में पंडित डॉ. पंकज किशोर गौड़ ने विधि–विधान से हवन कराया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर भी लगाया गया, जिसमें लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 80 यूनिट रक्तदान किया।

◆ सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य जांच का उठाया लाभ

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों ने लोगों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया। क्षेत्रवासियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के शिविर आम लोगों के लिए उपयोगी साबित होते हैं।

अल्मोड़ा पुलिस ने स्कूलों, गांवों में चलाया जागरूकता अभियान

डी एस सिजवाली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर अल्मोड़ा पुलिस ने जिले के विभिन्न स्कूलों, गांवों और कस्बों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने आमजन और छात्र–छात्राओं को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

अभियान के तहत महिला कोतवाली प्रभारी जानकी भंडारी के नेतृत्व में ग्राम ढुंगाधारा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं धौलछीना थानाध्यक्ष रमेश सिंह बोहरा के नेतृत्व में पार्वती कान्वेंट स्कूल तथा सल्ट थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह के नेतृत्व में डोटियाल और सरायखेत में लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने साइबर अपराध से बचाव के लिए लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, पिन, सीवीवी अथवा बैंक खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी साझा न करें। साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई।

डायबिटिक रेटिनोपैथी से बचाव को लेकर समय पर जांच जरूरी

डी एस सिजवाली । सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान (एसएसजेजीआईएमएसआर), अल्मोड़ा में मधुमेह जनित नेत्र रोग डायबिटिक रेटिनोपैथी पर विभागीय मेडिकल एजुकेशन यूनिट (एमईयू) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों और रेजिडेंट डॉक्टरों को मधुमेह से होने वाली आंखों की जटिलताओं, समय पर जांच और उपचार के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का संचालन नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील ओझा ने किया। वैज्ञानिक सत्र में डॉ. दर्शिका रावत, डॉ. पूनम, डॉ. राहुल सरस्वत और डॉ. गरिमा सिंह ने प्रस्तुतियां दीं।

कोयला खदानों में विकास से रूबरू हुआ मीडिया दल

आधुनिक मशीनरी, सुरक्षा मानकों और पर्यावरण संरक्षण की पत्रकारों ने देखी पहल

ललित मोहन लखेड़ा । सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत पीआईबी देहरादून की ओर से आयोजित पांच दिवसीय अध्ययन एवं मीडिया एक्सपोजर टूर के दूसरे दिन उत्तराखंड के 13 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की गेवरा ओपनकास्ट कोयला खदान का भ्रमण किया। पत्रकारों ने खनन प्रक्रिया, आधुनिक तकनीक, सुरक्षा व्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को करीब से देखा।

भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल को कोयला निकालने से लेकर ओवरबर्डन हटाने, कोयले की हैंडलिंग और परिवहन तक की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने उच्च क्षमता वाली मशीनरी, शॉवेल–डंपर संयोजन, सरफेस माइनर और रिपर तकनीक के साथ डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल के बारे में भी जानकारी दी।

एसईसीएल के क्षेत्रीय महाप्रबंधक संजय मिश्रा ने कहा कि देश की ऊर्जा जरूरतों और विकास में कोयले की महत्वपूर्ण भूमिका है। कंपनी उत्पादन बढ़ाने के साथ श्रमिकों की सुरक्षा, सामाजिक दायित्व और पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि एसईसीएल अगले वर्ष दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

महाप्रबंधक (ऑपरेशंस) धीरज चौधरी ने गेवरा खदान के संचालन, उत्पादन क्षमता और सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गेवरा दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी और एशिया की सबसे बड़ी ओपनकास्ट कोयला खदान है।

स्यानाचट्टी में खाई में गिरा चालक पुलिस–एसडीआरएफ ने बचाया

शिव सिंह थलवाल।(उत्तरकाशी) यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्यानाचट्टी के पास रात के समय वाहन से उतरते हुए पैर फिसलने से करीब 50 मीटर गहरी खाई में गिरे टेम्पो ट्रैवलर चालक को पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में चालक को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, टेम्पो ट्रैवलर चालक उपेंद्र उत्तर प्रदेश का निवासी है और हरिद्वार से मध्यप्रदेश के सात तीर्थयात्रियों को लेकर चारधाम यात्रा पर आया था। रात करीब नौ बजे वाहन स्यानाचट्टी पहुंचा। चालक शौच के लिए वाहन से नीचे उतरा। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह गहरी खाई में जा गिरा। काफी देर तक चालक के वापस नहीं लौटने पर वाहन में सवार यात्रियों ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

सरकारी संपत्तियां निजी हाथों में देने पर कांग्रेस के सवाल

जॉर्ज एवरेस्ट समेत कई संपत्तियों की लीज प्रक्रिया में पारदर्शिता और मूल्यांकन की मांग

अनिल थपलियाल

विकासनगर जिला कांग्रेस कमेटी पछवादून के अध्यक्ष संजय किशोर ने प्रेस वार्ता कर भाजपा सरकार पर सरकारी भूमि और बेशकीमती संपत्तियों को निजी कंपनियों को लीज या पीपीपी मॉडल के माध्यम से देने की तैयारी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर बोर्ड (यूआईआईडीबी) के माध्यम से सरकारी विभागों की जमीन और संपत्तियों को लंबे समय के लिए निजी हाथों में देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

संजय किशोर ने मसूरी के जॉर्ज एवरेस्ट (हाथीपांव) की करीब 442 एकड़ भूमि का उदाहरण देते हुए कहा कि इसे राजस एयरो स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर प्राइवेट लिमिटेड को 45 वर्ष के लिए एक करोड़ रुपये वार्षिक लीज पर दिए जाने का मामला सामने आया है। उन्होंने दावा किया कि इसी भूमि पर पहले करीब 23 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने निविदा प्रक्रिया और लीज की शर्तों की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

कांग्रेस नेता ने कहा कि 17 अक्टूबर 2023 से लागू कानून के तहत सरकारी भूमि और संपत्तियों को लीज अथवा पीपीपी मॉडल पर देने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने दावा किया कि करीब 1200 एकड़ भूमि से जुड़े प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री स्तर से निर्णय हो चुके हैं, जबकि कई हजार बीघा भूमि के प्रस्ताव विभिन्न स्तरों पर लंबित हैं। उन्होंने इन सभी प्रस्तावों और निर्णयों को सार्वजनिक करने की मांग की।

सरकारी संपत्तियों पर पारदर्शिता की मांग

संजय किशोर ने कहा कि सरकारी जमीन और संपत्तियों से जुड़े निर्णयों में सार्वजनिक हित को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकारी भूमि को लंबे समय के लिए निजी संस्थाओं को लीज पर दिया जाता है तो इससे भविष्य में सरकार और आम जनता के पास उपलब्ध संसाधन सीमित हो सकते हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रत्येक संपत्ति के बाजार मूल्य, लीज अवधि, निविदा प्रक्रिया और चयनित संस्था से संबंधित जानकारी सार्वजनिक की जाए।

उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियों के उपयोग को लेकर स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों को भी जानकारी दी जानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कई महत्वपूर्ण संपत्तियों के संबंध में स्थानीय स्तर पर पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं है।

ज्योतिर्मठ सीएचसी में अल्ट्रासाउंड सुविधा हुई शुरू

उदित नैनवाल

जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ज्योतिर्मठ में बुधवार से अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू कर दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने रोटेशन के आधार पर सप्ताह में एक दिन रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती की है। पहले दिन 12 मरीजों का अल्ट्रासाउंड किया गया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव सिंह पाल ने बताया कि सीएचसी में सुविधा नहीं होने से क्षेत्र के मरीजों को जांच के लिए परेशानी उठानी पड़ती थी। अब जिला चिकित्सालय की रेडियोलॉजिस्ट डॉ. गरिमा चौधरी प्रत्येक बुधवार सीएचसी में सेवा देंगी। बुधवार को उनके अवकाश पर होने के कारण महिला बेस चिकित्सालय के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. गौरव शाह ने मरीजों की जांच की।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार निर्धारित दिन पर मरीजों को नियमित रूप से अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलेगी। इस दौरान एसीएमओ डॉ. वैष्णव कृष्णा, जिला शासकीय अधिवक्ता प्रकाश भंडारी, राजस्व निरीक्षक चंद्र सिंह बुटोला और प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. गौतम कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

91 गीगावाट क्षमता, राख से हरियाली, पर्यावरण संरक्षण की देखी पहल

एनटीपीसी कोरबा में विकास से रूबरू हुआ मीडिया दल

अनिल थपलियाल। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत पीआईबी देहरादून की ओर से आयोजित पांच दिवसीय अध्ययन एवं मीडिया एक्सपोजर टूर के तीसरे दिन उत्तराखंड के मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने एनटीपीसी कोरबा और भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) का भ्रमण किया। दल ने ऊर्जा उत्पादन, आधुनिक तकनीक, सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक दायित्वों से जुड़ी गतिविधियों को करीब से देखा। एनटीपीसी कोरबा में कार्यकारी निदेशक केसी पात्रा ने प्रतिनिधिमंडल को कंपनी की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता करीब 91 गीगावाट है, जिसे 2037 तक 150 गीगावाट और 2047 तक 240 गीगावाट करने की योजना है।

उत्तरकाशी में आठ घंटे में चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

शिव सिंह थलवाल। (उत्तरकाशी) कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने चोरी की घटना का आठ घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की रकम में से 72 हजार रुपये नकद और चोरी के पैसों से खरीदा गया आईफोन बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, जनपद मुख्यालय में परचून की दुकान चलाने वाले व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 12 सितंबर की रात दुकान बंद करने के बाद वह नकदी लेकर घर जा रहा था। रास्ते में एक युवक ने उसे बातचीत में उलझाया और बैग से दो लाख रुपये चोरी कर लिए।